हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● गुरुवार ● 26.09.2024 ● वर्ष : 15 ● अंक : 67 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3~~ 2 रुपये

एक नजर

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज आयेंगे धनबाद

रांची : भाजपा के उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल (पूर्वी) की परिवर्तन यात्रा का समापन 26 सितंबर को होगा। इस परिवर्तन यात्रा का समापन समारोह धनबाद के गोल्फ मैदान में होगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे। परिवर्तन यात्रा के प्रभारी सह पूर्व सांसद रवींद्र राय ने बताया कि समापन समारोह में स्थानीय सांसद ढुलू महतो, विधायक राज सिन्हा सहित अन्य स्थानीय नेता मौजूद रहेंगे। वहीं गोल्फ मैदान की सभा में धनबाद, बाघमारा व झरिया विधानसभा क्षेत्र के पार्टी कार्यकर्ता व नेता शामिल होंगे। विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने परिवर्तन यात्रा को गंभीरता से लिया है। पार्टी सभी विधानसभा क्षेत्र में रोड शो व आम सभा का आयोजन कर रही है। 26 सितंबर को परिवर्तन यात्रा धनबाद महानगर में प्रवेश करेगी। धनबाद में सभा को मुख्य वक्ता के रूप में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह संबोधित करेंगे। साथ ही विधायक राज सिन्हा ने बताया कि धनबाद शहर में रोड शो और आम शो का भी आयोजन होगा।

पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई ने सुरक्षा में लगे सभी वाहन राज्य सरकार को लौटाए

रांची : पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने अपनी सुरक्षा में राज्य सरकार की तरफ से दी गई सारी गाड़ियां वापस कर दी हैं। दरअसल, सरकार की तरफ से उनसे तीन गाड़ियां वापस मांगी जा रही थीं। इस बात पर उन्होंने सभी गाड़ियों को वापस कर दिया। यह भी बताया जा रहा है कि उनको एक सफारी गाड़ी दी गई थी, जिसका एसी भी काम नहीं कर रहा था। इसलिए उन्होंने सारी गाड़ियों को लौटाना ही सही समझा। पूर्व मुख्यमंत्री के प्रोटोकॉल के हिसाब से ये असंवैधानिक मामला है। पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेनको जेड प्लस कैटेगरी की सुरक्षा प्राप्त है। बताया जाता है कि राज्य सरकार की ओर से उनको तीन वाहन वापस करने के लिए कहा गया था लेकिन चंपाई सोरेन में अपनी सुरक्षा में लगीं सभी छह वाहनों को राज्य सरकार को वापस कर दिया है। माना जा रहा है कि इससे आने वाले दिनों चंपाई खेमे और जेएमएम खेमे के बीच की दूरियां और अधिक बढ़ सकती हैं।

पिछले चार वर्षों में सभी को रोटी, कपड़ा और मकान उपलब्ध कराने पर हुआ काम : हेमन्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने बुधवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए साहेबगंज जिला के बरहेट प्रखंड स्थित भोगनाडीह में आयोजित "आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार" कार्यक्रम को सम्बोधित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मनुष्य जीवन में रोटी, कपड़ा और मकान की व्यवस्था आवश्यक है। हमारी सरकार राज्य में सभी को रोटी, कपड़ा और मकान उपलब्ध करा रही है। पिछले चार वर्षों में हमारी सरकार ने जन-जन और घर-घर तक सरकार की योजनाओं को पहुंचाने का कार्य कर दिखाया है। पूर्व की सरकार ने 11 लाख हरा राशन कार्ड डिलीट करने का काम किया था लेकिन हमारी सरकार ने 20 लाख अतिरिक्त राशन कार्ड निर्गत कर लोगों के घरों तक राशन पहुंचाने का काम किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में सर्वजन पेंशन योजना लागू करने वाला झारखंड पहला राज्य है। वर्तमान समय में सामाजिक सुरक्षा के तहत एक भी पात्र व्यक्ति पेंशन योजना से वंचित नही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि "आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार" कार्यक्रम की शुरूआत वर्ष 2021 में उलिहातू की धरती से हुई थी और आज इस अभियान का चौथा चरण भोगनाडीह की भूमि से संपन्न हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज एक नई सुविधा के अंतर्गत वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हमसभी लोग जुड़ रहे हैं। भारी बारिश और खराब मौसम के कारण कार्यक्रम स्थल पर नहीं पहुंच पाने का मुझे काफी अफसोस है लेकिन इस आधुनिक युग में तकनीक के माध्यम से हम आपसभी के बीच आज रू-ब-रू हो रहे हैं और अपनी बातों को आप तक पहुंचा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी लोग आने वाले दिनों में भी मजबूती के साथ राज्य सरकार के साथ खड़े रहें। हमारी सरकार धर्म, समुदाय, जाति के आधार पर कार्य नहीं करती है। सभी धर्म, वर्ग-समुदाय तथा सभी जातियों का सम्मान करते हुए उनके हितों की रक्षा करना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने सदैव यह प्रयास किया है कि यहां के आदिवासी-मूलवासियों को सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक रूप से सशक्त किया जा सके।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए "आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार" कार्यक्रम को सम्बोधित करते सीएम

महिला सशक्तिकरण रही प्राथमिकता

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने यह संकल्प लिया है कि राज्य की आधी आबादी विभिन्न योजनाओं से जोड़कर सशक्त की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी कड़ी में झारखंड ₹मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना₹ की शुरूआत की गई है। इस योजना के तहत राज्य की लगभग 50 लाख बहन-माताओं को जोड़ा गया है, जिन्हें साल में 12 हजार सम्मान राशि दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ₹मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना₹ की दूसरी किस्त भी लाभुक महिलाओं के खातों पर डाला जा चुका है। साथ ही कहा कि पिछले 20 वर्षों में महिला स्वयं सहायता समूह को मात्र 600 करोड़ रुपये का फंड दिया गया था। हमारी सरकार ने पिछले 4 वर्षों में 10 हजार करोड़ रुपये की राशि का फंड महिला स्वयं सहायता समूहों के विकास के लिए उपलब्ध कराए गए हैं।

नियुक्तियों का सिलसिला निरंतर जारी

हेमन्त ने कहा कि रोजगार और नौकरी उपलब्ध कराने की दिशा में भी हमारी सरकार निरंतर प्रयासरत रही है। राज्य सरकार ने अपने प्रयास से डेढ़ से दो लाख लोगों को निजी क्षेत्र में नियुक्त करने का काम किया है। वहीं हजारों की संख्या में अलग-अलग चरणों में सरकारी नियुक्तियां भी की गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग 40 से 50 हजार नियुक्तियों का सिलसिला जारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत युवा वर्ग को ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे वह विभिन्न स्वरोजगार के साधन से जुड़ रहे हैं।उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ₹आपकी योजना-आपकी-सरकार आपके द्वार₹ अभियान चलाकर गांव-गांव, टोला-टोला और घर-घर तक राज्य सरकार की योजनाओं को पहुंचाने का काम किया है।

झारखंडवासियों को यहां की खनिज संपदाओं का नहीं मिला लाभ

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार के ऊपर राज्य सरकार का 01 लाख 36 हजार करोड़ रुपये का बकाया है। यह बकाया राशि केंद्र सरकार यदि राज्य सरकार को उपलब्ध करा दे तो गए अन्य विकासात्मक योजनाओं को राज्य के भीतर लागू किया जा सकेगा। राज्य सरकार द्वारा अपने बलबूते गए भावी योजनाओं को संचालित किया जा रहा है, जिसका लाभ राज्यवासियों को पूर्ण रूप से मिला है। यहां के कृषि वर्गों का दो लाख रुपये तक का कृषि ऋण भी माफ कर दिया गया है। खेती कृषि को बढ़ावा देने के लिए कई वैकल्पिक व्यवस्थाओं पर बोल दिया गया है।

जम्मू-कश्मीर में पांच बजे तक हुआ 54 प्रतिशत मतदान, श्री माता वैष्णो देवी में सर्वाधिक वोट पड़े

एजेंसी

जम्मू/श्रीनगर : जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में बुधवार को छह जिलों के 26 निर्वाचन क्षेत्रों में शाम पांच बजे तक औसतन 54 प्रतिशत मतदान हुआ, जिसमें सर्वाधिक वोट श्री माता वैष्णो देवी सीट पर डाले गये। चुनाव आयोग के मुताबिक आज दूसरे चरण में छह जिलों राजौरी, पुंछ, रियासी, गंदेरबल, श्रीनगर और बड़गाम में मतदान हो रहा है। शाम पांच बजे तक श्री माता वैष्णो देवी सीट पर सबसे अधिक 75.29 प्रतिशत मतदान हुआ और हब्बाकदल में सबसे कम 15.80 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाले। इसके अलावा बीरवाह में 62.50, बडगाम में 47.18, बुढाल (सुरक्षित) में 66.95, सेंट्रल शालटेंग में 29.09, चदूरा में 54.16, चन्नापोरा में 26.95, चरार-ए-शरीफ में 66.00, ईदगाह में 34.65, गंदेरबल में 53.44, गुलाबगढ़ (सुरक्षित) में 72.19, हजरतबल में 30.24, कलाकोटे-सुंदरबनी में 66.37, कंगन (सु) में 67.60, खानसाहिब में 67.70, खानयार में 24.00, लाल चौक में 30.44, मेंढर (सु) में 69.67, नौशेरा में 69.00, पुंछ-हवेली में 72.71, राजौरी (सु) में 68.06, रियासी में 69.09, सूरनकोट (सुर) में 72.18, थन्नामंडी (सु) में 68.44 और जेदीबल में 28.36 प्रतिशत औसतन मतदान हुआ।

बडगाम में श्री उमर अब्दुल्ला का मुकाबला पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के आगा सैयद मुंतजिर से है, जो नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) नेता एवं सांसद रूल्ला मेहदी के चचेरे भाई हैं। नौशेरा सीट से चुनाव लड़ रहे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जम्मू-कश्मीर इकाई के प्रमुख रविंदर रैना की किस्मत का फैसला भी इसी चरण में होगा। भाजपा प्रमुख को विधान परिषद के पूर्व सदस्य सुरिंदर चौधरी से कड़ी चुनौती मिल रही है, जो नेकां के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं।

कदाचार मुक्त हुई जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा प्रश्न पत्रों पर लगा था क्यूआर कोड : प्रशांत कुमार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) के कार्यकारी अध्यक्ष प्रशांत कुमार ने बुधवार को कहा कि जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा कदाचार मुक्त हुई है। पहली बार प्रश्न पत्रों की डिजिटल कोडिंग की गयी थी। हर प्रश्न पत्र के ऊपरी हिस्से में क्यूआर कोड लगाया गया था। किसी तरह का कदाचार न हो इसके लिए पुख्ता इंतजाम किए गए थे। परीक्षा केंद्रों में 9217 जैमर और 15236 सीसीटीवी लगाए गए थे।

कुमार ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि झारखंड सामान्य स्नातक योग्यताधारी संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा में कुल 6,39,100 वैध आवेदन प्राप्त हुए थे। वैध आवेदनों पर प्रवेश पत्र जारी किये गये। 21 एवं 22 सितंबर को तीन पालियों में परीक्षा का आयोजन किया गया। इस परीक्षा में कुल उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या 3,04,769 रही। उन्होंने कहा कि परीक्षा के आयोजन के लिए राज्य के सभी 24 जिलों में कुल 823 परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें विद्यालय-महाविद्यालय के प्रधान केन्द्राधीक्षक नियुक्त किये गये।

कुमार ने बताया कि कुल 823 केन्द्रों पर परीक्षा कक्ष की कुल संख्या 10,917 थी, जिसमें कुल 26,671 वीक्षक नियुक्त किये गये थे। परीक्षा में आयोग के एसओपी के अनुसार जिला प्रश्नासन के जरिये कुल 824 स्टैटिक दण्डाधिकारी, 857 परीक्षा ऑबजर्वर एवं कुल 415 गश्ती दण्डाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई थी। सभी 24 जिला में एक-एक नोडल पदाधिकारी एवं एक-एक बजगृह प्रभारी की प्रतिनियुक्ति की गई थी। उन्होंने बताया कि सभी वज्रगृह में गोपनीय सामग्रियों की निगरानी एवं अनुश्रवण के लिए लाईव सीसीटीवी लगे थे। साथ ही सभी 823 परीक्षा केन्द्रों के केन्द्राधीक्षक कक्ष/कन्ट्रोल रूम में भी लाईव सीसीटीवी लगे थे।

कुमार ने बताया कि परीक्षा संबंधी गोपनीय सामग्रियों को परीक्षा के दिन वज्रगृह से परीक्षा केन्द्र तक सील बन्द मेटल ट्रंक में सुरक्षा घेरे में पहुंचाया गया। मेटल ट्रंक की चाभी विशेष रूप से एक टेम्पर इविडेंट पैकेट में सील किया गया था। साथ ही सभी चाभियों को एक पासवर्ड प्रोटेक्टेड विशेष ट्रंक में सील किया गया था। प्रश्न पत्र को टेम्पर इविडेंट पैकेट में सील किया गया था, जिसका सील परीक्षा कक्ष में पांच उम्मीदवारों के समक्ष खोला गया। इस प्रकार प्रश्न पत्र के पैकेट को लगभग 1,00,000 उम्मीदवारों के समक्ष खोला गया था। सभी परीक्षा केन्द्रो पर परीक्षा निष्पक्ष, कदाचार रहित एवं शांतिपूर्ण सम्पन्न हुआ है।

बीजेपी के बहरुपिए देश के कोने-कोने से यहां आकर लोगों को बरगलाने की कर रहे हैं कोशिश : कल्पना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : मंईयां सम्मान यात्रा बुधवार को मेदिनीनगर पहुंची। यहां शिवाजी मैदान में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की पत्नी और विधायक कल्पना सोरेन ने कहा कि झारखंड में केवल हेमन्त राज चलेगा। इंडिया महागठबंधन की सरकार का बोलबाला होगा। कोई रोक सके तो रोककर दिखा दे। यह तभी संभव है जब लोग खुलकर हमारा समर्थन करेंगे।

कल्पना ने लोगों को भाजपा से बचकर रहने की सलाह दी। साथ ही कहा कि बीजेपी के बहरुपिए देश के कोने-कोने से यहां आकर लोगों को बरगलाने की कोशिश कर रहे हैं। ये वही नेता हैं जो अम्बेडकर की प्रतिमा एक तरफ लगाते हैं तो दूसरी तरफ तोड़ते भी हैं। संविधान के अनुसार कार्य करने की बात कहते हैं और दूसरी तरफ संविधान को खत्म करने की तैयारी में भी लगे हुए हैं।

मंईयां सम्मान यात्रा को संबोधित करतीं कल्पना सोरेन व अन्य

कल्पना ने कहा कि आपके सपने पूरा करना मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और महागठबंधन सरकार का काम है। मंईयां सम्मान की चर्चा करते हुए कहा कि यह एक हजार रुपये नहीं है। यह महिलाओं के लिए सम्मान है। महिलाएं घर परिवार देखती हैं। उन्हें कोई सैलरी नहीं मिलती। यह राशि उन्हें राहत के साथ जरूरतों को पूरा करेगी। साथ ही कहा कि आज जितनी योजनाएं चल रही हैं, उससे कहीं ज्यादा दोबारा सरकार बनने के बाद चलायी जायेंगी।

कल्पना ने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि महिला सम्मान के लिए उनके द्वारा जो योजनाएं चलायी गयी है, उसे रोकने के लिए बीजेपी के लोग हाई कोर्ट में पीआईएल किए हैं। इससे आप सभी अंदाजा लगा सकते हैं कि बीजेपी की मंशा आपके प्रति कैसी है। इसे जानने की जरूरत है और महिला विरोधी चेहरे को पहचान कर समय पर जवाब भी देना जरूरी है। बहुत जल्द चुनाव होने वाला है। इस मौके पर ऐसे बहुरूपीय को आप जवाब दें ताकि फिर से झारखंड में हेमन्त सोरेन के नेतृत्व में लोकप्रिय सरकार बनायी जा सके।

मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने कहा कि झारखंड बनने के बाद भी आज तक किसी सरकार ने महिला सशक्तिकरण पर ध्यान नहीं दिया। डबल इंजन की सरकार इसमें फेल साबित हुई। फिर से राज्य में डब्ल इंजन की सरकार के लिए अपील की जा रही है लेकिन उनके पुराने ट्रैक रिकार्ड को देखकर जनता मुंहतोड़ जवाब दे। मंईयां सम्मान योजना से नया अध्याय गढा गया है। उन्होंने कृषि ऋण माफी, बिजली बिल शून्य आने सहित अन्य योजनाओं की जानकारी लोगों को दी।

मंत्री बेबी देवी ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि उनके विभाग के द्वारा मंईयां सम्मान योजना के तहत महिलाओं को राहत प्रदान किया जा रहा है। क्षेत्र में बहुत गरीबी है। छोटे-छोटे बच्चे घर पर खाने-पीने की सामग्री की मांग करते हैं। महिलाएं पैसे के अभाव में दे नहीं पाती। ऐसे में उनका एक हजार रुपये घरेलू जरूरतों को पूरा करके राहत प्रदान करेगा।

पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी ने कहा कि झारखंड में महागठबंधन की सरकार बनती है तो महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उन्हें आजीविका से जोड़ेगी। 50 हजार से लेकर एक लाख तक की आमदनी बढ़ाने की कोशिश होगी। देश की इकोनॉमी में सुधार लाने के लिए महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ना होगा और स्थानीय स्तर पर उत्पादकता बढानी होगी। मनिका विधायक रामचन्द्र सिंह ने कहा कि महिला उत्थान के लिए झारखंड में बनायी गयी योजनाएं जल्द पूरे भारत देश में लागू होगी। राज्य सरकार सभी के हित में बेहतर कार्य कर रही है।

एमएस रामचंद्र राव ने हाई कोर्ट के 16वें चीफ जस्टिस के रूप में ली शपथ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड हाई कोर्ट के 16वें चीफ जस्टिस के रूप में जस्टिस एमएस रामचंद्र राव ने बुधवार को शपथ ली। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने उन्हें राजभवन के बिरसा मंडप में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी। वे झारखंड के 16वें चीफ जस्टिस बन गए हैं।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन हाई कोर्ट के अन्य न्यायाधीश, महाधिवक्ता राजीव रंजन, हाई कोर्ट के वरीय अधिवक्ता, स्टेट बार काउंसिल के अध्यक्ष , काउंसिल के अध्यक्ष सदस्य एडवोकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष, महासचिव, सदस्य समेत अपर महाधिवक्ता और महाधिवक्ता कार्यालय के सभी अधिवक्ता समेत हाई कोर्ट के कई अधिवक्ता मौजूद थे। जस्टिस एम एस राम चंद्र राव इससे पहले हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस थे। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 11 जुलाई को उनके ट्रांसफर की सिफारिश की थी। जस्टिस राव का जन्म सात अगस्त 1966 को हैदराबाद में हुआ था। उन्होंने उस्मानिया विश्वविद्यालय से बीएससी गणित (ऑनर्स) की पढ़ाई की। इसके बाद वर्ष 1989 में यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ लॉ, उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद से एलएलबी पास किया। जस्टिस राव एलएलबी के अंतिम वर्ष में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने के लिए स्वर्ण पदक से सम्मानित हुए। वर्ष 1991 में कैंब्रिज विश्वविद्यालय यूके से एलएलएम की डिग्री प्राप्त की।

जस्टिस राव को 29 जून 2012 को आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था। इसके बाद स्थायी न्यायाधीश बने। इन्होंने तेलंगाना हाई कोर्ट, पंजाब व हरियाणा हाई कोर्ट में भी अपनी सेवा दी है। पदोन्नति मिलने के बाद 30 मई 2023 को जस्टिस राव को हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट का चीफ जस्टिस नियुक्त किया गया। जस्टिस राव के पिता जस्टिस एम जगन्नाथ राव भारत सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश और भारत के विधि आयोग के पूर्व अध्यक्ष थे। जस्टिस राव के दादा एमएस रामचंद्र राव भी आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश थे।

एक नजर

सड़क दुर्घटना में घायल के परिजनों को अंबा प्रसाद ने सौंपा 50 हजार का चेक

बड़कागांव: प्रखंड क्षेत्र के डाड़ीकला निवासी ऐनुल हक विगत दिनों सड़क दुर्घटना में घायल हो गए थे। तथा उनका इलाज रांची के रामप्यारी हॉस्पिटल में में चल रहा था। वहीं चेपाकला निवासी संजय राम की 13 वर्षीय पुत्री भी सड़क दुर्घटना में घायल हो गई थी। जिसका इलाज हजारीबाग के अस्पताल में चल रहा था। दोनों के इलाज में अत्यधिक खर्च होने के कारण परिवार जनों ने विधायक अंबा प्रसाद को इसकी सूचना दी। इसके बाद विधायक ने तत्काल मुख्यमंत्री राहत कोष से इलाज का खर्च उपलब्ध कराने हेतु अनुशंसा किया। इसके बाद 50-50 हजार का चेक मरीज के परिजनों को विधायक अंबा प्रसाद द्वारा उपलब्ध कराई गई। विधायक ने दोनों के शीघ्र स्वस्थ होने की मंगल कामना की।

विधायक ने ट्रांसफार्मर का किया उद्घाटन

बरही : बरही के करगइयों और कोल्हुआकला गांव में विधायक उमाशंकर अकेला ने ट्रांसफार्मर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर सैकड़ों ग्रामीणों की उपस्थिति रही, जिन्होंने इस कदम का गर्मजोशी से स्वागत किया। ट्रांसफार्मर की स्थापना से ग्रामीणों को बिजली की बेहतर सुविधा मिलने की उम्मीद है, जिससे उनके दैनिक जीवन में सुधार होगा। विधायक उमाशंकर अकेला ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति की समस्याओं को हल करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यह ट्रांसफार्मर ग्रामीणों को न सिर्फ बिजली की निर्बाध आपूर्ति देगा, बल्कि इससे क्षेत्र का समग्र विकास भी संभव होगा। इस कार्यक्रम में बीस सूत्री अध्यक्ष अज्जू सिंह, रामानंद यादव, रमेश यादव, अरुण प्रसाद, सकलदेव पासवान, दिलीप साव, प्रदीप पासवान, मथुरा पासवान, विकास यादव, अशोक पासवान, मुंशी पासवान, भोला राणा, बीरेंद्र राणा, परमेश्वर यादव, बिनोद यादव, मनोज सिंह, मनोज राणा, रामजीत यादव, प्रदीप यादव, रवि पासवान और कुलदीप पासवान सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे। उद्घाटन के दौरान ग्रामीणों ने विधायक उमाशंकर अकेला का धन्यवाद व्यक्त किया और इस पहल को क्षेत्र के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

27 को होगा हजारीबाग बिजली विभाग जीएम कार्यालय का घेराव

बरही: बरही विधानसभा क्षेत्र में बिजली की गंभीर समस्याओं से परेशान ग्रामीण अब आंदोलन का रुख अपना रहे हैं। पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव की अध्यक्षता में उनके बरही स्थित आवास पर आयोजित बैठक में फैसला लिया गया कि 27 सितंबर को प्रजातांत्रिक तरीके से हजारीबाग के बिजली विभाग के जीएम कार्यालय का घेराव किया जाएगा। बैठक में पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव ने आरोप लगाया कि हजारीबाग विद्युत विभाग सरकारी कार्यालय की तरह नहीं, बल्कि सत्ताधारी दल के कार्यालय की तरह व्यवहार कर रहा है। उन्होंने कहा कि बरही, पदमा और चौपारण प्रखंड के कई गांव पिछले कई महीनों से अंधेरे में डूबे हुए हैं। कारण ट्रांसफार्मरों का जल जाना और उनकी जगह नए ट्रांसफार्मर न लगना। ग्रामीण लगातार बिजली विभाग के अधिकारियों से संपर्क करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन हर बार उन्हें सिर्फ झूठे आश्वासन दिए जाते हैं।

बहुत हुआ अत्याचार, अब बदल देंगे भ्रष्ट झारखण्ड सरकार : मनीष जायसवाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : बीजेपी झारखंड द्वारा पूरे झारखंड प्रदेश मे हेमंत सरकार के खिलाफ आयोजित परिवर्तन यात्रा के माध्यम से झारखंड के लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इस यात्रा में हजारीबाग के लोकप्रिय सांसद मनीष जयसवाल जी के साथ हजारीबाग सदर विधानसभा के भाजपा नेता प्रदीप प्रसाद भी इस यात्रा के माध्यम से लोगों के बीच पहुंचें। हजारीबाग सदर विधानसभा क्षेत्र स्थित कटकमसांडी प्रखंड कुरहागढ़ा, डाटो, एदला, बाझा, बंझिया मोड़ होते हुए कटकमसांडी बाजार में परिवर्तन यात्रा रथ के माध्यम से सांसद मनीष जायसवाल ने लोगों को वर्तमान भ्रष्ट झामुमो, कांग्रेस और राजद की सरकार के खिलाफ जनजागरण किया और हुंकार भरते हुए कहा की वर्तमान सरकार तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है और इस सरकार के शासन में राज्य की विधि व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। आने वाले विधानसभा चुनाव में परिवर्तन होगा और राज्य की परिस्थितियों निश्चित रूप से बदलेंगी । भाजपा नेता प्रदीप प्रसाद ने कहा कि इस बार हजारीबाग के साथ पूरे झारखंड मे कमल खिलेगा। श्री प्रसाद ने कहा कि इस बार बदलाव का बयार है। जनता मन बना चुकी है। उन्होने कहा कि भाजपा के शासन काल मे ही समूचें प्रदेश की विकास संभव है। भ्रष्ट हेमंत सरकार को उखाड फेंकने का वक्त अब आ गया है। मौके पर विशेषरूप से यात्रा के संयोजक राकेश प्रसाद, ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अमरदीप यादव, भाजपा नेता योगेंद्र प्रताप सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह, जिला महामंत्री रीतलाल यादव, कटकमसांडी पश्चिमी मंडल अध्यक्ष कैलाश यादव, प्रकाश कुशवाहा, वीरेन्द्र कुमार वीरू, कटकमसांडी पूर्वी जिप सदस्य प्रतिनिधि मनीष ठाकुर, सुमन राय, रेबर पंचायत मुखिया प्रतिनिधि हलधर यादव, पप्पु यादव, पूर्व जिप सदस्य कौलेश्वर रजक,कटकमदाग मुखिया संघ अध्यक्ष राजेश गुप्ता, उप प्रमुख विमल गुप्ता, निरंजन यादव, शशि ठाकुर, अमृत पासवान, राजू कुशवाहा, बिरजू रवि, प्रकाश कुशवाहा, जितन प्रसाद, बजरंगी ठाकुर, कृष्णा साहु, पिन्टु कुमार, दिलीप यादव, प्रीत गुप्ता, बलराम शर्मा, धनजय सिहं, देवनाथ प्रसाद, राजेश ठाकुर, राजेश यादव, भजन प्रसाद, मुंशी महतो, पूर्व मुखिया कामेश्वर रविदास, सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहें ।

स्वस्थ समाज के निर्माण में एनएसएस की भूमिका महत्वपूर्ण : डॉ मुनीष गोविंद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : पढ़ाई के साथ साथ एक अच्छा इंसान बनना बेहद जरूरी है। एनएसएस के माध्यम से विद्यार्थी समाज हितों को लेकर जागरूक होते हैं और नुक्कड़ नाटक व अन्य माध्यमों से समाज हित के कार्यों से भी जुड़े रहते हैं। स्वयंसेवक कई सामाजिक कुरीतियों से भी अवगत कराते हैं और लोगों को इसके प्रति जागरूक भी करते हैं। स्वस्थ समाज के निर्माण में भी एनएसएस की भूमिका महत्वपूर्ण है। उक्त बातें आईसेक्ट विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद आईसेक्ट विश्वविद्यालय हजारीबाग में आयोजित एनएसएस के स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवियों व अन्य विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने इस बीच राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य और महत्व की भी जानकारी दी। इससे पूर्व विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ पीके नायक, कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद, डीन एडमिन डॉ एसआर रथ, डीन एकेडमिक डॉ एमके मिश्रा, लॉ विभागाध्यक्ष डॉ जयदीप सन्याल सहित अन्य के हाथों दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ पीके नायक ने कहा कि साइबर क्राइम, मोबाइल व नशे की लत जैसी नई चुनौतियां आज समाज के सामने आ चुकी है।

चौपारण में लगातार हो रही दुर्घटना को लेकर धरने पर बैठे पूर्व सांसद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : अटल विचार मंच के संस्थापक और पूर्व वित मंत्री यशवंत सिन्हा बुधवार को चौपारण पहुंचे। चौपारण बाजार सहित दनुआ घाटी में लगातार हो रही सडक दुर्घटना को लेकर उन्होंने गंभीर आपति दर्ज की। जीटी रोड किनारे घंटों बैठकर समस्याओं का आंकलन किया। अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत दोपहर में तेज बारिश के बीच चौपारण पहुंचे पूर्व सांसद यशवंत सिन्हा ने एनएचएआई के अधिकारीयों की लापरवाही के खिलाफ जनहित के लिए दुर्गा मंडप के सामने धरने पर बैठ गए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जब तक वरीय अधिकारी वार्ता को नहीं आयेंगे तब तक वह जीटी रोड पर ही धरना पर बैठे रहेंगे।बाद में वरीय पदाधिकारी नीलेश पांडेय, साईड इंचार्ज मुकेश विश्वकर्मा, रिलायंस की ओर से शमीम उल्लाह तथा राजकेशरी कंस्ट्रक्शन के कर्मी वार्ता के लिए पहुंचे। वार्ता के दौरान जीटी रोड की दुर्दशा पर पूर्व केंद्रीय मंत्री ने गहरी चिंता जताई। कहा कि चौपारण में पिलर के बीच खुला है, लोग शार्टकट मारते हैं। ब्लाक मोड, चतरा मोड, केंदुआ मोड, चैथी मोड चार कट रहने दिया जाए। बाजार में वाहनों की अधिकतम गति बीस किमी घंटा निर्धारित हो। कहा कि दनुआ घाटी अब मौत की घाटी बन गई है। हर दिन दुर्घटना हो रही है। एन एच के अधिकारी क्या कर रहे हैं। चौपारण बाजार में हालात खराब है। अधिकतम गति में वाहन चल रहे हैं, सडक संकीर्ण है। निर्माण कंपनी जबरदस्त लापरवाही बरत रहे हैं। इनकी वजह से चौपारण में कई लोग मारे गए। उन्होंने एक-एक कर सभी समस्याओं की ओर ध्यान इंगित कराते हुए सभी समस्या का समाधान वार्ता में ही तयसीमा के अंदर करने को कहा। कहा कि दनुआ घाटी में सेंसेटिव जोन में सुचना पट्ट लगाये जायें, सडक चौडी की जाये। सिक्स लेन निर्माण आरंभ किया जाये। इस पर एन एच की ओर से बताया गया कि दनुआ घाटी में काम आरंभ कर दिया गया है।

नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के आरोपी को 20 वर्ष सश्रम कारावास की सजा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : जिला व्यवहार न्यायालय के चतुर्थ जिला व सत्र न्यायाधीश व पोक्सो कोर्ट के स्पेशल जज अभिमन्यु कुमार की अदालत ने नाबालिक से दुष्कर्म के आरोपी नीरज मेहता को भारतीय दंड विधान की धारा 376(3) में दोषी पाते हुए 20 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है । वहीं 50 हजार रुपए अर्थदंड लगाया है। अर्थदंड की राशि नहीं देने पर एक बर्ष अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। वही 366 भादवि में सात बर्ष सश्रम कारावास की सजा व 20हजार रुपए अर्थ दंड लगाया है। इस संबंध में लेस्लीगंज थाना अंतर्गत सोतम डबरा निवासी गुस्ताख खान(बदला नाम) ने लेस्लीगंज थाना अंतर्गत बनुवा निवासी नीरज मेहता के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी दर्ज कराया था। जो लेस्लीगंज थाना कांड संख्या 50 सन 2022 तिथि 12 मई 2022 को भारतीय दंड विधान की धारा 366 ए के तहत दर्ज किया गया था । मुदालय पर आरोप था कि चार मई 2022 को सुबह जब पीड़िता टयूशन जा रही थी तब रास्ते मे पोखराहा के पास उसका मुंह बांधकर जबरदस्ती उसे अपनी गाड़ी में बैठा लिया और उसे डाल्टनगंज स्टेशन लाये। डालटनगंज रेलवे स्टेशन पर पीड़िता का मुंह खोल दिया और उसको धमकी दिया कि हल्ला करने पर उसके पिता का जान से मार देंगे। पीड़िता को शाम 6:00 बजे ट्रेन से रांची ले गए और वहां एक कमरे में रखा और उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद ट्रेन से पीड़िता को बैंगलोर ले गए वहां भी एक रूम में 20 दिनों तक रखा वहां उसके साथ कई बार बलात्कार किये धमकी दिया कि हल्ला करने पर उसे तथा उसके घर वाले को जान से मार देंगे ।जब मुदालय को केस दाखिल होने की जानकारी मिली तो पीड़िता को 26 मई 2022 को वापस ले आए। अदालत ने साक्षय के आधार पर दोषी पाते हुए नीरज मेहता को 20 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाया है। वही 50 हजार रुपए अर्थदंड लगाया है।

हेमंत सरकार के विकास कार्यों को देख भाजपा में बौखलाहट : अभिषेक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : झामुमो नेता अभिषेक सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विकास कार्यों को देख भाजपा में बौखलाहट है। इसी का नतीजा है कि परिवर्तन यात्रा निकल रही है। भाजपा समाज में विद्वेष फैलाना चाहती है और समाज को बांटने की साजिश कर रही है। इससे जनता को सतर्क और सावधान रहने की जरूरत है। अभिषेक ने कहा कि हेमंत सरकार के कार्यकाल में समाज के हर वर्ग और समुदाय का विकास हो रहा है। समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की योजनाएं पहुंच रही हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना, अबुआ आवास, सावित्रीबाई फुले सम्मान योजना सहित कई ऐसी योजनाएं हैं जिसका लाभ हर वर्ग और समुदाय के लोगों को मिल रहा है। सिंह ने कहा कि झारखंड में जब पीएम आवास योजना का पैसा बंद कर दिया गया तो मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गरीबों के लिए अबुआ आवास योजना की शुरूआत की। इसके तहत गरीबों को छत दी जा रही है। युवाओं को रोजगार के लिए ऋण मुहैया कराया जा रही है। साथ ही साथ युवाओं को नौकरियां भी दी जा रही हैं। अभिषेक ने कहा कि राज्य की जनता भाजपा के झांसे में आने वाली नहीं है। सिंह ने कहा कि भाजपा के चार-चार पूर्व मुख्यमंत्री झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पीछे लगे हुए हैं। इसके अलावे प्रधानमंत्री से लेकर गृह मंत्री व भाजपा शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों तथा केंद्रीय मंत्रियों तक का दौरा झारखंड में हो रहा है।

गोंदुलपारा खनन परियोजना में रैयतों को मिलेंगे करीब 25 लाख रुपये प्रति एकड़

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : गोंदुलपारा खनन परियोजना के तहत सेक्शन 19 लगाए जाने की प्रक्रिया पूरी हो गई है, जो खनन शुरू होने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस कदम से झारखंड में एक और खदान खुलने का रास्ता साफ हो गया है। इसके तहत मुआवजे की राशि प्रति एकड़ 24,56,986 रुपये होगी। इसके अलावा स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। इस परियोजना से जिले और राज्य को लगभग 500 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष का राजस्व मिलने से प्रशासन अनेक लाभप्रद और कल्याणकारी कार्यक्रम शुरू कर सकेगा। परियोजना से प्रभावित लोगों के पुनर्वास के लिए चंदौल गांव में 161.99 एकड़ जमीन का अधिग्रहण होना है। इसके लिए हजारीबाग समाहरणालय में रैयतों को मुआवजे के रूप में दी जाने वाली 478 करोड़ रुपए की राशि जमा कर दी गई है। झारखंड में 199 कोयला खदानें सालाना 15.6 करोड़ टन कोयला उत्पादित करते हुए देश की प्रगति और ऊर्जा सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती हैं। देश में बढ़ रही निरंतर और किफायती बिजली की जरूरत के लिए कोयला खनन परियोजना का शुरू होना आवश्यक है। इसके साथ ही खनन आधारित अर्थतन्त्र वाले राज्य में एक और खनन परियोजना शुरू होने से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। गोंदुलपारा परियोजना की प्रक्रिया के तहत बड़कागांव के बलोदर में 91.35 एकड़, गोंदुलपारा 285.715 एकड़, गाली में 175.45 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया जाना है। इसके चलते स्थानीय लोगों को अनेक लाभ मिलेंगे। रैयतों को प्रति एकड़ भूमि के मुआवजा के रूप में 24,56,986 रुपए (गुणाक घटक-2, सांत्वना राशि 100 प्रतिशत एवं तीन वर्ष की ब्याज की राशि सहित) दिए जाएंगे। भूमि पर स्थित परिसम्पतियों का भी मुआवजा मिलगा। इसके लिए राज्य सरकार का संबंधित विभाग उन सम्पत्तियों का मूल्यांकन करेगा, जिसके बाद उस राशि का दुगुना मुआवजा के रूप में दिया जाएगा। विस्थापित परिवारों को तीन विकल्पों का लाभ मिलेगा, जिसके तहत वो कोई एक चुन सकते हैं। विकल्प एक के तहत 10 लाख रुपए प्रति परिवार मिलेगा, जिससे वे खुद कहीं और निवास करने जा सकते हैं। नियमानुसार, प्रति परिवार में पति, पत्नी और उनके अवयस्क बच्चे शामिल होंगे। इसके अलावा परिवार में अगर 18 साल से ऊपर विवाहित या अविवाहित व्यक्ति हैं, तो उन्हें एक परिवार के रूप में माना जाएगा। दूसरे विकल्प के तहत पुनर्वास कॉलोनी में बना बनाया नया मकान दिया जाएगा और तीसरे विकल्प के तहत पुनर्वास कॉलोनी में जमीन का एक प्लॉट दिया जाएगा और पुनर्वास कॉलोनी में मकान के बदले सात लाख रुपए दिए जाएंगे।

संक्षिप्त खबरें

मछलियों के रोगाणु रोधी प्रतिरोध की जांच के लिए वैज्ञानिकों ने किये नमूने एकत्रित

हजारीबाग : हजारीबाग जिले में तिलैया जलाशय के केज कल्चर में मछलियों की स्वास्थ्य स्थिति और रोगाणु रोधी प्रतिरोध की जांच के लिए आज नेशनल ब्यूरो ऑफ फिश जेनेटिक रिसोर्सेस , लखनऊ के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. गौरव राठौर और वैज्ञानिक डॉ. चंद्रभूषण कुमार द्वारा महत्वपूर्ण कार्य किया गया। वैज्ञानिकों ने जलाशय में लगे केजों से मछलियों के नमूने एकत्रित किए और इस क्षेत्र के मछली पालकों को मछलियों के स्वस्थ्य एवं रोगाणुरोधी प्रतिरोध से संबंधित आवश्यक जानकारी प्रदान की। यह पहल रोगाणु रोधी प्रतिरोध (अटफ) के अध्ययन और नियंत्रण के उद्देश्य से की जा रही है, ताकि मछलियों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाया जा सके और जलाशय आधारित मत्स्य पालन को प्रोत्साहित किया जा सके। नमूनों की जांच के माध्यम से यह पता लगाया जाएगा कि क्या मछलियों में एंटीबायोटिक दवाओं का प्रभाव कम हो रहा है, जिससे भविष्य में मछलियों की प्रजनन दर और उत्पादन में कमी आ सकती है। इस मौके पर डॉ. राठौर ने मछलीपालकों को मछलियों के स्वस्थ जीवन और रोग नियंत्रण के उपायों पर जागरूक किया, साथ ही यह भी बताया कि कैसे उचित देखभाल और प्रबंधन से मछलियों की बेहतर वृद्धि और रोगों से बचाव सुनिश्चित किया जा सकता है। उन्होंने किसानों को एंटीबायोटिक दवाओं के उपयोग में सावधानी बरतने और जैव सुरक्षा उपायों को अपनाने की सलाह दी। हजारीबाग जिला प्रशासन और मत्स्य विभाग इस प्रयास में पूर्ण सहयोग दे रहे हैं। यह कदम जिले में मत्स्य पालन की संभावनाओं को बढ़ाने और किसानों की आय में वृद्धि के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती धूमधाम से मनाई गई

हजारीबाग : पंडित दीनदयाल उपाध्याय मंडल के अध्यक्ष अशोक कुशवाहा की अध्यक्षता में दारू मंडल कार्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश कोषाध्यक्ष किसान मोर्चा, टोनी जैन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्प अर्पण से हुई। जैन ने उपाध्याय जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनकी विचारधारा श्एकात्म मानववादश् पर प्रकाश डाला और कहा कि पंडित जी की यह विचारधारा सामाजिक समरसता और व्यक्ति के सर्वांगीण विकास की समर्थक थी। उन्होंने बताया कि उपाध्याय जी राजनीति और साहित्य में गहरी रुचि रखते थे और उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं। वह जनसंघ के अध्यक्ष और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के महत्वपूर्ण संगठनकर्ता रहे। जैन ने अपने उद्बोधन में कहा, श्पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के आदर्शों को अपनाकर हम समाज और देश का समग्र विकास कर सकते हैं। उनका एकात्म मानववाद हर व्यक्ति को ध्यान में रखता है और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाने की बात करता है। कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि बलदेव बाबू, महामंत्री संजय कुशवाहा, मंडल किसान मोर्चा अध्यक्ष किशुन प्रसाद, संतोष राणा, कमल प्रजापति, संदीप कुमार, विकास यादव, मुकेश शाह, सोनू गुप्ता, शेखर गुप्ता सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

विधानसभा चुनाव में बदलाव तय, नौजवान हो जाएं तैयार : टाइगर जयराम महतो

बरही : झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष टाइगर जयराम महतो ने आगामी 2024 विधानसभा चुनाव में बदलाव का आह्वान करते हुए नौजवानों और कार्यकर्ताओं को चुनाव की तैयारी में जुटने का निर्देश दिया। कोडरमा से धनबाद जाते समय चंदवारा प्रखंड के उरवां मोड़ स्थित बाबा होटल बैंक्विट हॉल में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर उन्होंने यह संदेश दिया। टाइगर जयराम महतो ने कहा कि 2024 का विधानसभा चुनाव झारखंड की दशा और दिशा को तय करेगा। उन्होंने कार्यकताओं से अपील की कि वे हर बूथ पर जाकर लोगों को जागरूक करें और बदलाव की इस मुहिम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें। उनका मानना है कि झारखंड में इस बार बड़ा राजनीतिक परिवर्तन होने वाला है और इसके लिए सभी को एकजुट होकर काम करना होगा। इस बैठक में बरही, बरकट्ठा और कोडरमा विधानसभा क्षेत्र के कई प्रमुख नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे। जिनमें केंद्रीय उपाध्यक्ष कृष्णा यादव (बरही विधानसभा), केंद्रीय सचिव रवि शंकर यादव (बरकट्ठा विधानसभा) कोडरमा विधानसभा क्षेत्र के नेता संतोष यादव, जिला उपाध्यक्ष विनय मोदी, युवा जिला अध्यक्ष शैलेंद्र यादव, पूर्व जिला परिषद प्रतिनिधि अशोक सिंह, श्याम दांगी, दीपक शर्मा, वीरेंद्र राणा, मुन्ना यादव, सचिन कुमार, प्रदीप कुमार, मनोज पासवान (मुखिया), रामविलास पासवान (पंचायत समिति), बिरजू यादव, छोटू पासवान शामिल थे। इसके अलावा, सैकड़ों समर्थक भी इस बैठक में उपस्थित रहे। टाइगर जयराम महतो ने सभी को संगठित होकर चुनावी तैयारियों में जुटने का आग्रह किया और कहा कि यह चुनाव झारखंड की राजनीति में नए बदलाव की नींव रखेगा।

गरीबों को न्याय व मदद दिलाना पीएलभी का कर्तव्य : सचिव

मेदिनीनगर (पलामू) : जरूरतमंदों व गरीबों को न्याय व मदद दिलाना पारा लीगल वॉलिंटियर्स का कार्य व कर्तव्य है। जिनकी बार्षिक आय तीन लाख रुपए से कम हो उन्हें कोर्ट फी भी जमा नहीं करनी पड़ेगी। उनका खर्च डीएलएसए उठाएगा। उक्त बातें पलामू के डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विस अथॉरिटी के सचिव अर्पित श्रीवास्तव ने कही। वे बुधवार को जिला व्यवहार न्यायालय के उद्यान परिसर में डालसा के नेतृत्व में नव चयनित 155 पारा लीगल वॉलिंटियर्स के ओरिएंटेशन व ट्रेनिंग कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने पारा लीगल वॉलिंटियर्स के ओरिएंटेशन व कार्य- कर्तव्य के बारे में पूरी जानकारी दी। कहा कि जो व्यक्ति वकील रखने व कोर्ट फीस देने में सक्षम नहीं हैं, वैसे लोगों को डीएलएसए मदद करेगा। कहा कि डीएलएसए में किसी भी तरह का न्याय पाने में एक पैसे खर्च नहीं होते हैं। पीएलभी यह ध्यान रखेंगे कि जरूरतमंदों का एक पैसे खर्च नहीं हो। कहा कि पीड़िता को आर्थिक सहायता भी प्रदान किए जाते हैं। कहा कि सरकार की सारी लाभकारी योजनाओं को जरूरतमंदों को दिलाना पीएलभी का कर्तव्य है। छोटे-छोटे झगड़े थाना व न्यायालय में न पहुंचे बल्कि स्थानीय स्तर पर समझौता कर उसका निराकरण कराना भी पीएलभी का कार्य होगा।

एक नजर

आरपीएफ ने एक नाबालिग को बचाया

रांची : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने रांची रेलवे स्टेशन से एक नाबालिग लड़को को बचाया है। साथ ही उसे रांची के बालाश्रय शेल्डर होम के सुपुर्द कर दिया गया है। महिला निरीक्षक सुनीता पन्ना ने बुधवार को बताया कि आरपीएफ के मंडल सुरक्षा आयुक्त पवन कुमार ने आरपीएफ को नाबालिग बच्चों को बचाने के लिए स्टेशनों और ट्रेनों मे चौकसी रखने के विशेष निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में आरपीएफ पोस्ट, रांची और नन्हे फरिश्ते टीम की महिला निरीक्षक ने रांची रेलवे स्टेशन पर औचक निरीक्षण के दौरान प्लेटफॉर्म संख्या दो पर एक नाबालिग लड़के को डरा-सहमा देखा। पूछताछ में नाबालिग ने बताया कि वह घर से किसी को बिना बताए भागकर यहां आ गया है।

पत्नी ने पति पर किया केस

रांची : रांची के चर्च रोड स्थित होटल अर्पणा की मालकिन अर्पणा गुप्ता ने अपने पति कृष्णा कुमार गुप्ता के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने लोअर बाजार थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। इसमें उन्होंने कहा है कि उनका पति होटल में काम करने वाली लड़कियों से अश्लील बातें करता है और उन पर शारीरिक संबंध बनाने का दबाव डालता है। साथ ही होटल की महिला कर्मियों को लगातार फोन कर परेशान भी करता था। अर्पणा ने बताया कि जब उन्होंने इसका विरोध किया, तो उनके पति ने उनके साथ मारपीट की। साथ ही उन्हें सीआईपी में भर्ती कराने की धमकी दी। अर्पणा का आरोप है कि उनके पति होटल के ग्राहकों के साथ भी दुर्व्यवहार करते हैं। वहीं कृष्णा कुमार गुप्ता ने भी अपनी पत्नी और होटल की महिला कर्मी पर मारपीट और होटल पर कब्जा करने का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है। मामले की जांच चल रही है। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत दर्ज कर ली है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सीबीआई कोर्ट ने डीके सिंह को दी दो साल की सजा

रांची : रांची सीबीआई की विशेष कोर्ट ने आय से अधिक सम्पति के मामले में मेकॉन के अधिकारी डीके सिंह को दोषी करार देते हुए दो वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही अदालत ने दोषी डीके सिंह के ऊपर 2 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि जुर्माना की राशि नहीं देने पर दोषी को छह महीने की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। इस मामले में सीबीआई की ओर से विशेष लोक अभियोजक प्रियांशु सिंह ने बहस की। वहीं बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता अनिल सिंह कंठ ने बहस की। डीके सिंह के खिलाफ सीबीआई ने वर्ष 2008 में अपने पद का दुरूपयोग कर आय से अधिक सम्पति अर्जित करने का केस दर्ज किया था।

आम जनता का रहा है कांग्रेस का घोषणा पत्र : बंधु

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस मेनिफेस्टो कमेटी की बैठक बुधवार को कांग्रेस भवन में हुई। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने उपस्थित सदस्यों को घोषणा पत्र के संबंध में विभिन्न विषयों पर विशेष रूप से निर्देश देते हुए झारखंड के सामाजिक आर्थिक पहलुओं को ध्यान में रखकर तथा विस्तृत अध्ययन के पश्चात ही घोषणा पत्र को अंतिम रूप देने का निर्देश दिया। मेनिफेस्टो कमेटी के अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा कि झारखंड के सभी जिला और प्रखंडों में घूम कर वहां के लोगों से मिलकर उनकी राय जानकर ही घोषणा पत्र तैयार किया जाएगा। कांग्रेस का घोषणा पत्र हमेशा से आम जनता का घोषणा पत्र रहा है।

जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा में पेपर लीक का मामला पहुंचा झारखंड हाई कोर्ट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : एसएससी-सीजीएल परीक्षा में पेपर लीक की जांच की मांग को लेकर बुधवार को झारखंड हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया गया। जनहित याचिका दायर कर मांग की गई है कि पेपर लीक मामले की सीबीआई या न्यायिक जांच की जाए। क्योंकि, पुलिस की एसआईटी की जांच अब तक सार्वजनिक नहीं हुई और न ही उस जांच में सभी तथ्य सामने आए हैं। हालांकि, अब तक यह जनहित याचिका सुनवाई के लिए सूचीबद्ध नहीं हुई है। राज्य सरकार ने जनवरी महीने में एसएससी सीजीएल की परीक्षा ली थी, जिसमें पेपर लीक का मामला सामने आया था, जिसके बाद पुलिस ने इस

मामले की जांच की थी। पेपर लीक मामले की जांच के लिए तीन डीएसपी समेत सात पुलिस अधिकारियों की एसआईटी गठित की थी। एसआईटी ने अपनी जांच रिपोर्ट भी कोर्ट में सौंप दी है। उल्लेखनीय है कि झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की कंबाइंड ग्रैजुएट लेवल एग्जाम (एसएससी-सीजीएल) की परीक्षा का पेपर 28 जनवरी को लीक हो गया था। इसके बाद आयोग ने पहले थर्ड पेपर यानी सामान्य ज्ञान की परीक्षा रद्द कर दी थी। अभ्यर्थियों के हंगामे के बाद आयोग को तीनों पत्रों की परीक्षा रद्द करनी पड़ी थी। एसएससी-सीजीएल की इस परीक्षा के जरिए राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में 2025 पदों पर नियुक्ति की जानी थी। इसके लिए साढ़े छह लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। रांची पुलिस की एसआईटी ने पेपर लीक के इस केस में झारखंड विधानसभा के अवर सचिव मो. शमीम और उनके दो बेटों को फरवरी महीने में ही गिरफ्तार किया था। इनके पास से कई अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड, कई नामों वाले ब्लैंक चेक और कुछ मोबाइल फोन बरामद किए गए थे।

झारखंड में 46,031 सहिया, बीटीटी और एसटीटी को मिलेगा प्रोत्साहन राशि का लाभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्य सरकार ने सहियाओं के प्रोत्साहन के लिए 108.34 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत अब सहिया साथी, प्रखंड प्रशिक्षक दल (बीटीटी) और राज्य प्रशिक्षक दल (एसटीटी) को बढ़ी हुई प्रोत्साहन राशि मिलेगी। इसका लाभ 46,031 सहिया, बीटीटी और एसटीटी को दिया जाएगा।

प्रोत्साहन राशि पर खर्च होंगे 103.11 करोड़

राज्य सरकार द्वारा सहिया की प्रोत्साहन राशि पर 103.11 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। राज्य सरकार ने आदेश जारी किया है कि झारखंड की सहियाओं को अब 2000 रुपये प्रतिमाह मिलेंगे। इसमें राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत ग्रामीण इलाकों में सहियाओं की संख्या करीब 39,964 है, जबकि शहरी इलाकों में सहियाओं की संख्या लगभग 3,000 है।

सहिया साथी पर खर्च होंगे 3.48 करोड़

सहिया साथी को प्रतिदिन 50 रुपये के हिसाब से प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इसमें राज्य सरकार करीब 3.48 करोड़ रुपये खर्च करेगी। सहिया साथी की संख्या ग्रामीण क्षेत्र में 2295 और शहरी इलाके में 125 है।

इसी तरह से बीटीटी को भी 80 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से प्रोत्साहन राशि मिलेगी। राज्य में कुल 699 बीटीटी हैं। जिनके प्रोत्साहन राशि पर राज्य सरकार 1.61 करोड़ रुपये खर्च करेगी। वहीं, एसटीटी की प्रोत्साहन राशि पर राज्य सरकार द्वारा 13.82 लाख रुपये खर्च किये जायेंगे। जिनकी संख्या राज्य में 48 है। इन्हें 100 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से प्रोत्साहन राशि मिलेगी।

कोर्ट को निगम ने बताया, रांची में चल रहे 36 रूफ टॉप बार-रेस्टोरेंट में सिर्फ दो के पास लाइसेंस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड हाई कोर्ट में खूंटी में अफीम के फसलों को नष्ट करने एवं झारखंड में अफीम, चरस, गांजा आदि ड्रग्स के कारोबार में लगातार वृद्धि पर स्वतः संज्ञान पर बुधवार को सुनवाई हुई। कोर्ट को रांची नगर निगम की ओर से बताया गया कि रांची में चल रहे हैं 36 रूफ टॉप बार एवं रेस्टोरेंट में से सिर्फ दो के पास ही लाइसेंस है, 34 रूफ टॉप बार एवं रेस्टोरेंट के पास लाइसेंस नहीं है।

कोर्ट को बताया गया कि रांची नगर निगम ने बिना लाइसेंस वाले रूफ टॉप बार एवं रेस्टोरेंट को नोटिस जारी किया है। लाइसेंस नहीं लेने वालों के खिलाफ कानून सम्मत कार्रवाई की जाएगी। जरूरत पड़ेगी तो उन्हें सील भी किया जाएगा। हाई कोर्ट की खंडपीठ ने बुधवार को सुनवाई के दौरान रांची नगर निगम को अवैध ढंग से चल रहे रूफ टॉप बार एवं रेस्टोरेंट पर अंकुश लगाने का निर्देश दिया।

कोर्ट ने मामले में रांची शहर में चल रहे बार रेस्टोरेंट पर निगरानी रखने और उनके खुलने और बंद होने पर समुचित कदम उठाने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने सरकार के स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) के तहत बार एवं रेस्टोरेंट पर नियंत्रण लगाने एवं मादक पदार्थ यथा चरस, गांजा, अफीम की बिक्री पर सख्त कार्रवाई करने का निर्देश देते हुए जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। अगली सुनवाई 29 सितंबर को होगी।

पिछली सुनवाई में कोर्ट में नगर निगम से मौखिक कहा था कि राजधानी रांची में बगैर मैप स्वीकृति के चल रहे हैं रूफ टॉप बार एवं रेस्टोरेंट को तत्काल बंद करें। हाई कोर्ट की खंडपीठ ने रांची नगर निगम से मौखिक कहा कि लालपुर क्षेत्र में कई रूफटॉप बार एवं रेस्टोरेंट चल रहे हैं। इसके लिए उन्होंने मैप की स्वीकृति भी नहीं ली है। रूफटॉप बार एवं रेस्टोरेंट पर अंकुश लगाकर रांची नगर निगम एक्शन टेकन रिपोर्ट कोर्ट में प्रस्तुत करें।

एबीवीपी ने जिला स्कूल से डीसी कार्यालय तक निकाला पैदल मार्च, सौंपा ज्ञापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने झारखंड सरकार की विफलताओं खिलाफ बुधवार को पैदल मार्च निकाला। एबीवीपी के सैकड़ों छात्र बुधवार को जिला स्कूल में एकजुट हुए। इसके बाद यहां से पैदल मार्च करते हुए उपायुक्त कार्यालय पहुंचे। एबीवीपी के छात्रों ने उपायुक्त को सरकार की पांच साल की विफलताओं के नाम पर ज्ञापन सौंपा।

एबीवीपी के विभाग संयोजक रोहित शेखर ने कहा कि आज झारखंड के सभी जिलों में राज्य सरकार की विफलता को लेकर रैली निकाली गयी है और डीसी को ज्ञापन सौंपा गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अपने पांच साल के कायार्काल में शिक्षा, स्वास्थ, रोजगार, महिला सुरक्षा और समान अधिकार दिलाने में विफल रही। राज्य के विभिन्न कॉलेजों में प्रोफेसर की नियुक्ति नहीं हो रही है। ऐसे में कॉलेजों में भगवान भरोसे पढ़ाई हो रही है। पिछले पांच सालों में महिलाओं के साथ दुष्कर्म की घटनाएं बढ़ गयी है। संथाल परगना में झारखंड की संस्कृति और सभ्यता बदल रही है। झारखंड के युवा रोजगार के लिए इधर-उधर भटक रहे हैं। सारी समस्याओं पर राज्य सरकार को विचार करना चाहिए और कोई ठोस पहल करना चाहिए। इस मौके पर प्रदेश कार्यालय मंत्री शुभम पुरोहित, प्रदेश सूचना एवं जनसंपर्क प्रमुख गुडु राय, जिला संयोजक पवन नाग, महामंत्री रितुराज सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

साईं नाथ विवि में विश्व फार्मासिस्ट दिवस का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : साईं नाथ विश्वविद्यालय रांची के स्कूल ऑफ फामेर्सी एवं फैकल्टी ऑफ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च के द्वारा बुधवार को विश्व फार्मासिस्ट दिवस का आयोजन धूमधाम से किया गया। सर्वप्रथम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो (डॉ) एसपी अग्रवाल ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यकम की शुरूआत की। वीसी ने दुनिया भर के फार्मासिस्ट्स को सम्मान दिया तथा उनके योगदानों के प्रति अभार जताया एवं वैश्विक स्वास्थ्य के सुधार के लिए फार्मासिस्टों के महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की। कहा कि फार्मासिस्टस दवाओं के बारे में लोगों को शिक्षित करने, स्वास्थ्य देखभाल और फामेर्सी उत्पादों के सुरक्षित उपयोग को सुनिश्चित करने और स्वास्थ्य के मुद्दों के बारे में वैश्विक जागरूकता को बढ़ावा देने में अभिन्न अंग हैं।

तत्पश्चात फामेर्सी विभाग के प्राचार्य डॉ मनीष मजूमदार, डीन ऑफ एफएमएसआर डॉ के राजेश्वर दत, स्कूल ऑफ फामेर्सी के प्रिसिंपल इनचार्ज प्रो राखी रानी, एफएमएसआर के प्रिसिंपल इनचार्ज प्रो महेश कुमार यादव एवं एफएमएसआर के वाइस प्रिसिंपल प्रो अंकिता सिंह ने विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर फार्मासिस्टों की भूमिका एवं योगदानों को विस्तारपूर्वक बताया। इस अवसर विद्यार्थियों द्वारा दो दिवसीय रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया एवं अल्पाहार की व्यवस्था भी की गई। विश्व फार्मासिस्ट दिवस के सफल आयोजन में प्रो इन्द्रजीत कुमार, स्मृति रेखा बेहरा, किंगशुक सरकार का सराहनीय योगदान रहा।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने प्रधानमंत्री मोदी को लिखा पत्र, 1.36 लाख करोड़ बकाया राशि दिलाने की मांग की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखा है। पत्र के जरिए उन्होंने झारखंड में कार्यरत कोयला कंपनियों पर राज्य का बकाया 01 लाख 36 हजार करोड़ रुपये का भुगतान कराने की मांग की है।

मुख्यमंत्री ने अपने पत्र की प्रतियां बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा करते हुए लिखा कि हमारी मांग सिर्फ न्याय की है, विशेषाधिकार की नहीं। झारखंड के लोगों ने अपने राज्य के लिए लंबा संघर्ष किया है और अब हम चाहते हैं कि हमारे संसाधनों एवं अधिकारों का उचित उपयोग हो। उन्होंने कहा कि झारखंडियों का हक मांगो तो ये जेल डाल देते हैं लेकिन अपने हक के लिए हर कुबार्नी मंजूर है।

हेमन्त सोरेन ने बकाया राशि का भुगतान करने के लिए पीएम मोदी के सामने दो विकल्प रखे हैं। पहला जब तक बकाया राशि का भुगतान किस्तों में नहीं हो जाता तब तक कोल इंडिया और उसकी सहायक कंपनियों को ब्याज राशि का भुगतान करना शुरू किया जाये। दूसरा, भारतीय रिजर्व बैंक में कोल इंडिया के खाते में जमा राशि से झारखंड राज्य को सीधे डेबिट कराया जाये। जैसा कि झारखंड राज्य बिजली बोर्ड के साथ डीवीसी के बकाया मामले में किया गया था। सीएम सोरेन ने अपने पत्र में लिखा है कि बकाया का भुगतान जल्द शुरू कराया जाये, ताकि झारखंड के लोगों को परेशानी न हो। साथ ही इस गरीब आदिवासी राज्य की

बेहतरी के लिए राज्य सरकार सामाजिक और आर्थिक परियोजनाओं की संख्या और गति बढ़ा सके। यदि कोयला कंपनियों द्वारा राज्य के वैध बकाया का समय पर भुगतान कर दिया जाता है, तो झारखंड के लोग सामाजिक क्षेत्र की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं। ऐसा होने पर गरीबी से लड़ने और राज्य के लोगों के जीवन स्तर को ऊंचा करने में मदद मिलेगी।

पत्र में हेमन्त सोरेन ने खनन रॉयल्टी पर सुप्रीम कोर्ट के पिछले दिनों के एक फैसले का हवाला भी दिया है, जिसमें कोर्ट ने कहा था कि राज्यों को खनिज युक्त जमीन पर रॉयल्टी के लिए पिछला बकाया वसूलने का अधिकार है। बकाया के संबंध में कानून में प्रावधान और न्यायिक आदेशों के बावजूद कोयला कंपनियां कोई भुगतान नहीं कर रही है, जिसके कारण झारखंड को भारी नुकसान हुआ है। लंबित मांगों का सवाल विभिन्न मंचों, प्रधानमंत्री कार्यालय, वित्त मंत्रालय, नीति आयोग और अन्य मंचों पर उठाये जाने के बावजूद हमें अभी तक भुगतान मिलना शुरू नहीं हुआ है। अभी तक मुआवजा नहीं दिया गया है। हेमन्त सोरेन ने कहा है कि कहा कि हम भाजपा के सहयोगी राज्यों की तरह स्पेशल स्टेटस नहीं मांग रहे और न ही हम कुछ राज्यों की तरह केंद्रीय बजट का बड़ा हिस्सा मांग रहे हैं। झारखंड एक अविकसित राज्य है और यहां सामाजिक आर्थिक परिस्थितियां बहुत खराब है। बकाया का भुगतान नहीं होने के कारण राज्य की जनता की समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है। हमारी न्यायोचित मांगों का कोई समाधान नहीं हो पाया है। परिणामस्वरूप सबसे समृद्ध खनिज संपन्न राज्य को बहुत कम आय हो रही है। राज्य को भारी नुकसान हुआ है। आखिरी गांव के अंतिम व्यक्ति तक सामाजिक-आर्थिक सुधारों, सड़क-इंफ्रास्टक्चर और नीतियों को पहुंचाने में कठिनाई हो रही है।

संक्षिप्त खबरें

दुर्गा पूजा में सैटेलाइट कॉलोनी इस वर्ष पौराणिक मंदिर का कर रहा निर्माण

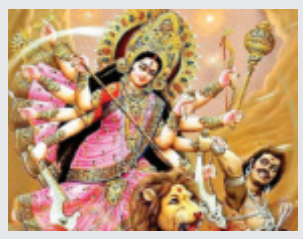

रांची : राजधानी रांची में एक से बढ़कर एक दुर्गा पूजा पंडाल का निर्माण हो रहा है। इसी क्रम में रांची सेल सैटेलाइट टाउनशिप का दुर्गा पूजा पंडाल समिति पौराणिक मंदिर का पंडाल बन रहा है। पंडाल की ऊंचाई 55 फीट होगी और प्रवेश द्वार के दोनों और नकाशीदार खंभों की श्रृंखला होगी। मंदिर का चकोर गुंबद और डिजाइनर छत आकर्षण के केंद्र होंगे। गर्भगृह में मां दुर्गा की 15 फीट ऊंची विशाल प्रतिमा विराजित की जाएगी। रांची के प्रख्यात मूर्तिकार अजय कुमार पाल द्वारा थ्री डी प्रिंटिंग तकनीक से मां दुर्गा की मूर्ति बनाई जा रही है। मूर्ति की साज सज्जा भी विशेष नकाशी पर बनाई जा रही है। समिति के उज्जवल भास्कर ने बुधवार को बताया कि दुर्गा पूजा महोत्सव के दौरान महा षष्ठी से दशमी तक पूजा स्थल पर कई सांस्कृतिक कार्यक्रम किए जाएंगे। महानवमी की रात में भजन झांकी और नित्य नाटिका के साथ जागरण का ही आयोजन होगा।

आरपीएफ ने शराब के साथ एक आरोपी को किया गिरफ्तार

रांची : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने शराब के साथ हटिया रेलवे स्टेशन से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ़्तार आरोपी का नाम शुभम कुमार है। वह बिहार के वैशाली का रहने वाला है। उपनिरीक्षक दीपक कुमार ने बुधवार को बताया कि दुर्गा पूजा के मद्देनजर आरपीएफ के मंडल सुरक्षा आयुक्त पवन कुमार ने ट्रेनों की जांच के निर्देश दिए है। इसी क्रम में आरपीएफ टीम ने हटिया स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या दो पर संदेहास्पद अवस्था में खड़े एक व्यक्ति को देखा और उसके सामानों की जांच की। जांच के दौरान उसके बैग से 24 शराब की बोतल बरामद की गई। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह शराब की बोतल को लेकर ट्रेन से बिहार में ऊंचे मूल्य पर बेचने के लिए ले जा रहा था। इसके बाद जब्त शराब और आरोपी को उत्पाद विभाग को सौंप दिया गया।

जयंती पर याद किए गए भाकपा नेता एबी वर्धन

रांची : भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव एबी वर्धन की 100वीं जयंती पर बुधवार को भाकपा राज्य कार्यालय में उन्हें याद किया गया। साथ ही उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई। मौके पर पूर्व सांसद भुवनेश्वर मेहता ने कहा कि वर्धन ने किसान, मजदूर, छात्र और नौजवान के हक एवं अधिकार के लिए पूरे जीवन को समर्पित कर दिया। दो जनवरी, 2016 को उनका निधन हो गया। आज पूरे देश में उनकी जयंती पर उनके बताएं रास्ते पर चलकर पार्टी को मजबूत बनाने के लिए संकल्प लिया गया। मेहता ने कहा कि वर्धन को झारखंड से काफी लगाव था। वे झारखंड के जल, जंगल जमीन की लड़ाई करने के लिए जयपाल सिंह मुंडा के नेतृत्व में आदिवासी महासभा का गठन किया गया था। आज जब देश में सांप्रदायिक शक्तियां सिर उठाकर बोल रही हैं तो वर्धन जैसे मार्क्सवादी चिंतक की जरूरत महसूस होने लगी है। वर्धन वामपंथ के बड़े नेताओं में से एक थे। इस मौके पर राज्य सचिव महेंद्र पाठक, लखन लाल महतो, जैनेंद्र कुमार भंते, अजय कुमार सिंह, मनोज ठाकुर, किरण कुमारी, अजहर हुसैन, डॉ जितेंद्र कुमार सहित अन्य लोग मौजूद थे।

हेमन्त सरकार जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा को अविलंब रद करे : विजय शंकर

रांची : आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केन्द्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने जेएसएससी सीजीएल की परीक्षा पर विवाद गहराने पर अपनी प्रतिक्रिया में बताया कि 21 और 22 सितंबर को आयोजित जेएसएससी सीजीएल की परीक्षा में फिर एक बार व्यापक मात्रा में गड़बड़ी और भ्रष्टाचार की गई है। 22 सितंबर को आयोजित परीक्षा के पेपर तीन में गणित, रिजनिंग और कंप्यूटर के सभी 60 प्रश्न पूर्व के परीक्षा से रिपीट कर दिया गया है। गणित विषय के सभी 20 प्रश्न के जगह पर एसएससी सीजीएल 2022 के प्रश्न सभी 20 प्रश्नों को रिपीट कर दिया गया है। जिससे लगता है कि परीक्षार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर उनके भविष्य को अंधकार करने का बार बार षड्यंत्र रचा जा रहा है जो राज्य के बेरोजगार शिक्षित युवाओ के लिए शुभ संकेत नही है। श्री नायक ने आगे यह भी कहा कि रघुवर सरकार और हेमंत सरकार दोनों सरकार ने पिछले आठ साल में एक परीक्षा पारदर्शी ढंग से लेने में नाकामयाब रही है और सिर्फ छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का कार्य किया गया। इन्होंने मामले की गंभीरता को देखते हुए राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मांग किया कि वे तत्काल परीक्षा रद्द करें और आयोग को भंग कर परीक्षा कराने वाले एजेन्सी को भी हटाए और दोषियों पर कडी से कड़ी कार्रवाई हो जिससे फेयर परीक्षा के नीवं को झारखण्ड में रखा जा सके तथा पुरानी परम्परा को समाप्त किया जा सके।

आय से अधिक संपत्ति मामले में दोषी अधिकारी को दो साल की सजा, दो लाख का जुर्माना

रांची : सीबीआई के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत ने आय से अधिक सम्पति मामले में दोषी मेकॉन के अधिकारी डीके सिंह को दो वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही दो लाख रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। जुर्माना की राशि नहीं देने पर छह माह की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। इस मामले में सीबीआई की ओर से विशेष लोक अभियोजक प्रियांशु सिंह ने बहस की। बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता अनिल सिंह कंठ ने बहस की। डीके सिंह के खिलाफ सीबीआई ने वर्ष 2008 में अपने पद का दुरुपयोग कर आय से अधिक सम्पति अर्जित करने का केस दर्ज किया था।

ऑल इंडिया पोस्टल- आरएमएस पेंशनर्स एसोसिएशन ने दिया धरना

रांची : 14 सूत्री मांगों को लेकर ऑल इंडिया पोस्टल–आरएमएस पेंशनर्स एसोसिएशन ने बुधवार को रांची जीपीओ के समक्ष धरना दिया। एसोसिएशन अपनी 14 सूत्री मांगों को लेकर आंदोलनरत हैं। धरना को संबोधित करते हुए राज्य सचिव एमजेड खान ने कहा कि श्रृंखलाबद्ध कार्यक्रम पांच सितंबर से शुरू किया गया था। इसी दिन ईमेल के माध्यम से पीएम सहित वित्त,रेल,संचार,स्वास्थ्य मंत्री के साथ कैबिनेट सचिव को मांग पत्र भेजा गया था। इसके वाजजूद कोई सकारात्मक पहल नहीं की गई है। एमजेड खान ने बताया कि 13 नवंबर को दिल्ली में संसद मार्च किया जाएगा। इसमें झारखंड सहित देशभर के केंद्रीय पेंशनर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे।

एक नजर

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत नुक्कड़ नाटक का हुआ आयोजन

बोकारो : बीएसएल में जारी स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत बुधवार को बोकारो जनरल हॉस्पिटल के स्कूल ऑफ नर्सिंग की छात्राओं द्वारा एक नुक्कड़-नाटक का आयोजन सिटी सेंटर, सेक्टर 04 में किया गया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्कूल ऑफ नर्सिंग की छात्राओं द्वारा रोचक अंदाज में लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया उन्हें स्वच्छ भारत अभियान को सफल बनाने का सन्देश दिया गया। इस मौके पर मुख्य महाप्रबंधक (सीईडी) शालिग्राम सिंह, मुख्य महा प्रबंधक(नगर प्रशासन) कुंदन कुमार, बोकारो जनरल हॉस्पिटल के वरीय अधिकारी व कर्मी सहित इस अभियान से जुड़े टीम के अन्य सदस्य उपास्थि थे।

आरपीएफ ने परिवार से बिछड़े व्यक्ति को परिजनों से मिलाया

बोकारो : आरपीएफ ने ऑपरेशन डिग्निटी के तहत 31 वर्षीय विश्वजीत रावत नामक व्यक्ति को रेस्क्यू किया। व्यक्ति की मानसिक रूप से बीमार बताया जाता है। रेस्क्यू किया गया व्यक्ति ओडिशा के केंद्रपाड़ा का निवासी है, जिसे बुधवार को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। बताया जाता है कि बोकारो आरपीएफ को सूचना मिली कि मानसिक रूप से बीमार विश्वजीत रावत गलती से ट्रेन से उतर गया है। सूचना पर आरपीएफ टीम सजग होकर, उसकी तलाश में जुट गई। ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ सब इंस्पेक्टर रजामत अंसारी, एलटीसी रेखा तिर्की तथा पुष्पा रानी के प्रयास से बोकारो रेलवे स्टेशन पर उक्त व्यक्ति को रेस्क्यू करने में कामयाबी मिली। आरपीएफ ओसी संतोष कुमार ने बताया कि विश्वजीत रावत अपने परिवारों के साथ ट्रेन से सफर कर रहा था। मानसिक अस्वस्थता के कारण बीच में ही ट्रेन से उतर गया। आद्रा मुख्यालय कंट्रोल रूम से हमें इसकी जानकारी मिली।

विभावि द्वारा आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता का हुआ समापन

सरिया(गिरिडीह) : विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग द्वारा सरिया महाविद्यालय सरिया परिसर में आयोजित दोदिवसीय अन्तर महाविद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता का समापन बुधवार को फाईनल मैच के साथ हुआ। फाईनल मुकाबला जेजे कॉलेज झुमरीतिलैया (कोडरमा) बनाम सरिया कॉलेज सरिया के बीच हुआ जिसमें जेजे कॉलेज की टीम ने सरिया कॉलेज को 36-12 के अंतर से हराकर विजेता बना । इसके पूर्व खेले गए पहले सेमीफाइनल में जेजे कॉलेज की टीम ने गिरिडीह कॉलेज को रोमांचक मुकाबले में 15-14 के अंतर से हराया था जबकि दूसरे सेमीफाइनल में सरिया कॉलेज की टीम ने संत कॉलम्बस हजारीबाग की टीम को 21-17 के अंतर से हराकर फाईनल में प्रवेश किया था । इस प्रतियोगिता में विनोबा भावे विश्वविद्यालय की पीजी टीम,संत कोलम्बस हजारीबाग, अन्नदा कॉलेज हजारीबाग, रामगढ़ कॉलेज रामगढ़, चतरा कॉलेज चतरा, पारसनाथ कॉलेज इसरी,जे जे कॉलेज झुमरीतिलैया कोडरमा, आदर्श कॉलेज राजधनवार, आर एनवाईएम कॉलेज बरही,गिरिडीह कॉलेज गिरिडीह और सरिया कॉलेज सरिया समेत 11 कॉलेज की टीमें शामिल हुई ।

मिनी शराब फैक्ट्री का खुलासा, भारी मात्रा में शराब बनाने वाली सामग्री जब्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : गुप्त सूचना पर उपायुक्त बोकारो विजया जाधव के निर्देश एवं सहायक आयुक्त उत्पाद के मार्ग दर्शन में मंगलवार देर रात जिला उत्पाद टीम ने चीरा चास थाना अंतर्गत नन्दुस्थान इलाके में छापेमारी कर मिनी अवैध अंग्रेजी शराब फैक्ट्री का उभ्देदन किया है। मौके से भारी मात्रा में अवैध और नकली शराब बनाने वाली एवं पैक करने की कई सामग्री जब्त की गई है। टीम ने मौके से 1500 लीटर स्पिरिट, 735 लीटर विदेशी शराब, 1500 पीस शराब की खाली बोतल, 220 पीस शराब की खाली पेट बोटल, विभिन्न ब्रांडों के ढक्कन और स्टीकर, पंचिंग मशीन एक पीस एवं कारामेल आदि बरामद किया है। छापामारी के क्रम में फरार अभियुक्त पर उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं के आधार पर अभियोग दर्ज किया गया है। बुधवार सुबह उपायुक्त विजय जाधव ने मिनी फैक्ट्री स्थल का जायजा लिया। उनके साथ अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, जिला परिवहन पदाधिकारी वंदना शेजवलकर उपस्थित थे। उन्होंने सहायक आयुक्त उत्पाद उमाशंकर सिंह से मामले की विस्तृत जानकारी ली। जब्त सामग्रियों के संबंध में पूछा। सहायक उत्पाद आयुक्त को जिले में लगातार अवैध शराब निर्माण/ बिक्री/ परिवहन पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया, सतत छापेमारी अभियान चलाने को कहा। उपायुक्त ने आमजनों से भी अपने आस पास किसी भी तरह के अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं परिवहन की सूचना उत्पाद विभाग एवं जिला प्रशासन को देने की बात कहीं। उनका नाम गुप्त रख त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। छापेमारी दल में उत्पाद अवर निरीक्षक सन्नी तिर्की समेत अन्य शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

ट्रांसफॉर्मर लगने से छातााबाद में बिजली हुई बहाल, लोगों ने ली राहत की सांस

कतरास (धनबाद) : छाताबाद आसपास इलाका पिछले गुरुवार 20 सितंबर से अंधेरा में डुबा हुआ था। मामले में कांग्रेस नेता सह स्थानीय वार्ड पार्षद प्रतिनिधि मासूम खान के प्रयास अंततः एक सप्ताह के अंदर नया ट्रांसफॉर्मर नया लगा और बिजली बाहल हो गया। ट्रांसफॉर्मर जलने से संपूर्ण छाताबाद, मालकेरा रोड़ में अंधकार में डुब गया था। दो ट्रांसफॉर्मर से एक ट्रांसफार्मर एक महिना से जला हुआ था। इस बीच छाताबाद मेन रोड़ स्थित झारखंड बिजली बोर्ड का ट्रांसफॉर्मर भी जल गया था। जो चार दिन बाद चालू हो गया। किंतु बीसीसीएल द्वारा आपूर्ति होने वाला दो ट्रांसफॉर्मर करीब एक सप्ताह के बाद चालू हुआ। बिजली बहाल होने से लोगों ने राहत की सांसे ली। स्थानीय लोगों ने पार्षद प्रतिनिधि मासूम खान के प्रति आभार व्यक्त किया। बताते चले कि गत गुरुवार को छाताबाद बीसीसीएल स्टोर स्थित बिजली घर में लगे 500 सौ एवं 750 केबी का ट्रांसफॉर्मर एक के बाद एक कर चल गया था। जिससे छाताबाद में हाहाकर मच गया था। खान ने कहा कि दो ट्रांसफॉर्मरन के एक साथ जलने से जनता को भारी परेशानी हो गयी थी। लगातार प्रयास के बाद बिजली बहाल हो गया। बीसीसीएल सहयोग सराहनीय रहा। जनता की हर सुखदुख में 24 घंटा खड़ा है। जल्द ही दोनों ट्रांसफॉर्मर अधिक पावर का लगवा दिया जायेगा।

कचड़े के ढेर से मिले चांदी के पायल को सफाई कर्मी ने लौटाकर पेश की ईमानदारी

धनबाद : ऑनेस्ट इज बेस्ट पॉलिसी के तर्ज पर सफाई कर्मी रूपेश हाड़ी व जीतन हाड़ी ने ईमानदारी का परिचय देते हुए कचड़े के डिब्बे से मिले चांदी के पायल को आदर्श कॉलोनी 300 क्वार्टर भेलाटांड सिजुवा 6 नंबर निवासी एसआईएस गार्ड के एमओ को सुपुर्द किया है। इस संबंध में सफाई कर्मी रूपेश हाड़ी व जीतन हाड़ी ने बताया कि हमलोग डोर टू डोर कचड़ा कलेक्शन के लिए गए थे। कचड़ा कलेक्शन के बाद जब हम लोग कचड़ा डंप करने गए। डंप करने के दौरान कचड़े के ढेर में एक बैग मिला। उस बैग को जब हम लोगों ने खोल कर देखा तो उसमें चांदी का जोड़ा पायल था, उस पायल को हम लोगों ने अपने पास रख लिया और जब दूसरे दिन हमलोग काम पर कचड़ा कलेक्शन के लिए गए, तब आदर्श कॉलोनी 300 क्वार्टर भेलाटांड सिजुवा 6 नंबर निवासी एसआईएस गार्ड के एम ओ ने अपनी पूरी बात हमलोग को बताई, उनकी पूरी बाते सुनकर हमलोगो से उनकी चांदी के पायल को उन्हे लौटा दिया । उस एसआईएस गार्ड के जवान ने बताया कि वो चांदी के पायल 350 ग्राम का था। जिसकी कीमत लगभग 25000 बताया जा रहा है। जिम्मेदार नागरिक का फर्ज निभाने वाले सफाई कर्मी रूपेश हाड़ी व जीतन हाड़ी को अपनी ईमानदारी का परिचय देने के लिए उस एसआईएस गार्ड के जवान ने उन दोनो सफाईकर्मी को 1000 रुपए की प्रोत्साहन राशि सप्रेम भेंट किया और धन्यवाद दिया।

बोकारो जनरल हॉस्पिटल में विश्व फार्मासिस्ट दिवस का हुआ आयोजन

बोकारो : बोकारो जनरल हॉस्पिटल में विश्व फार्मासिस्ट दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप में बोकारो जनरल हॉस्पिटल के प्रभारी डॉ बी बी करुणामय, मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ आनंद कुमार एवं डॉ ए मंडल, ए सी एम ओ डॉ वर्षा घनेकर, वरीय चिकित्सक, नर्सिंग एवं पैरामेडिकल स्टाफ उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत पारम्परिक तरीके से दीप प्रज्वलन के साथ हुई। डॉ बी बी करुणामय ने अपने संबोधन में कहा कि फार्मासिस्ट की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है जिसमें उनके द्वारा दवा की सही पहचान, उसकी री-स्टॉकिंग, दवाओं की एक्सपायरी डेट का रिकॉर्ड रखना और दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना आदि शामिल होते हैं ताकि किसी मरीज के स्वास्थ्य पर उसका कोई गलत प्रभाव न पड़े। बोकारो जनरल हॉस्पिटल में कार्यरत फार्मासिस्ट पॉलोमी मुखर्जी, भुवनेश्वर गोराई एवं देवराज खान द्वारा इस वर्ष के थीम वैश्विक स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करना पर आधारित संक्षिप्त भाषण दिया गया। कार्यक्रम का संचालन फार्मासिस्ट पंकज पांडा तथा धन्यवाद ज्ञापन संजय कुमार के द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में फार्मासिस्ट अजीत कुमार सिन्हा, शशिभूषण पंडित, अनिरुद्ध वैष्णव, कमल किशोर प्रसाद, प्रदीप कुमार, मो. जफर इकबाल, अमित सिन्हा के साथ सभी फार्मासिस्ट की अहम भूमिका रही।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय का 108वें जन्म दिवस पर भाजपा संघ ने अर्पित किया श्रद्धा सुमन

बोकारो : परिवर्तन यात्रा के छठे दिन का शुभारंभ सेक्टर 1 बोकारो विधायक बिरंची नारायण के आवासीय कार्याल में जनसंघ व भारतीय पार्टी के प्रेरणा स्रोत पंडित दीनदयाल उपाध्याय का 108 वां जन्म दिवस पर उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर परिवर्तन यात्रा के प्रमंडलीय प्रभारी सह कोडरमा के पूर्व सांसद डॉ रविन्द्र राय ने शुभारम्भ किए उक्त अवसर पर उपस्थित कार्यकताओं में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को अपनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर परिवर्तन यात्रा के प्रमंडलीय प्रभारी सह कोडरमा के पूर्व सांसद डॉ रविन्द्र राय ने कहा पंडित दीनदयाल उपाध्याय हमारे प्रेरणास्रोत रहे है वे सच्चे राष्ट्रवादी थे पंडित दीनदयाल उपाध्याय एक प्रखर विचारक, उत्कृष्ट संगठन कर्ता तथा एक ऐसे नेता थे जिन्होंने जीवनपर्यंत अपनी व्यक्तिगत ईमानदारी व सत्यनिष्ठा को महत्व दिया। बोकारो विधायक बिरंची नारायण ने कहा कि जनसंघ के रूप में पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने एक छोटा सा पौधा लगाया था। वह आज भाजपा पार्टी के विशाल वट वृक्ष के रूप में आज विश्व का सबसे बड़े राजनीतिक दल के रूप में स्थापित हुआ है। केंद्र की भाजपा नेतृत्व वाली सरकार जनकल्याण के पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के संकल्प को साकार करने में निरन्तर लगी हुई है और कई जनकल्याणकरी योजनाए चला रही है ।

भाजपा नेता ने किया कबड्डी डिस्ट्रिक्ट एसोसिएशन टीम को किट का वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : कबड्डी डिस्ट्रिक्ट एसोसिएशन, बोकारो के 24 खिलाड़ियों को भाजपा नेता विवेक सिंह ने किट प्रदान की। सेक्टर नाइन सी क्लब मैदान में आयोजित समारोह में विवेक ने 12 लड़के और 12 लड़कियों को लोअर और अपर जर्सी प्रदान की। इस अवसर पर विवेक ने कहा कि झारखंड सहित बोकारो में कब्बड्डी खेल को प्रोत्साहन मिलना चाहिए। इसी के निमित वो बोकारो जिला कबड्डी एसोसिएशन के कोच मनोज कुमार शर्मा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर सभी खिलाड़ियों को विवेक सिंह ने शुभकामनाएं दी। ज्ञात हो सभी खिलाड़ी चाईबासा में 27 से 29 सितंबर तक आयोजित राज्यस्तरीय सीनियर महिला पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लेने को जायेंगे। कार्यक्रम में राकेश कुमार मधु, अजीत कुमार, लाल बाबू सिंह, धीरज, कृष्ण कुमार मालाकार सहित अन्य उपस्थित रहे।

हेमन्त सरकार से राज्य को मुक्ति दिलाने के लिए भाजपा ने निकाली परिवर्तन यात्रा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : कोडरमा के पूर्व सांसद सह परिवर्तन यात्रा के उत्तरी छोटानागपुर प्रभारी रविन्द्र राय ने आज बोकारो परिसदन में प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते हुए कहा कि भाजपा ने बड़े ही सपनों के साथ झारखंड राज्य का गठन किया था। लेकिन वर्तमान हेमंत सरकार में झारखंड में जंगल राज जैसी स्थिति है। उन्होंने कहा कि जब से हेमंत सरकार सत्ता में आई है, तब से झारखंड में लूट राज्य बन गया है। सरकार में बलात्कारियों को संरक्षण मिल रहा है और उग्रवाद फिर से पनप रहा है। इस जंगल राज से और झारखंड मुक्ति मोर्चा से राज्य के लोगों को मुक्ति दिलाने के लिए परिवर्तन यात्रा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन ने सत्ता में आने से पहले कई वादे किए थे, लेकिन एक भी वादे पूरे नहीं हुए। न तो बेरोजगारी दूर हुई और न बेरोजगार नौजवानों को बेरोजगारी भत्ता मिला। उन्होंने कहा कि जब चुनाव के दो माह शेष बचे हुए हैं, तब जनता को लुभाने के लिए तरह-तरह की योजना लाई जा रही है। परिवर्तन यात्रा में जनता के मिलरहे अपार समर्थन ने स्पष्ट कर दिया है कि जनता के समर्थन से झारखंड में बनेगी डबल इंजन की सरकार बनना तय है। मंईयां सम्मान योजना पर पूर्व सांसद रविन्द्र राय ने कहा कि ऐसी योजना भारतीय जनता पार्टी शासित छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश राज्यो में पहले से चला रहा है। झामुमो जनता को ठगने का कार्य कर रहा है। झामुमो, कांग्रेस की चंगुल में है और कम्युनिस्ट लाल झंडा वाली पार्टी बिना सरकार में शामिल हुए लूट में शामिल हैं। इनकी सांप-नेवले जैसी दोस्ती है। राय ने कहा कि विकास के लिए झारखंड में फिर से डबल इंजन वाली सरकार फिर से बनानी है।

इस्पातकर्मियों और ठेकाकर्मियों के प्रतिनिधियों के बीच हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बुधवार को जय झारखंड मजदूर समाज कार्यालय सेक्टर-9 मे इस्पातकमीर्यों और ठेकाकमीर्यों के प्रतिनिधियों की आवश्यक बैठक हुई। जिसमे सेल प्रबंधन और एन जे सी एस गठजोड के कारण एरियर, रात्रि पाली भत्ता, बोनस ठेकाकर्मीयों का बिना एरियर का ए डब्लू ए का मात्र 1600 का निर्णय, साईकिल एलाउन्स, केन्टीन भत्ताऔर रात्री पाली भत्ता जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा तक नहीं किया। और बिना मजदूरों के चूने हुए युनियन को एन जे सी एस मे प्रबंधन द्वारा भेजे जाने पर रोष व्यक्त किया गया तथा इसके बिरोध मे पुनः निर्णायक आन्दोलन पर चर्चा हुआ। बैठक का अध्यक्षता झारखंड मुक्ति मोर्चा केन्द्रीय सदस्य सह जय झारखंड मजदूर समाज के महामंत्री बि के चौधरी ने चर्चा के उपरान्त कहा कि यह कहावत सेल मे चरितार्थ है कि सेल प्रबंधन और एन जे सी एस चोर चोर मसोरा भाई मिलकर करे मजदूरों की हकमारी क्योकि जब बेजरिबिजन हुआ पिछले बार तो यही एन जे सी एस के नेताओं ने मजदूरों के आक्रोश को शांत करने के लिए मजदूरों के बीच ढ़ोल पीट पीट कर कह रहा था कि एरियर भी मिलेगा और बांकी का बोनस भी मिलेगा लेकिन सब ढ़ाक का तीन पात सावित हुआ यहाँ तक कि ठेकाकमीर्यों को मिल रहे 8.33% के अतिरिक्त प्रोफिट लिंक रिवार्ड हो या साईकिल, केन्टीन, रात्रि पाली भत्ता पर चर्चा करना भी उचित नही समझा लेकिन आज वही एन जे सी एस के नेतागण फिर मजदूरों के बीच धरना प्रदर्शन कर उनको गुमराह करने का काम कर रहा है जिसे मजदूर भलि भांति समझ रहा है। लेकिन आज इस्पातकर्मी और ठेकाकर्मी पुनः जय झारखंड मजदूर समाज की ओर पिछले इतिहास को देखते हुए इनसे उम्मीद लगाए हुए है और उनके इस बिस्वास को बनाए रखने की जिम्मेदारी जय झारखंड मजदूर समाज के हर कार्यकर्ता का बनता है । इसलिए पुनः आर पार की लड़ाई के लिए तैयार रहने कि जरूरत है।

नगरीकला दक्षिण पंचायत में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में सैकड़ो आवेदन हुये जमा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

तेतुलमारी (धनबाद) : नगरीकला दक्षिण पंचायत सचिवालय में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का शुभारंभ बाघमारा प्रखंड के पंचायती राज्य पदाधिकारी रघुवंश भारती व मुखिया अशोक ठाकुर ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में मईया सम्मान योजना का लगभग 200 फार्म, राशन कार्ड का 100, अबुआ आवास का 10 फार्म,आधार कार्ड,बृद्धा व विधवा पेंशन 20 फार्म व अन्य के लिये सैकड़ो लोगो ने आवेदन पत्र जमा किया। सभी आवेदनों का जांच के बाद निष्पादन किया जायेगा। मौके पर नगरीकला पंचायत के मुखिया अशोक ठाकुर, पंचायत सेवक सतेंद्र ठाकुर, जलेशर तुड़ी, बिट्टू कुमार सहित सभी वार्ड के सदस्य सहित पंचायत के ग्रामीण लोग उपस्थित थे।

सीबीएसई क्लस्टर- 3 बास्केटबॉल प्रतियोगिता के दूसरे दिन खिलाड़ियों ने जमकर दिखाया अपना दम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : डीपीएस बोकारो की मेजबानी में चल रही सीबीएसई क्लस्टर-3 अंतर विद्यालय बास्केटबॉल प्रतियोगिता के दूसरे दिन बुधवार को भी खिलाड़ियों का उत्साह बरकरार रहा। खराब मौसम के बावजूद उनका जोशो-खरोश कम नहीं हुआ और उन्होंने बास्केटबॉल कोर्ट पर जमकर अपने दमखम दिखाए। समाचार लिखे जाने तक प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रतियोगिता में मुख्य रूप से रांची, पटना, जमशेदपुर और बोकारो जिले की टीमों का दबदबा बरकरार रहा। प्राप्त परिणाम के अनुसार, बालिकाओं के अंडर-19 वर्ग में आर्मी स्कूल रांची ने डीपीएस रांची को 23-04, नोट्रेडेन पटना ने कैराली स्कूल रांची को 12-03, डीपीएस गया ने आर्मी पब्लिक स्कूल रांची को 10-04, लोयोला हाई स्कूल पटना ने होलीक्रॉस बोकारो को 12-04, रेडिएंट इंटरनेशनल स्कूल पटना ने टेंडर हार्ट स्कूल रांची को 02-00, विद्या विहार चिन्मय विद्यालय जमशेदपुर ने अय्यप्पा पब्लिक स्कूल बोकारो को 29-05,अंडर-17 में लेडी केसीएम रांची ने अय्यप्पा पब्लिक स्कूल बोकारो को 14-02, महाबोधी ट्री स्कूल गया ने विद्या विहार पूर्णिया को 15-08, डीबीएमएस कदमा ने एआरएस पब्लिक स्कूल बोकारो को 07-00 तथा बाल्डविन एकेडमी कदमा ने बाल्डविन एकेडमी पटना को 13-03 तथा आरएमएस हाई स्कूल जमशेदपुर ने धनबाद पब्लिक स्कूल को 33-13 अंकों से परास्त किया। इधर, बालकों के अंडर -19 आयुवर्ग में जेवीएम रांची ने लोयोला हाई स्कूल पटना को 37-14, टेंडर हार्ट स्कूल रांची ने रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल पटना को 13-0, आर्मी पब्लिक स्कूल हजारीबाग ने ग्रेटर त्रिवेणी स्कूल लोहरदगा को 24-13, विद्या विकास रांची की टीम ने होली क्रॉस बोकारो को 12-02 तथा ब्रिजफोर्ड रांची ने बिशप स्कॉट पटना को 27-04, अंडर- 17 आयुवर्ग में बाल्डविन एकेडमी जमशेदपुर ने डीपीएस बोकारो को 32-20, जीजीपीएस बीएस सिटी ने संत मैरी स्कूल मसौढ़ी को 28-10, संत मैरी स्कूल इंग्लिश हाई स्कूल जमशेदपुर ने ट्रिनिटी ग्लोबल स्कूल पटना को 21-12, डीबीएमएस कदमा ने रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल पटना को 26-0, महाबोधी ट्री स्कूल गया ने लेडी केसीआर रांची को 23-07, डीवाई पाटिल पटना ने बाल्डविन एकेडमी पटना को 10-08, डॉन बॉस्को स्कूल सीवान ने मिलेनियम स्कूल पटना को 10-06, एसबीपीएस रांची ने जीडी गोयनका स्कूल पटना को 12-0 तथा गोविन्द विद्यालय जमशेदपुर ने आरकेवी विद्या मंदिर देवघर को 14-12 अंकों से पराजित किया। जबकि, अंडर-19 आयुवर्ग में शारदानंद स्कूल रांची को टॉरियन वर्ल्ड स्कूल रांची तथा अंडर- 17 में संत माइकल स्कूल पटना को निर्मला स्कूल धनबाद के विरुद्ध वॉकओवर मिला।

मादक पदार्थों के खिलाफ लगातार छापामारी अभियान चलाएं अधिकारी : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने जिले के सभी अंचलाधिकारियों और थाना प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि थाना प्रभारी और अंचल अधिकारी आपसी समन्वय के साथ अपने संबंधित क्षेत्रों में हो रही मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री और खेती को चिह्नित कर विशेष अभियान चलाये। उपायुकत बुधवार को नार्को को आर्डिनेशन सेंटर की हुई बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में मादक द्रव्य पदार्थों के नियंत्रण के लिए विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक में पुलिस विभाग एवं एनकोर्ड से संबंधित अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदनों के सभी बिंदुओं की समीक्षा की गयी। साथ ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में निर्देश दिया गया कि जिले की सीमाओं और विद्यालयों के आसपास के क्षेत्रों में विशेष निगरानी करें। अवैध अफीम की खेती के विरुद्ध अभियान चलाने के क्रम में वैकल्पिक कृषि को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सभी अंचल अधिकारी को निर्देश दिया गया कि वे लोगों को जागरूक करें। बैठक में उपायुक्त ने छापामारी और अन्य कार्रवाई सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि हमें प्राथमिकता के आधार पर नशा मुक्ति अभियान चलाते हुए निरंतर कार्रवाई जारी रखने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि इस दिशा में आवश्यक रूप से छापामारी अभियान चलाया जाए। साथ ही दोषियों के विरुद्ध त्वरित और विधि-सम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

अवैध खनन एवं परिवहन मार्गों पर विशेष निगरानी रखने का डीसी ने दिया निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में बुधवार को जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक आयोजित हुई। बैठक में गत एक माह के दौरान खनिज पदार्थों के अवैध खनन एवं परिवहन की रोकथाम की दिशा में संबंधित अधिकारियों द्वारा की गई कार्रवाई की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने निर्देशित किया कि खनिजों के अवैध खनन स्थलों को चिह्नित कर जिला खनन टास्क फोर्स टीम आपस में समन्वय बनाकर अवैध खनन एवं परिवहन के मार्गों पर विशेष निगरानी रखें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यकतानुसार चेक पोस्ट बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि विभिन्न थाना क्षेत्र में विशेष छापामारी अभियान चलाया जाए। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि बालू घाट वाले पंचायत के गांवों में नियमित तौर पर विशेष ग्राम सभा का आयोजन कर ग्रामीणों को अवैध बालू उत्खनन के प्रति जागरुक करें। मोटर यान निरीक्षक को निर्देश दिया गया कि अवैध परिवहन करने के आरोप में थाना में जब्त पड़े वाहनों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। साथ ही राजस्व जमा कराए बिना किसी भी परिस्थिति में पकड़े गए वाहनों को न छोड़ें।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
(एन.आर.ई.पी.), चतरा ।
Email Add: nrepchatra@gmail.com

निविदा रद्द संबंधित सूचना

इस कार्यालय का पत्रांक – 443/NREP चतरा दिनांक– 12.07.2024 द्वारा DMFT योजना अन्तर्गत प्रकाशित ई–अति अल्पकालीन् निविदा सूचना संख्या EE/NREP/CHATRA/23/2024-25 दिनांक 12.07.2024 (PR No.- 329495 को अपरिहार्य कारणवश रद्द किया जाता है।

कार्यपालक अभियंता,
एन.आर.ई.पी., चतरा।

PR 337004 NREP(24-25)D

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER,
BUILDING CONSTRUCTION DEPARTMENT
BUILDING DIVISION, HAZARIBAG

e-Procurement Cell
Very Short e-Procurement Notice(3rd Call)

Tender Reference No:-BCD/EE/HAZARIBAG/ 27/2024-25 Date:-23-09-2024

Sl. No	Name of Work	Estimated Cost	Earnest Money	B.O.Q Rate	Time of completion
1	Construction of Aanganbadi Kendra, ParTumba, Panchayat-Morangi, Block:- Sadar, District-Hazaribagh. .(20360080317)	1448400/-	29000/-	2500/-	04 Month

A.	Date of Publication of Tender on website	25-09-2024
B.	Last date/Time for receipt of bids	01-10-2024 03.00 PM
C.	Name & address of office Inviting tender	Office of the Executive Engineer, Building Construction Department, Building Division,Hazaribag
D.	Contact no. of Procurement officer	9348952485
E.	Helpline number of e-Procurement cell	06546-225723

Further details and subsequent amendments can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

Nodal Officer, e-Procurement Cell,
Office of the Executive Engineer,
Building Construction Department,
Building Division, Hazaribag

PR 336885 Building(24-25)#D

30 दिव्यांगजनो के बीच ट्राईसाईकिल, व्हील चेयर आदि उपकरणों का किया गया वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चैनपुर : चैनपुर प्रखण्ड परिसर में बुधवार को 30 दिव्यांगजनो के बीच ट्राईसाईकिल, व्हील चेयर, ब्लाइंड स्टिक, श्रवण यंत्र, स्टिक आदि उपकरणों का किया गया वितरण। इस मौके पर जिप सदस्य मेरी लकड़ा ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार समाज के सभी वर्गों के लोगों को आगे बढ़ाना चाहती है। केंद्र और राज्य सरकारों की प्राथमिकता में दिव्यांगों को समाज की मुख्यधारा में शामिल करना भी शामिल है। दिव्यांग ट्राईसाइकिल के माध्यम से न सिर्फ एक स्थान से दूसरे स्थान पर अपने कार्य से आसानी से जा सकेंगे बल्कि ट्राईसाइकिल से वह छोटे स्तर का रोजगार भी कर सकेंगे। वही चलने फिरने से लाचार दिव्यांगों को बुधवार को ट्राई साइकिल मिली तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। परिवार के अन्य सदस्यों व मित्रों को। सबका यही कहना था कि अब वह भी आसानी से एक दूसरे स्थान पर आ जा सकेंगे। जो पहले से व्यवसाय नहीं कर रहे उनका कहना था कि अब वह भी कोई छोटा व्यवसाय करेंगे जिससे वह आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें। मौके पर मुख्य रूप से प्रखंड विकास पदाधिकारी चैनपुर श्री यादव बैठा,जिप सदस्य मेरी लकड़ा, शोभा देवी (मुखिया चैनपुर), महिला पर्यवेक्षिका अंजली वर्मा, सहित अनेक दिव्यांग जन और उनके परिवार वाले मौजूद थे।

खिजरी विधायक ने हेसल में सड़क सुंदरीकरण कार्य का किया शिलान्यास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : खिजरी विधानसभा क्षेत्र अनगडा प्रखंड अंतर्गत हेसल पंचायत रिंग रोड के समीप ग्रामीण कार्य विभाग मुख्य मंत्री ग्राम सड़क सुंदरीकरण योजना अंतर्गत मंजिला टोला से तूरूप तक पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास विधिवत नारियल फोड़ कर खिजरी विधायक राजेश कच्छप ने किया। मौके पर विधायक प्रतिनिधि राजेन्द्र मुंड़ा, साकिर अंसारी, एतवा मुंडा, पंचायत समिति सदस्य शीला देवी, छोटेलाल महतो, विश्राम महतो, सचिन नायक, युनूस अंसारी, रोहित नायक, सरिता तिकी, शांति देवी, सूरज करमाली, अब्बास अंसारी, रजाक अंसारी आदि शामिल थे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, खूँटी।
ई–अति अल्पकालीन पुनर्निविदा आमंत्रण सूचना
ई–अति अल्पकालीन पुनर्निविदा संख्याः–17/RI/2024-25/RWD/KHUNTI, दिनांक– 24.09.2024

कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, खूँटी द्वारा निम्न विवरण के अनुसार e-procurement पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है।

1.कार्य का नामः–

क्र० सं०	आई०डी० सं०/पैकेज सं०	प्रखण्ड	पथ का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	अग्रधन की राशि (रूपये में)	कार्य समाप्ति की अवधि	टेंडर कॉल नं०
1	RWD-KHUNTI-15/2024-25	मुरहू	लिलीकोटो से तुरांग तक पथ निर्माण कार्य (लं०– 3.200 कि०मी०)।	3,23,35,100.00 (तीन करोड़ तेईस लाख पैंतीस हजार एक सौ रू० मात्र।)	6,47,000.00 (छः लाख सैंतालीस हजार रू० मात्र।)	12 माह।	द्वितीय।

2 वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथिः– 26.09.2024।
3 ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समयः– 04.10.2024 अपराहन 5.00 बजे।
4 निविदा खोलने की तिथि एवं समयः– 07.10.2024 अपराहन 3.30 बजे
5 निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पताः– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, खूँटी, पिन–835210।
6 ई– निविदा प्रकोष्ट का दूरभाष संः– 9431170803
7 अग्रधन की राशि स्वीकृत परिमाण विपत्र के अनुरूप भी मान्य होगा।
विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, खूँटी।

PR 336877 Rural Work Department(24-25)D

बैजनाथटाटा गांव में एक माह से बिजली ट्रांसफार्मर खराब, ग्रामीण परेशान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : रांची जिला अंगड़ा प्रखंड अंतर्गत बैजनाथटाटा गांव में विगत एक माह से ट्रांसफार्मर खराब पड़ा जिससे गांव के आम जनता को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा हैहो चुकी आज के समय में घर में बिजली ना होना दुर्भाग्य है। यह गांव बिल्कुल जंगल एरिया पड़ता है। येसे में गांव में निवास करने वालो को बहुत ज्यादा परेशानी होती हैं ग्रामीणों ने बताया कि १०० के बी के ट्रांसफार्मर को बदलने के लिए स्थानीय विधायक राजेश कच्छप को लिखित आवेदन दिया गया है लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुआ। ग्रामीण काफी परेशान है बच्चो का पड़ने लिखने में काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। इसकी जानकारी गांव के ही मुकेश महतो ने दिया।

9वीं अखिल भारतीय रेलवे तीरंदाजी चैंपियनशिप में मधुमिता ने रजत पदक जीता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : सिल्ली चितरंजन में मुरी इलेक्ट्रिकल डिपार्मेंट में कार्यरत मधुमिता कुमारी ने रजत पदक जीता मधुमिता कुमारी 9वी अखिल भारतीय रेलवे तीरंदाजी चैंपियनशिप चितरंजन में मुरी इलेक्ट्रिकल डिपार्मेंट में कार्यरत मधुमिता कुमारी ने कंपाउंड डिवीजन के मिक्स टीम इवेंट में रजत पदक जीता और हटिया में कार्यरत दीप्ति कुमारी ने रिकर्व डिवीजन के एकल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता दोनो ही तीरंदाजों को बिरसा मुंडा तीरंदाजी एकेडमी सिल्ली और जोंहा की ओर से बधाई और शुभकामनाएं दी गई। वहीं सी बी एस सी जोनल आर्चरी चैंपियनशिप जमशेदपुर के एसडीएम स्कूल में दिनांक 24 से 25 तक आयोजित गया था। जिसमे बिरसा मुंडा तीरंदाजी एकेडमी की तीरंदाज और स्यामली स्कूल रांची की तूही देब ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। सभी विजेता खिलाड़ियों को एकेडमी के मुख्य संरक्षक सुदेश कुमार महतो और अध्यक्ष नेहा महतो ने बधाइयां एवं भविष्य के लिए शुभकामनाए दी है।

स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत चित्रांकन प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

सरिया (गिरिडीह) : बालिका उच्च विद्यालय सरिया में बुधवार को स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रायोजक खेल मंत्रालय भारत सरकार सह नेहरू युवा केंद्र तथा नारी उत्थान मंच चंद्रमणि के तत्वाधान में हुए इस चित्रांकन प्रतियोगिता में विद्यालय की 40 छात्राओं ने भाग लिया। वहीं स्वच्छता ही सेवा के संबंध में नारी उत्थान मंच के सचिव किरण वर्मा ने बच्चों को संबोधित करते हुए बताया की स्वच्छ भारत मिशन के लगभग एक दशक पूर्ण होने वाले हैं। इस अवसर पर हम सभों की जिम्मेदारी बनती है स्वच्छता ही सेवा की अभियान की तहत अपने क्षेत्र तथा आसपास को स्वच्छ रखें तथा सार्वजनिक स्थल पर कचरा न फेंके। खुले में शौच आदि का प्रयोग नहीं करना है।

झारखण्ड सरकार
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, सिमडेगा

ई–प्रोक्युरमेंट सूचना

अतिअल्पकालीन ई० निविदा आमंत्रण सूचना संख्या RDD/SD/SIMDEGA/03/2024-25 (2nd Call)

1.कार्य की विस्तृत विवरणी :–

ग्रुप सं०	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि (रू० में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू० में)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	सिमडेगा जिला अन्तर्गत कोलेबिरा प्रखण्ड के बरसलोया पंचायत के बरसलोया से बरटोली जाने वाले पथ में (ढोलबीर नदी) पर उच्चस्तरीय पुल निर्माण।	321.42500	642850.00	10000.00	18 माह
3	सिमडेगा जिला के ठेठईटांगर प्रखण्ड अन्तर्गत पण्डरीपानी–जलडेगा मुख्य पथ में घुटबहार, चुन्दाटोली, राजाबासा विलियम पथ में डीपाटोली नवाबाँध नाला में उच्चस्तरीय पुलिया एवं गार्डवाल का निर्माण।	403.13800	806300.00	10000.00	18 माह

2.वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 30.09.2024 को 11:00 बजे पूर्वाह्न में।
3.ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय–दिनांक 30.09.2024 से दिनांक 07.10.2024 को अपराह्न 3:00बजे तक
4.ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, सिमडेगा।
5.ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय –08.10.2024 अपराह्न 5:00 बजे
6.ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, सिमडेगा।
7.ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 9060405905 (संबंधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाष नम्बर)
8.परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9.निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10.निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।
विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल,सिमडेगा

PR 336921 Simdega(24-25).D

चैनपुर में मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना की जिला उपाध्यक्ष ने फीता काटकर की शुरुवात

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चैनपुर : सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों तक पहुंचना आज भी लोगों के लिए एक चुनौती है। आज भी इन ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को शहरों तक पहुंचने के लिए कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है या फिर समय से ही सुबह और शाम के वक्त सिर्फ परिवहन की सुविधा उपल्बध हो पाती है। यातायात सुविधाओं में कमी के कारण इन क्षेत्रों के बच्चे बेहतर शिक्षा हासिल करने के लिए रोज शहर नहीं जा पाते हैं या फिर काम करने के लिए रोज शहर नहीं जा पाते हैं। लोगों की इन परेशानियो को दूर करने के उद्देश्य से झारखंड में मुख्यमंत्री गाड़ी ग्राम योजना की शुरुआत की गई है। इसी के तहत चैनपुर में मंगलवार को झामुमों के जिला उपाध्यक्ष सह जिला बिस सूत्री सदस्य सुशील दीपक मिंज ने फीता काटकर ओहदार नामक बस की सुरुवात की है जो चैनपुर प्रखंड के घोरहठी गांव से बसिया तक चलेगी। उन्होंने कहा कि इस बस के चलने से सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को लाभ मिलेगी। ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के लिए शहर तक या मुख्यालय तक पहुंचना आसान हो जाएगा। उन्होंने बताया कि इस वाहन में झारखंड आंदोलनकारी, छात्र-छात्राएं, बुजुर्ग, विधवा, दिव्यांग और एचआईवी संक्रमित लोग मुफ्त में यात्रा कर सकेंगे इस पहल से शहर और गांव के बीच कनेक्टिविटी बढ़ेगी। आवागमन में सुविधा होने से गांव और शहरों के बीच की दूरी कम हो जाएगी। इससे गांवों के विकास में तेजी आयेगी। गांव से भी ग्रामीण सीधे जिला मुख्यालय जाकर अलग-अलग विभाग के अधिकारियों से मिल सकेंगे और जानकारी हासिल कर सकेंगे। वही बस ओनर हुलेश साहू ने बताया कि मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी घोरहठी से सुबह 8:30 बजे खुलेगी जो चैनपुर 8:50 में पहुचेगी व गुमला 10 बजे पहुँचेगी। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को शहर की कनेक्टिविटी से जोड़ने के लिए मुख्यमंत्री ग्राम बस योजना के अंतर्गत गाड़ी चलाई जा रही है इससे ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को सीधा लाभ मिलेगा।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, सिमडेगा

अल्पकालीन ई–प्रोक्योरमेंट सूचना
ई–टेन्डर रेफरेंस नं0–प0नि0वि0/सिमडेगा/08/2024–25
दिनांक–24.09.2024

1.	कार्य का नाम	सिमडेगा–रेंगारी–केरराई–बोलवा–उड़ीसा सीमा पथ के 19वें कि.मी. में 1.5 मी. कैंचाई के 210मी. RCC Retaining wall का निर्माण कार्य।
2.	प्राक्कलित राशि (रूपया में)	55.00 लाख (पचपन लाख) मात्र।
3.	कार्य पूर्ण करने की अवधि	02 माह
4.	वेबसाईड पर निविदा प्रकाशन की तिथि	04.10.2024 को पूर्वाह्न 10.30 बजे से।
5	ऑनलाईन निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	14.10.2024 को दोपहर 12.00 बजे तक।
6.	ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय	15.10.2024 को अपराह्न 12.30 बजे तक।
7.	निविदा आमंत्रित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, सिमडेगा–835223
8.	प्रोक्योरमेंट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या	82358–16924
9.	ई–प्रोक्योरमेंट सेल का हेल्पलाईन संख्या	0651–2403007

नोट :– 1. प्राक्कलित राशि घट–बढ़ सकती है।
2. विशेष जानकारी के लिये http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।
3. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
4. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–शुल्क भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी जवाबदेही आपकी होगी।
5. पथ प्रमण्डल, सिमडेगा अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2022–23 एवं 2023–24 गैर–योगना मद अंतर्गत अपूर्ण कार्य करने वाले संवेदकों को निविदा प्रक्रिया में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

कार्यपालक अभियंता
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल सिमडेगा

PR 337043 (Simdega)24-25*D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, राँची।

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0–RCD/RANCHI -15/2024-25 Dt. 23-09-2024

1. विज्ञापनदाता का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल,राँची।
2. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि :– **01.10.2024** को कार्यालय अवधि तक।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– **04.10.2024** को अपराह्न **3.00** बजे तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– **04.10.2024** को अपराह्न **3.30** बजे ।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– (i) मुख्य अभियंता (यातायात) का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, झारखण्ड, अभियंत्रण छात्रावास सं0–2, प्रथम तल्ला, धुर्वा, राँची।
(ii) अधीक्षण अभियंता का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, पथ अंचल, राँची।
(iii) कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल,राँची ।
6. निविदा प्राप्ति एवं खोलने का स्थान :– क्रमांक 5 में अंकित स्थानों पर।
7. कार्य की विवरणी :–

क्र0 सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	अग्रधन की राशि (रू0 में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू0 में)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6
1.	बिरसा मुण्डा खादगढ़ा बस स्टैंड पथ में साधारण मरम्मति कार्य वर्ष 2024–25.	44,99,210.00	90,000.00	5,000	02 माह
2.	राजभवन, राँची के वाह्य पथ में सतहनवीकरण कार्य वर्ष 2024–25.	32,50,000.00	66,000.00	5,000	02 माह
3.	एल.पी.एन. साहदेव चौक से दुर्गा मंदिर, रातू रोड पथ में साधारण मरम्मति कार्य वर्ष 2024–25.	28,50,000.00	58,000.00	5,000	02 माह
4.	अरगोड़ा चौक से कडरू मोड पथ में साधारण मरम्मति कार्य वर्ष 2024–25.	29,96,800.00	60,000.00	5,000	02 माह
5.	पथ प्रमंडल, राँची कार्यालय का मरम्मति एवं अन्य कार्य वर्ष 2024–25.	30,00,000.00	60,000.00	5,000	03 माह
6.	बिरसा राजपथ अवस्थित डिवडीह आर.ओ.बी. के सर्विस पथ का निर्माण कार्य वर्ष 2024–25.	35,98,900.00	72,000.00	5,000	03 माह

निविदा की शेष शर्तें **http://prdjharkhand.in/online_tender.php** एवं कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।
प्राक्कलित एवं अग्रधन की राशि घट–बढ़ सकती है, जो कि परिमाण विपत्र बिक्री के समय देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, राँची।

PR 336889 (Road Construction Dept Road Division Ranchi) 24-25 (D)

पर्यावरण को स्वस्थ बनाकर ही मनुष्य-स्वास्थ्य संभव

विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस

ललित गर्ग

मनुष्य का लोभ एवं संवेदनहीनता भी त्रासदी की हद तक बढ़ी है, जो वन्यजीवों, पक्षियों, प्रकृति एवं पर्यावरण के असंतुलन एवं विनाश का बड़ा सबब बना है। मनुष्य के कार्य-व्यवहार से ऐसा मालूम होने लगा है, जैसे इस धरती पर जितना अधिकार उसका है, उतना किसी ओर का नहीं- न वृक्षों का, न पशुओं का, न पक्षियों का, न नदियों-पहाड़ों-तालाबों का। ये स्थितियां मनुष्य एवं पर्यावरण स्वास्थ्य को चौपट कर रही है।

हर साल दुनियाभर में 26 सितंबर को विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य है, पर्यावरणीय स्वास्थ्य का मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में जागरूकता पैदा करना। हम सभी जानते हैं कि स्वस्थ रहने के लिए पर्यावरण को बचाना कितना जरूरी है। जिस जगह हम रहते हैं, वहां पर्यावरण से जुड़ी हर चीज की देखभाल करना हर व्यक्ति का फर्ज होना चाहिए। हर बीमारी का उपचार प्रकृति एवं पर्यावरण में है। इस दिवस की 2024 की थीम है पर्यावरण स्वास्थ्य, आपदा जोखिम न्यूनीकरण और जलवायु परिवर्तन शमन और अनुकूलन के माध्यम से लचीले समुदायों का निर्माण।ह्न प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, औद्योगीकरण, शहरीकरण, वैश्वीकरण और प्रदूषण मानव स्वास्थ्य के लिये गंभीर खतरा है। मनुष्य को घेर रही तरह-तरह की बीमारियों का सबसे बड़ा कारण प्रकृति के प्रति लापरवाही एवं उपेक्षा है। ग्लोबल वार्मिंग, वनों की कटाई, नदियों में गंदगी फैलाना, पशुओं को हानि पहुंचाना आदि पर्यावरणीय स्वास्थ्य के नुकसान पहुंचाने के कई कारण हैं। अनियोजित औद्योगीकरण, बढ़ता प्रदूषण, घटते रेगिस्तान एवं ग्लेशियर, नदियों के जलस्तर में गिरावट, पर्यावरण विनाश, प्रकृति के शोषण और इनके दुरुपयोग के प्रति असंवेदनशीलता पूरे विश्व को एक बड़े संकट की ओर ले जा रही है। इन संकटों के बीच प्राकृतिक पर्यावरण, वायु, जल, भोजन, आवास और समुदायों की गुणवत्ता में सुधार को बढ़ावा देने के लिये इस दिवस की विशेष प्रासंगिकता है।

26 सितंबर, 2011 को इंडोनेशिया में आयोजित शिखर सम्मेलन में इस दिन की स्थापना हुई थी। यह दिवस लोगों को पर्यावरण के कई पहलुओं के बारे में शिक्षित करने का एक साधन है जो किसी न किसी तरह से स्वास्थ्य पर प्रभाव डाल सकते हैं जैसे कि हवा और पानी की गुणवत्ता, ठोस अपशिष्ट निपटान, और खतरनाक पदार्थों का प्रभाव। यह दिवस मनुष्य स्वास्थ्य के साथ पर्यावरण स्वास्थ्य की महत्वपूर्ण भूमिका को बढ़ावा देने और सभी निवासियों के जीवन के लिए आवश्यक पर्यावरण की स्थिति को बेहतर बनाने के लिए पर्याप्त साधनों की खोज से जुड़ा है। हानिकारक पर्यावरणीय कारक श्वसन पथ के संक्रमण या जलजनित रोगों सहित विभिन्न गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ाती हैं। जलवायु परिवर्तन शमन और अनुकूलन पर्यावरणीय स्वास्थ्य के लिये मुख्य रूप से ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को समाप्त करने, नवीकरणीय ऊर्जा, कुशल स्वास्थ्यवर्द्धक ऊर्जा उपयोग और वनीकरण पर आधारित

हैं। शमन का अर्थ है लोगों के व्यवहार को बदलना और सूखे का सामना करने वाली फसलों को विकसित करना और सिंचाई प्रणालियों में सुधार जैसे कठोर और नरम उपायों के माध्यम से उपयुक्त जलवायु के लिए पर्यावरण में आवश्यक संशोधन करना।

विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस इस बात की याद दिलाता है कि पर्यावरण संरक्षण केवल प्राकृतिक दुनिया का संरक्षण नहीं है, बल्कि लोगों के स्वास्थ्य और भविष्य की सुरक्षा है। इसलिए, जब लोग समुदायों में एक साथ मिलकर काम करते हैं, तो पर्यावरण के कारण होने वाली आपदाओं के बावजूद उन्हें स्वस्थ जीवन जीने में सक्षम बनाने के लिए अच्छे उपायों को अपनाना आसान हो जाता है। इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि इस दिन हम रुकें और इस बात पर विचार करें कि हम पर्यावरणीय स्वास्थ्य को कैसे बेहतर बना सकते हैं और पर्यावरणीय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए और अधिक प्रयास कर सकते हैं। ऐसा करने के लिए हमें पर्यावरणीय स्वास्थ्य को सभी के लिए बेहतर और स्वस्थ भविष्य के मार्ग के रूप में अपनाने की आवश्यकता है। यह दिन विशेष रूप से आधुनिक वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने और उन प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किया गया है जो दुनिया को लोगों और पर्यावरण दोनों के लिए एक बेहतर स्थान बनाने में मदद कर सकते हैं। इस दिन को सेमिनार, कार्यशाला, मीटिंग आदि जैसी विभिन्न गतिविधियों द्वारा चिह्नित किया जाता है। यह लोगों, संगठनों और सरकारों को एक साथ आने और समुदाय के बेहतर और अधिक टिकाऊ रूपों को बनाने के लिए रणनीतियों पर विचार करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। यह दिन पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य को एक दूसरे से निकटता से जुड़ा हुआ मानता है।

यह उल्लेखनीय है कि प्रतिकूल पर्यावरणीय परिस्थितियाँ कई बीमारियों का मूल कारण हैं, उदाहरण के लिए, श्वसन रोग, जलजनित रोग और पुरानी बीमारियाँ। विशेषतः वायु प्रदूषण जानलेवा होता जा रहा है, जीवन की औसत आयु को कम कर रहा है। दरअसल, हमारे नीति-नियंता प्रदूषण कम करने के लिये नागरिकों को जागरूक करने में भी विफल रहे हैं। हमारी सुख-सुविधा की ललक ने भी वायु प्रदूषण बढ़ाया है। अब चाहे गाहे-बगाहे होने वाली आतिशबाजी हो, प्रतिबंध के बावजूद पराली जलाना हो, या फिर सार्वजनिक परिवहन सेवा से परहेज हो, तमाम कारण प्रदूषण बढ़ाने वाले हैं। कल्पना कीजिए बच्चों और दमा, एलर्जी व अन्य सांस के रोगों से जूझने वाले लोगों पर इस प्रदूषण का कितना घातक असर होगा? यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो की हालिया रिपोर्ट फिक्र बढ़ाती है जिसमें कहा गया कि वायु प्रदूषण के चलते भारत में जीवन प्रत्याशा में गिरावट आ रही है।

दुनिया की आबादी आठ अरब से अधिक हो चुकी है। इसमें से लगभग आधे लोगों को साल में कम से कम एक महीने पानी की भारी कमी का सामना करना पड़ता है। जलवायु परिवर्तन के कारण 2000 से बाढ़ की घटनाओं में 134 प्रतिशत वृद्धि हुई है और सूखे की अवधि में 29 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पानी के संरक्षण और समुचित उपलब्धता को सुनिश्चित कर हम पर्यावरण को भी बेहतर कर सकते हैं तथा जलवायु परिवर्तन की समस्या का भी समाधान निकाल सकते हैं। पैकेट और बोतल बन्द पानी आज विकास के प्रतीकचिह्न बनते जा रहे हैं और अपने संसाधनों के प्रति हमारी लापरवाही अपनी मूलभूत आवश्यकता को बाजारवाद के हवाले कर देने की राह आसान कर रही है। विशेषज्ञों ने जल को उन प्रमुख संसाधनों में शामिल किया है, जिन्हें भविष्य में प्रबंधित करना सबसे चुनौतीपूर्ण कार्य होगा। सदियों से निर्मल जल का स्त्रोत बनी रहीं नदियाँ प्रदूषित हो रही हैं, जल संचयन तंत्र बिगड़ रहा है, और भू-जल स्तर लगातार घट रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी तीसरी पारी में अब प्रकृति-पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण-मुक्ति के साथ बढ़ते रेगिस्तान को रोकने के लिये सक्रिय हैं। बंजर जमीन को उपजाऊ बनाने एवं पर्यावरण की रक्षा को लेकर प्रधानमंत्री का संकल्प एक शुभ संकेत है, नये भारत के अभ्युदय का प्रतीक है। सरकार की नीतियों में जल, जंगल, जमीन एवं जीवन की उन्नत संभावनाएं और भी प्रखर रूप में झलक रही है।

मनुष्य का लोभ एवं संवेदनहीनता भी त्रासदी की हद तक बढ़ी है, जो वन्यजीवों, पक्षियों, प्रकृति एवं पर्यावरण के असंतुलन एवं विनाश का बड़ा सबब बना है। मनुष्य के कार्य-व्यवहार से ऐसा मालूम होने लगा है, जैसे इस धरती पर जितना अधिकार उसका है, उतना किसी ओर का नहीं- न वृक्षों का, न पशुओं का, न पक्षियों का, न नदियों-पहाड़ों-तालाबों का। ये स्थितियां मनुष्य एवं पर्यावरण स्वास्थ्य को चौपट कर रही है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस को कहना पड़ा कि हमारी पृथ्वी एक तरह से जलवायु अराजकता की तरफ बढ़ रही है। उन्होंने यह चेतावनी भी दी कि इंसानी सभ्यता के सामने अब सिर्फ 'सहयोग करने या खत्म हो जाने' का विकल्प बचा है। विश्व के पर्यावरण पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है, उससे मुक्ति के लिये जागना होगा, संवेदनशील होना होगा। विश्व के शक्तिसम्पन्न राष्ट्रों को सहयोग के लिये कमर कसनी होगी तभी हम विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस को सार्थक सकेंगे।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

संपादकीय

मासूमों की खातिर

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चाइल्ड पोर्नोग्राफी डाउनलोड करना, स्टोर करना और देखना पोस्को और आईटी के तहत अपराध है। अदालत ने 'चाइल्ड पोर्नोग्राफी' की जगह 'बच्चों के साथ यौन शोषण और अश्लील सामग्री' करने पर विचार करना चाहिए। पॉस्को एक्ट में संशोधन के लिए संसद को कानून लाने को भी कहा। सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास हाई कोर्ट के उस फैसले को पलटते हुए यह कहा जिसमें कहा गया था कि केवल बाल पोर्नोग्राफी डाउनलोड करना और देखना पॉस्को अधिनियम और सूचना प्रौद्योगिकी कानून के अपराध नहीं है, जब तक कि नीयत इसे प्रसारित करना न हो। शीर्ष अदालत ने हाई कोर्ट के फैसले को अत्याचारपूर्ण बताते हुए उसे चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति जताई थी जिसके खिलाफ अपने मोबाइल पर बाल पोर्नोग्राफी सामग्री डाउनलोड करने का आरोप था। इससे पहले केरल हाई कोर्ट ने भी सितम्बर, 2023 में कहा था कि अगर कोई शख्स अश्लील फोटो या वीड़ियो देख रहा है, तो यह अपराध नहीं है, जब तक वह इसे दूसरे को न दिखाए। जबकि अप्रैल में इसी मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि बच्चे का पोर्न देखना शायद अपराध न हो लेकिन पोर्नोग्राफी में बच्चे का इस्तेमाल होना अपराध है। पीठ ने अपने फै सले में इन धाराओं के तहत पुरोषों के दोषी कृत्य निर्धारित किए जाने की बात भी की। पॉस्को एक्ट की धारा 15(1) के अनुसार बच्चों से जुड़े. अश्लील कंटेंट को न हटाने, नष्ट न करने या उसकी जानकारी न देने पर भी सजा का प्रावधान है। अदालत ने सरकार को सुझाव दिया कि वह विशेषज्ञों की कमेटी बना सकती है जो सेक्स एजूकेशन का सिस्टम तैयार करे। साथ ही, अदालत ने स्कूलों को भी सलाह दी कि वे कम उम्र में ही बच्चों को पॉस्को कानून के विषय में बताएं। सारी दुनिया के विशेषज्ञ चाइल्ड पोर्नोग्राफी देखने और प्रसारित करने वालों से जूझ रहे हैं। इसे लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की जाती रही है। जब तक मासूमों को गोपन अंगों, अश्लील हरकतों या यौन शोषण के प्रति जागरूक नहीं किया जाता, वे अनभिज्ञ बने रहेंगे। अपराधी प्रवृत्ति के लोग उनकी मासूमियत से यूं ही खिलवाड़.करते रहेंगे। दोषियों को सजा देने की प्रवृत्ति की बजाय बच्चों की सुरक्षा पर खास ख्याल रखना सीखना होगा। जरूरत है कानून और नैतिक प्रभाव पर विशेष तवज्जो दिए जाने की।

चिंतन-मनन

प्रयत्न में ऊब नहीं

संसार में गति के जो नियम हैं, परमात्मा में गति के ठीक उनसे उलटे नियम काम आते हैं और यहीं बड़ी मुश्किल हो जाती है। संसार में ऊबना बाद में आता है, प्रयत्न में ऊब नहीं आती। इसलिए संसार में लोग गति करते चले जाते हैं। पर परमात्मा में प्रयत्न में ऊब आती है और प्रयत्न पहले ही उबा देगा, तो आप रुक जाएंगे। कितने लोग हैं जो प्रभु की यात्रा शुरू भर करते हैं, पर कभी पूरी नहीं कर पाते। कितनी बार तय किया कि स्मरण कर लेंगे प्रभु का घड़ीभर! एकाध दिन, दो दिन। फिर ऊब गए। फिर छूट गया। कितने संकल्प, कितने निर्णय, धूल होकर पड़े हैं चारों तरफ! लोग कहते हैं कि ध्यान से कुछ हो सकेगा? मैं कहता हूं जरूर हो सकेगा। कठिनाई सिर्फ एक है, सातत्य! कितने दिन कर सकोगे? मुश्किल से कोई मिलता है, जो तीन महीने भी सतत कर पाता है। दस-पांच दिन बाद ऊब जाता है! आश्चर्य है कि मनुष्य जिंदगी भर अखबार पढ़कर नहीं ऊबता, रेडियो सुनकर नहीं ऊबता, फिल्म देखकर नहीं ऊबता, रोज वही बातें करके नहीं ऊबता। ध्यान करके क्यों ऊब जाता है? आखिर ध्यान में ऐसी क्या कठिनाई है! कठिनाई एक ही है कि संसार की यात्रा पर प्रयत्न नहीं उबाता, प्राप्ति उबाती है और परमात्मा की यात्रा पर प्रयत्न उबाता है, प्राप्ति कभी नहीं उबाती। जो पा लेता है, वह फिर कभी नहीं ऊबता। बुद्ध ज्ञान के बाद चालीस साल जिंदा थे। चालीस साल किसी ने एक बार उन्हें अपने ज्ञान से ऊबते हुए नहीं देखा। कोहनूर हीरा मिल जाता चालीस साल तो ऊब जाते। संसार का राज्य मिल जाता तो ऊब जाते। महावीर भी चालीस साल जिंदा रहे ज्ञान के बाद। निरंतर उसी ज्ञान में रमे रहे, कभी ऊबे नहीं! कभी चाहा नहीं कि कुछ और मिल जाए। परमात्मा की यात्रा पर प्राप्ति के बाद कोई ऊब नहीं है। इसलिए कृष्ण कहते हैं कि बिना ऊबे श्रम करना कर्त्तव्य है, करने योग्य है। अर्जुन कैसे माने और क्यों माने? अर्जुन तो जब प्रयास करेगा, तो ऊबेगा, थकेगा। कृष्ण कहते हैं, इसलिए धर्म में ट्रस्ट का, भरोसे का एक कीमती मूल्य है। श्रद्धा का अर्थ होता है, ट्रस्ट।

अंत्योदय से समृद्ध होगा भारत

देश की समृद्धि के लिए अंत्योदय अत्यंत आवश्यक है। अंत्योदय का अर्थ है- समाज के अंतिम व्यक्ति का उदय। दूसरे शब्दों में- समाज के सबसे निचले स्तर के लोगों का विकास करना ही अंत्योदय है। अंत्योदय के बिना देश उन्नति नहीं कर सकता, क्योंकि जब तक देश के अति निर्धन वर्ग का उत्थान नहीं होता, तब तक वह मुख्यधारा में सम्मिलित नहीं हो सकता। ऐसी स्थिति में देश भी समृद्ध नहीं हो पाएगा। इसलिए अंत्योदय आवश्यक है। जनसंघ के संस्थापक दीनदयाल उपाध्याय ने अंत्योदय का नारा दिया था। अंत्योदय उनका सपना था। वे कहते थे कि आर्थिक योजनाओं तथा आर्थिक प्रगति का माप समाज के ऊपर की सीढ़ी पर पहुंचे हुए व्यक्ति नहीं, बल्कि सबसे नीचे के स्तर पर विद्यमान व्यक्ति से होगा। अंत्योदय के माध्यम से केवल भारत ही नहीं, अपितु समग्र विश्व का विकास हो सकता है। इसके सुनियोजित योजना एवं उत्तरदायित्व आवश्यक है। विश्व के बहुत से विकसित राष्ट्र हालांकि किसी भी योजना के बिना ही वर्तमान आर्थिक विकास की दर प्राप्त करने में सफल रहे हैं, जिससे कुछ लोगों को यह अनुभव हो रहा है कि योजनाएं न केवल अनावश्यक हैं, अपितु निहायत अवांछनीय भी हैं। इसके बावजूद आम सहमति इस बात पर भी है कि यदि अविकसित राष्ट्र थोड़े समय में वही हासिल करना चाहते हैं, जो विकसित देशों ने लगभग एक शताब्दी में प्राप्त किया है तो विकास को अपनी प्राकृतिक गति पर नहीं छोड़ा जा सकता। विकास की प्रक्रिया शुरू करने के लिए भी एक प्रयास करना पड़ेगा और यह प्रयास नियोजित ढंग से होना चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 25 सितंबर, 2014 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 98वीं जयंती के अवसर पर अंत्योदय दिवस की घोषणा की थी, तभी से यह दिवस मनाया जा रहा है। इसका उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का प्रकाश पहुंचाना है, ताकि वे भी प्रगति करके समाज की मुख्यधारा में सम्मिलित हो सकें। आर्थिक उन्नति के साथ-साथ यह दिवस समाज में व्याप्त असमानताओं के उन्मूलन के लिए कार्य करने की प्रोत्साहित करता है। इसके अतिरिक्त यह दिवस विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों का प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देता है, जिससे निर्धनों एवं वंचित वर्गों के लोगों को उनके कल्याण के लिए संचालित की जा रही योजनाओं की जानकारी प्राप्त हो सके तथा वे इसका लाभ उठा सकें। सरकार इन वर्गों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। दीनदयाल अंत्योदय योजना के कई घटक हैं, जिन्हें अलग-अलग समय पर प्रारंभ किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने 25 सितंबर, 2014 को दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना भी प्रारंभ की। इसका उद्देश्य निर्धन ग्रामीण युवाओं को नौकरियों में नियमित रूप से न्यूनतम पारिश्रमिक के समान या उससे अधिक मासिक पारिश्रमिक प्रदान करना है। यह योजना ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने के लिए की क्रियान्वित की जा रही है। इससे पूर्व 24 सितंबर, 2013 को राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन प्रारंभ किया गया था। इसके अंतर्गत शहरी निर्धनों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने एवं उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करने पर ध्यान दिया जाता है। इससे पूर्व 25 सितंबर, 2004 को दीनदयाल अंत्योदय उपचार योजना प्रारंभ की गई थी। इस योजना के अंतर्गत निर्धन रोगियों को एंबुलेंस की सुविधा प्रदान की जाती है। उल्लेखनीय है कि सरकार अंत्योदय अन्न योजना संचालित कर रही है। यह योजना 25 दिसंबर 2000 को तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा प्रारंभ की गई थी। इसे केंद्रीय खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय द्वारा लागू किया गया था। इसका उद्देश्य सार्वजनिक वितरण परमाली द्वारा देश के सबसे निर्धन लोगों को रियायती दरों पर भोजन उपलब्ध करवाना है। इस योजना के अंतर्गत निर्धन परिवारों को 35 किलो राशन प्रदान किया जाता है। इसमें 20 किलो गेहूं और 15 किलो चावल सम्मिलित होता है। इसके अंतर्गत गेहूं तीन रुपये प्रति किलोग्राम और चावल दो रुपये प्रति किलोग्राम की दर से दिया जाता है। इसे सबसे पहले राजस्थान में लागू किया गया था। प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि कच्ची नौकरियों में निर्धन परिवारों के युवाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। इसमें वे परिवार सम्मिलित हैं, जिनकी वार्षिक आय एक लाख 80 हजार रुपये से कम है। कोरोना काल से यह राशन निःशुल्क कर दिया गया। भारतीय जनता पार्टी की केंद्र एवं राज्य सरकारें अंत्योदय के सिद्धांत को लेकर शासन कर रही हैं। भाजपा के अनुसार एकात्म मानववाद और अंत्योदय का दर्शन पार्टी के मार्गदर्शक सिद्धांतों में से एक है। इस सिद्धांत को हम सबका साथ सबका विकास के साथ मिला हुआ देख सकते हैं जो गरीब, ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए सरकार द्वारा तय की गई नीतियों में भी नजर आता है। दीनदयाल जी और उनकी आर्थिक नीतियों ने हमेशा गरीबों की भलाई पर जोर देने की बात की है। उनके आर्थिक विचार में पंक्ति के अंतिम पड़ाव पर खड़ा व्यक्ति शामिल रहा है। उन्होंने कहा था कि ह्याआर्थिक नीति निर्धारण और प्रगति की सफलता का पैमाना यह नहीं है कि समाज के सबसे शीर्ष पर मौजूद व्यक्ति को उससे कितना फायदा मिल रहा है बल्कि यह है कि समाज पर जो लोग सबसे नीचे हैं उन्हें उन नीतियों का कितना फायदा मिला है। अंत्योदय का मतलब समाज के सबसे निचले स्तर पर मौजूद व्यक्ति का कल्याण है। उन्होंने यह भी कहा था कि यह हमारी सोच और हमारे सिद्धांत हैं कि ये गरीब और अशिक्षित लोग हमारे ईश्वर हैं, यही हमारा सामाजिक और मानवीय धर्म है। उनके इसी अंत्योदय के विचार से प्रेरित होकर केन्द्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मौजूद एनडीए सरकार और तमाम प्रदेशों में शासन करने वाली भाजपा सरकारें अंत्योदय के रास्ते पर बढ़ने की ओर अग्रसर हैं तथा गरीब, ग्रामीण एवं किसानों के लिए और समाज के सबसे शोषित वर्ग से आने वाले युवाओं और महिलाओं के कल्याण की ओर प्रतिबद्ध हैं। गरीब को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करते हुए औसत जीवन स्तर में बढ़ोतरी हुई है। मुद्रा, जनधन, उज्जवला, स्वच्छता मिशन, शौचालयों का निर्माण, दीनदयाल ग्राम ज्योति योजना, आवास योजना, सस्ती दवाएं और इलाज, इन सभी योजनाओं पर कार्य को आगे बढ़ा दिया गया है।

– योगेश कुमार गोयल

शतरंज : आघात से आहत होती सड़कें

मनोज चतुर्वेदी

भारत अथक प्रयासों के बाद विश्व शतरंज में महाशक्ति के तौर पर उभरने में सफल रहा है। भारत ने 1956 में शतरंज ओलंपियाड़ में भाग लेने की शुरूआत की। इन सालों में तमाम हताशा भरे पलों से गुजरने के बाद वह पहली बार 2014 में कांस्य पदक जीतने में सफल रहा। पुरोषों के पदचिन्हों पर चलते हुए महिला टीम भी 2022 में कांस्य पदक जीतने में सफल हो गई और उनके साथ पुरोष टीम भी कांस्य पदक जीतने में कामयाब हुई। पर अब बुड़ापेस्ट शतरंज ओलंपियाड़ में भारत ने दोनों वर्गों के स्वर्ण पदक जीत कर इतिहास रच दिया है।

भारत की शतरंज की सफलताओं में अभी एक अध्याय और जुड़ना बाकी है। ड़ी गुकेश सबसे कम उम्र में कैंड़ीडेट चैंपियन बन गए हैं। अब उन्हें 20 नवम्बर से 15 दिसम्बर तक विश्व चैंपियनशिप मैच में चीन के डिंग लिरेन को चुनौती देनी है। कामयाब हो जाते हैं तो आनंद के बाद यह उपलब्धि पाने वाले दूसरे भारतीय होंगे। अगर हम दोनों खिलाड़ियों के पिछले प्रदर्शनों को देखें तो गुकेश चैंपियन बनने के दावेदार हैं। लिरेन पिछले काफी समय से क्लासिकल शतरंज नहीं खेली है, और फीडे. की लाइव रेटिंग में 21वें स्थान पर पिछड़. गए हैं। गुकेश शानदार प्रदर्शन से पांचवीं रैंकिंग पर हैं और 2800 ईएलओ रेटिंग तक पहुंचने के करीब हैं। भारतीय टीम के दबदबे की कहानी इस बात से भी दिखती है कि वह 32 सालों में सबसे बड़े. अंतर से विजेता बनने वाली टीम है। भारतीय दबदबा इस बात से भी दिखता है कि उन्होंने 11 राउंड़ में खेलीं 44 बाजियों में से सिर्फ एक हारी और 27 जीतीं, बाकी बाजियां ड्रा रहीं। उन्होंने आखिरी राउंड़ में स्लोवेनिया को 3.5-0.5 अंकों से विजय पाकर खिताब पर कब्जा जमाया। महिला टीम ने आखिरी राउंड़ में अजरबेजान को फतह करके अपने की विजयी रेखा के पार पहुंचाया। भारत के लिए पुरोष वर्ग में गुकेश और अर्जुन एरिगेसी, महिला वर्ग में दिव्या देशमुख और वंतिका अग्रवाल ने व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीते। अर्जुन भारत के नंबर एक खिलाड़ी हैं पर भारत ने उन्हें तीसरे बोर्ड.पर खिलाने की रणनीति बनाई जो कारगर साबित हुई। वह 10 में से नौ बाजियां जीत कर स्वर्ण पदक जीतने में कामयाब हुए। गुकेश ने पहले बोर्ड. पर खेल कर दस में से आठ बाजियां जीतीं और वह भी स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहे। महिला वर्ग में 18 वर्षीय दिव्या देशमुख और 21 वर्षीय वंतिका अग्रवाल ने व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीत कर भारत को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई। दिव्या ने 11 में से आठ बाजियां और वंतिका ने नौ में से छह बाजियां जीतीं। दोनों खिलाड़ी अजेय रहीं क्योंकि इनकी बाजी बाजियां ड्रा रहीं। अर्जुन को तीसरे बोर्ड. पर खिलाने का फायदा यह मिला कि उन्हें हर राउंड़ में विपक्षी टीम के तीसरे सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का सामना करना पड़ा। इससे उन्हें 11 राउंड़ में 10बाजियां जीतने में सफलता मिली और इससे वह तीसरे बोर्ड.का व्यक्तिगत स्वर्ण जीतने में सफल रहे। पर गुकेश टॉप बोर्ड. पर खेले और उन्होंने सभी टीमों के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों का सामना करके 10 में से नौ बाजियां जीत कर व्यक्तिगत स्वर्ण जीता है। वह इस ओलंपियाड़ के एकलौते खिलाड़ी हैं, जिन्हें प्रदर्शन रेटिंग 3056 मिली है, और वह 3000 की संख्या को पार करने वाले इकलौते खिलाड़ी हैं। भारत के लिए 1998-2022 में शतरंज ओलंपियाड़ में सबसे ज्यादा 113 बाजियां खेलने वाले के शशिकिरण ने कहा, 'मुझे खुशी है कि भारत ने मेरे जीवनकाल में ही स्वर्ण पदक जीत लिया। यह टीम बहुत खास है, क्योंकि पहला मौका है, जब भारतीय टीम के सभी खिलाड़ी ईएलओ रेटिंग में 2700 से ऊपर वाले हैं।' वह इस बात से इत्तिफाक नहीं रखते कि वह इस टीम की जीत का आधार बनाने वाले हैं। वह कहते हैं, आधार बनाने वाले विश्वनाथन आनंद हैं और मैंने आनंद और युवा खिलाड़ियों के बीच ब्रिज बनाने का काम किया है।' वह भारतीय युवाओं से 2026 से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे थे पर इन युवाओं से समय से पहले ही डंका बजा दिया है। इस सफलता के अलावा भी भारतीय खिलाड़ियों ने साल 2024 में अपना झंड़ा बुलंद रखा है। भारत के तीन खिलाड़ियों ने कैंड़ीडेट टूर्नामेंट में भाग लिया और गुकेश मात्र 17 साल की उम्र में इसे जीतने में सफल रहे। इस समय फीडे.की लाइव रेटिंग में भारत के दो खिलाड़ी टॉप पांच में शामिल हैं।

अर्जुन 1797.2 अंकों से तीसरे और ड़ी गुकेश 2794 अंकों से पांचवें स्थान पर हैं। दोनों 2800 ईएलओ रेटिंग के पार जाने के करीब हैं। इससे पहले सिर्फ आनंद ही ऐसा कर सके हैं। भारतीय महिला टीम सातवें राउंड़ की समाप्ति पर बढ़त बनाए हुई थी। लेकिन वह आठवें राउंड़ में पोलैंड़ से हार गई और अगले राउंड़ में अमेरिका ने उसे ड्रा पर रोक दिया। भारत को चैंपियन बनने के लिए आखिरी राउंड़ में अजरबेजान पर जीत जरूरी थी। भारत ने बाजी जीतने के साथ स्वर्ण पदक जीतना पक्का कर दिया।

एक नजर

खाना बनाने के क्रम में तेल से झुलसी महिला, हुई मूर्छित

साहिबगंज: नगर थाना क्षेत्र के लॉन्च घाट वैसी स्थान के पास के रहने वाली पूजा कुमारी उम्र 28 वर्ष पति उद्रेश राय झुलस जाने से मूर्छित हो गई। वही पूजा कुमारी ने बताया की अपने घर में ठेकुआ छान रही थी अचानक चक्कर आ जाने से गिर जाने से तेल की कड़ाई मे चेहरा मे तेल आ गया जिससे मैं गंभीर रूप से घायल हो गई। वही परिजनों ने आनन फानन में साहिबगंज सदर अस्पताल लाया जहां डॉक्टर के देख रेख मे इलाज किया जा रहा है।

हर घर नल जल योजना अधुरा ग्रामीणों में पेयजल के लिए हाहाकार

बरहरवा: प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत कोटालपोखर बड़ा सोनाकर पंचायत के दूधिजोल ग्राम वार्ड नंबर 26 में सरकार द्वारा संचालित हर घर नल जल योजना 3 से 4 महीना पहले किया गया था, लेकीन जैसे तैसे टंकी को खड़ा कर दिया गया। लाभ और जनसमस्या एवं विशेष कर गरीब लोगों के हित में किया जाना है, परंतु ठेकेदार के द्वारा यह योजना जैसे- तैसे करके टंकी को खड़ा कर दिया गया है और उनका सप्लाई घर-घर तक करना था, परंतु ठेकेदार के द्वारा ऐसा कोई भी कार्य नहीं कराया गया, जिसके कारण गांव के लोग बहुत ही परेशानी हाल में है। क्योंकि पानी की इतनी किल्लत है कि ग्रामीण पानी के लिए बहुत ही परेशान है। पदाधिकारी इसे गंभीरता से संज्ञान में लेकर कानूनी कार्रवाई करें ताकि गांव के लोगों को इसका लाभ मिल सके।

कोटालपोखर में वाहनों के जाम से लोग परेशान

साहेबगंज : जिला अंतर्गत कोटालपोखर थाना क्षेत्र स्थित मुख्य सड़क में इन दिनों जाम की समस्या से ग्रामीणों को कई बड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कोटालपोखर में अवैध वाहनों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इन वाहनों के कारण कोटालपोखर की सड़कें जाम हो रही हैं, जिससे आम जनता को काफी परेशानी हो रही है। विशेषकर स्कूल जाने वाले बच्चों को जाम में फंसकर काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। अवैध वाहनों के कारण स्कूलों के आसपास जाम लगने से बच्चे समय से स्कूल नहीं पहुंच पा रहे हैं। इससे उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है। स्थानीय लोगों को भी इस जाम से काफी परेशानी हो रही है। उन्हें अपने काम पर जाने में देरी हो रही है और कई बार तो अहम काम भी छूट जाते हैं। बताते चले की कोटालपोखर थाना क्षेत्र मे इन दिनों अवैध वाहनों एवं पत्थर माफियाओं का बोलबाला चल रहा है यातायात नियमों को ताक पर रखकर बिना माइनिंग चलान वाले वाहनों को कोटालपोखर मुख्य सड़क के जरिये बंगाल भेजने का कार्य जोरो पर है यह अवैध धंधा बड़े ही आराम से फल फूल रहा है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है की चेकनाको के होते हुए भी अवैध वाहनों को आखिर किसके संरक्षण मे चलाया जा रहा है, आखिर वो कौन लोग है जो इस अवैध धंधे को प्रशासन के नाक के नीचे संचालित कर रहे हैं। प्रशासन को इस समस्या पर तुरंत ध्यान देना चाहिए और अवैध वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

देश के अंतिम व्यक्ति को लाभ देना भाजपा का लक्ष्य : सांसद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : जुगसलाई विधानसभा स्तरीय परिवर्तन सभा का आयोजन भाजपा के द्वारा पटमदा के ब्लॉक मैदान में किया गया। सभा को संबोधित करते हुए जमशेदपुर सांसद विद्युत वरण महतो ने कहा कि मंईयां सम्मान योजना धकोशला हैं। प्रधानमंत्री ने एक आदिवासी महिला को सम्मान देकर राष्ट्रपति के उच्चतम पद पर बैठाने का काम किया, झामुमो का कोग्रेश से प्रेम बढ़ा है । कांग्रेस के काल में सिर्फ। चली गोली, ब्लॉक थाना में बढ़ा भ्रष्टाचार, बच्चो का भविष्य अंधेरे में। भाजपा के लिए जनता सर्वोपरी, भाजपा का उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक विकास की रेखा खींचना हैं। आसनसोल की विधायिका अग्नि मित्रा पाल ने कहा धर्मयुद्ध झारखंड में भी दिखा रहा हैं। आदिवासी मूलवासी का अधिकार वर्तमान राज्य सरकार ने छीना। कांग्रेस ने नही दिया अलग झारखंड। झारखंड भाजपा के प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की देन। झाखंडी की जमीन का अस्तित्व अंधेरे में है। बंगाल के तर्ज पर झारखंड में भी हो रहा गरीबों का शोषण। अबुआ आवास में पच्चीस हजार का लिया जा रहा चढ़ावा। प्रधानमंत्री का नारा सबका विकास। झारखंड की जनता बदलाव का मन बना चुकी हैं। पुर्व प्रदेश अध्यक्ष दिनेशानंद गोस्वामी ने कहा एक हजार देकर हेमंत सोरेन कर रहे वादा की खाना पूर्ति एक लाख उन्नीस हजार की बकाया राशि भी खाता में भेजे। जनता वर्तमान सरकार से त्रस्त, झारखंड में पशु तस्करी बांग्लादेश तक हो रही है। बेरोजगारी भत्ता भी नही, भाजपा का विधानसभा में लहराए परचम, कोल्हान में 14 सीट पर भाजपा का होगा कब्जा, रोटी माटी बेटी की रक्षा करेगा भाजपा। पूर्व सांसद आभा महतो ने कहा कि भाजपा गांव की पार्टी हैं। कांग्रेस काल में सिर्फ गोली चलाई गई। झारखंड अटल बिहारी वाजपेई की देन हैं। गुरुजी आंदोलनकारी हेमंत नही। मईया योजना पांच साल पहले शुरू होना चाहिए था। भाजपा कार्यकर्ता परिवर्तन का संकल्प लेने आए हैं। गांव से उठेगी परिवर्तन का बिगुल। भाजपा में बीस साल गुजारा, भाजपा ही राज्य की बदलेगी दिशा और दशा, संघर्ष कभी हारता नही है। छत्तीसगढ़ की विधायक सह जमशेदपुर लोकसभा प्रवासी भावना बोहरा ने कहा झारखंड की परिवर्तन को तैयार हैं। कार्यक्रम के अंत में भाषण के दौरान भारी बारिश से कार्यकर्ता काफी परेशान हुए। कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष प्रदीप महतो ने किया। जबकि धन्यवाद ज्ञापन पार्षद सह जिला उपाध्यक्ष प्रदीप बेसरा ने दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष सुधांशु ओझा ने किया। कार्यक्रम में सांसद विद्युत वरण महतो, पुर्व प्रदेश अध्यक्ष दिनेशानंद गोस्वामी, बंगाल विधायक अग्नि मित्रा पाल, जमशेदपुर लोकसभा प्रवासी भावना बोहरा, पुर्व सांसद आभा महतो, पूर्व विधायक मेनका सरदार, सुबोध सिंह गुड्डू, मुचिराम बाउरी, परेश मुखी, बिमल बैठा, नीलू मछुआ, प्रदीप महतो, प्रदीप बेसरा, संदीप मिश्रा सहित हजारों की संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी ने बाढ़ राहत शिविर का किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान जिला के पदाधिकारी को बाढ़ प्रभावित लोगों को जल्द से जल्द राहत पहुंचाने का निर्देश दिया। जिला प्रशासन और जिला आपदा प्रबंधन ने पहले ही बाढ़ प्रभावित इलाकों से कई लोगों को बाढ़ शिविरों में पहुंचा चुका है। उपायुक्त ने शंकुतला घाट पर बाढ़ राहत शिविरों का दौरा कर प्रशासन द्वारा प्रदान की जा रही चिकित्सा सेवाओं, भोजन, स्वच्छ पेयजल, शौचालय, पशु चारा आदि का निरीक्षण किया। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिए कि लोगों को सुरक्षा प्रदान करने और बाढ़ पीड़ितों को पूरी सहायता प्रदान करने के लिए आवश्यक उपाय करें। मौके पर मौजूद पदाधिकारी को निर्देशित किया कि राहत शिविर में लोगों को समय से नाश्ता एवं खाना दिया जाए। इसमें किसी भी प्रकार की कोताही न होने पाए। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में नजर बनाये रखने हेतु भी उन्होंने पदाधिकारियों को निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान बाढ़ राहत शिविर को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

उधवा प्रखंड में बाढ़ राहत कार्य जारी, जिला प्रशासन ने राहत सामग्री का किया वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहेबगंज : जिले के उधवा प्रखंड में बाढ़ की स्थिति गंभीर होती जा रही है, जहां गंगा नदी का जलस्तर 28.41 मीटर तक पहुँच गया है, जो खतरे के निशान से ऊपर है। बाढ़ के कारण कई गाँव प्रभावित हुए हैं, और इन क्षेत्रों में जिला प्रशासन द्वारा युद्धस्तर पर राहत कार्य चलाए जा रहे हैं। प्रशासन की सक्रियता और राहत कार्य बाढ़ राहत कार्यों की अगुवाई प्रखंड विकास पदाधिकारी विशाल कुमार पाण्डेय द्वारा की जा रही है, जो विपरीत मौसम और लगातार हो रही बारिश के बावजूद राहत कार्यों में जुटे हुए हैं। जिला प्रशासन की ओर से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के साथ-साथ राहत सामग्री का वितरण लगातार किया जा रहा है। प्रशासन द्वारा संचालित बाढ़ राहत शिविरों में भोजन, चिकित्सा सेवाएं, स्वच्छ पेयजल, शौचालय और पशु चारा जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। विशाल कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में उधवा प्रखंड में प्रभावित क्षेत्रों का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है, और बाढ़ पीड़ितों की सहायता सुनिश्चित की जा रही है। बारिश के बावजूद, उधवा प्रखंड में बाढ़ राहत कार्यों में कोई कमी नहीं आई है, और प्रशासन यह सुनिश्चित कर रहा है कि प्रभावित लोगों को सभी आवश्यक सहायता उपलब्ध हो।

मालगाड़ी के इंजन में खराबी आने से तालझारी रेलवे स्टेशन में कई ट्रेने रुकी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : तालझारी रेलवे स्टेशन से करणपुरा की ओर जा रही मालगाड़ी जो तालझारी स्टेशन से 08:14 मिनट में पार हुई वह मालगाड़ी अभी करणपुरा के पॉइंट ही पहुंचा था कि इंजन में तकनीकी खराबी होने के कारण इंजन बंद हो गया। जिसकी सुचना मालगाड़ी के ड्राइवर के द्वारा करणपुरा एवं तालझारी स्टेशन प्रबंधक को दिया गया। इसकी सूचना मिलते ही तालझारी साहायक प्रबंधक राहुल कुमार ने तुरंत इसकी सूचना अपने वरीय पदाधिकारी मालदा को दिया गया। सूचना मिलते ही मालदा के पदाधिकारी ने तुरंत संज्ञान में लेते हुए दूसरे इंजन की व्यवस्था कराकर साहिबगंज की ओर से इंजन को भेजा गया। वह इंजन करणपुरा पहुंचा उसके बाद करणपुरा स्टेशन प्रबंधक ने प्रकिया पूरा करते हुए इंजन को पोर्टर के द्वारा मालगाड़ी के इंजन में जोड़ते हुए लाइन को 10:00 बजे क्लियर कराया गया। उसके बाद तालझारी स्टेशन पर खड़ी आप से धुलियान पैसेंजर ट्रेन संख्या- 03091अप प्लेटफार्म नंबर 1 पर 08:29 मिनट से खड़ी हुई और खुलने में विलम्ब होने से यात्री बहुत ही परेशानी का सामना करना पड़ा, लगभग दो घंटे तक रुकी रही उसके बाद 10:19 मिनट में धूलियांन पैसेंजर को चलाया गया। वहीं मैंन-लाइन में लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस ट्रेन संख्या- 15648 अप 09:35 मिनट में आकर रूकी वह भी लगभग एक घंटा तक रूकी रही। उसके बाद उसे लाइन क्लियर मिलने के बाद 10:03 मिनट में चलाया गया इसकी सूचना तालझारी स्टेशन साहायक प्रबंधक राहुल कुमार ने दिया।

गाड़ी में बीना नंबर और कागजात प्रस्तुत नही करने पर एक गया जेल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़: तिरूलडीह थाना क्षेत्र के चौड़ा तिरूलडीह सड़क पर नूतनडीह में नाहित अंसारी के कपड़ा दुकान के पास ऐन्टी क्राइम चेकिंग के दौरान एक बीना नंबर व कागजात का बाइक सवार को तिरूलडीह पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में सरायकेला जेल भेज दिया। थाना प्रभारी आलम चांद महतो ने बताया कि ऐन्टी क्राइम चेकिंग के दौरान एक सफेद रंग का बीना नंबर प्लेट लगे स्पलेंडर मोटर साईकिल चालक पुलिस को देखकर बाइक छोड़कर भाग रहा था। चेकिंग में लगे पुलिस टीम के साथ दौड़ाकर उसे पकड़ लिया गया। उन्होंने कहा कि कागजात मांगने पर बाइक का कागजात प्रस्तुत नही कर पाया एवं बाइक के संबंध में किसी भी तरह का जानकारी नही दे पाया। थाना प्रभारी ने बताया कि पुछताछ में वह अपना नाम पश्चिम बंगाल के पुरूलिया जिला के बाघमुंडी थाना क्षेत्र के हुडुमदा निवासी हासिम मोमिन उर्फ नेड़ा बताया। उन्होंने कहा कि बाइक को जप्त करते हुए मामला दर्ज किया गया एवं गिरफ्तार हासिम मोमिन उर्फ नेड़ा को बुधवार चांडिल न्यायालय में उपस्थापन के पश्चात सरायकेला न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। चेकिंग अभियान में थाना प्रभारी आलम चांद महतो,आरक्षी अवध कुमार सिंह, करधनी सिंह तथा चालक रविन्द्र सिंह शामिल थे।

मौसम खराब होने के कारण मुख्यमंत्री ने विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कार्यक्रम को किया संबोधित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला के बरहेट प्रखंड अंतर्गत वीर शहीद सिदो कान्हु के जन्मस्थली भोगनाडी में बुधवार को आयोजित आपकी योजना विडियो कॉन्फ्रेंसिंग से लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि मैं भोगनाडीह आना चाहता था, लेकिन मुझे बारिश ने रोक दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हमारी सरकार सर्वजन पेंशन के तहत सभी को पेंशन देने का काम कर रही है 18 वर्ष से ऊपर के महिलाओं को मुख्यमंत्री मंईया सम्मान योजना से प्रत्येक महिला को 1000 रुपये उनके बैंक खाते में जा रहा है। हमने लोगो को 200 यूनिट बिजली फ्री दिया, बकाया बिजली बिल माफ किया। सरकार युवाओं को रोजगार के लिये लोन दिया, डबल इंजन की सरकार को हटाकर 2019 में हम लोग ने झारखंडियों की सरकार बनाई। सरकार बनाने के बाद ही कोरोना जैसे महामारी आ गया सब कुछ ठप हो गया महामारी ऐसी की हमारे लिए अभिशाप बना गया लेकिन फिर भी हमने आगे बढ़ने का काम किया और 20 लाख अतिरिक्त राशन कार्ड बनाया गया है। अबुआ आवास योजना के तहत जरूरतमंदों को आवास दिया जा रहा है,एक भी गरीब को हमारी सरकार ने भूख से मरने नहीं दिया घर-घर तक हम लोग योजना पहुंच रहे है। अब लोगों को ब्लॉक का चक्कर नहीं लगाना पड़ता है पेंशन के लिए अपने गांव में ही कैंप में आवेदन दिए और उनके पेंशन स्वीकृत किया गया। हमारे विपक्ष ने बड़े ही संयोजित तरीके से झूठा आरोप लगाकर मुझे फसाया और जेल में डाल दिया लेकिन आप लोगों के आशीर्वाद से मै जेल से बाहर आ गया और सरकार आपके द्वार के माध्यम से हम गांव-गांव पहुंचने का काम कर रहे हैं। आज लाखो करोड़ों लोगों का हक उसका दरवाजे तक हम लोग पहुंच रहे हैं मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना गरीब युवाओं को रोजगार के लिए सरकार की ओर से कई हजार नियुक्तियां निकली है और आगे भी निकलती रहेगी। आदर्श आचार संहिता लगने के बाद हमें काम करने में भी पाबंदी होगी मुख्यमंत्री ने महिलाओं से पूछा मंईया सम्मान योजना का लाभ मिल रहा है या नहीं महिलाओं ने तखक्तियां व हाथ उठाकर कहा जी हां मिल रहा है। सीएम ने कहा कि मै भोगनाडीह आना ही चाह रहा था लेकिन मुझे मौसम ने हमें रोक दिया। हमनें सरकार आपके द्वार कार्यक्रम की शुरूआत उलीहातु से किया गया और समापन भोगनाडीह मे किया गया है आपका आशीर्वाद हमारी ताकत है बड़े-बड़े पूंजी पतियों को व्यापारियों को लड़ने की ताकत आपकी बदौलत ही मुझे मिलती है हमारे कार्यों को अंकुश लगाने के लिए बड़े-बड़े नेता को लगा दिया है असम में बसे लोगों को यहां लगा दिया गया है। असम में आदिवासियों को भूखा मजबूर करने के लिए रखा और वहां से भगा दिया इन बड़े-बड़े व्यापारियों को झारखंड में खड़ा होने नहीं देना है यहां से आदिवासी और मूलवासी सबको मिलकर झारखंड को आगे बढ़ाना है। यह लोग बांग्लादेशी घुसपैठी की बात करते हैं हमारे यहां कोई डेमोक्रेसी चेंज नहीं हुआ हम लोग सभी आपसी भाईचारा के साथ रहते हैं इन लोगों को गांव में घुसने नहीं देना है यह लोग पैसा और दारू लेकर गांव में आएंगे इन्हें पड़कर पुलिस के हवाले करना है। यह आरएसएस के लोग चूहा की तरह हमारे अंदर घुसकर तोड़ने का काम करते हैं जब हमारे एक नेता हमारे पार्टी में तो 1932 की मांग करते थे स्थानीयता की बात करते थे जब उनका भगवा रंग हो गया तो उनका भाषा ही बदल गया।

संक्षिप्त खबरें

जुगसलाई की जनता परिवर्तन का बना चुकी है मन : बिमल बैठा

पटमदा: पटमदा प्रखंड में भाजपा की आयोजित जुगसलाई विधानसभा स्तरीय परिवर्तन यात्रा के कार्यक्रम स्थल में भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष बिमल बैठा अपने हजारों समर्थकों के साथ जुलूस के सकल में कार्यक्रम स्थल गाजा बाजा और जोरदार नारेबाजी के साथ शामिल हुए। उन्होंने कहा की जुगसलाई की जनता परिवर्तन का मन बना चुकी है।

पानी निकासी को लेकर दो पक्षों में हुई जमकर मारपीट

साहिबगंज: मुफस्सिल थाना क्षेत्र की छोटी कोदरजन्ना निवासी मो. शरीफ खान के 45 वर्षीय पुत्र नियाज अहमद खान एवं स्वर्गीय लाजीव खान के 51 वर्षीय पुत्र मो. मुसाहिद आलम को वहीं के रहने वाले दस्तगीर आलम पत्नी समीमा खातून, दिलशाद आलम, तौफिक आलम ने मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। वही मो. मुसाहिद ने बताया की मै अपने दुकान मे था मेरी पत्नी ने दस्तगीर से कहने लगी पानी का निकासी क्यूं बंद कर दिया, जबकि ये पानी मेरे जमीन से सालों साल से जा रही है इतना कहना था की दस्तगीर उसकी पत्नी समीमा खातून, दिलशाद तौफिक ने मेरी पत्नी के साथ लाठी डंडा और तलवार से मारपीट करना शुरू कर दिया। जब मुझे पता चला घर जाने के बाद मुझे भी मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। वही किसी तरह जान बचाकर मुफस्सिल थाना पहुंचे जहां थाना प्रभारी ने इलाज के लिए साहिबगंज सदर अस्पताल भेज दिया, जहां डॉक्टरों की देख रेख मे इलाज किया जा रहा है। वही मुफस्सिल थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

गंगा नदी में स्नान करने गई नाबालिग बच्ची हुई गुम

साहिबगंज: नगर थाना क्षेत्र के घाट रोड स्थित सेंट जेवियर स्कूल के सामने की गली में गंगा घाट में नहाने गई वायसी स्थान के निकट निवासी ओम प्रकाश यादव की नाबालिक पुत्री अनुष्का कुमारी उर्फ सोनी गंगा में डूब गई। सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस अपने दल बल के साथ मौके पर पहुंचकर स्थानीय गोताखोरों की मदद से नाबालिक की खोजबीन में लग गई। ग्राम वासियों ने बताया कि अनुष्का के पिता ओम प्रकाश यादव जैप नौ के सिपाही गिरिडीह कंपनी में कार्यरत हैं। अनुष्का अपनी मां के साथ जितियां पर्व को लेकर गंगा स्नान करने गई थी। नहाने के दौरान अनुष्का का पैर फिसल गया और गहरे पानी में चली गई। चीख पुकार के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ जुड़ गई और इसकी सूचना नगर थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता को दिया गया। नगर थाना प्रभारी अपने दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जानकारी लेते हुए स्थानिया गोटाखोरों की मदद से अनुष्का की खोजबिन शुरू करवाया। खबर लिखे जाने तक स्थानीय गोताखोर खोजबीन कर रहे थे।

राजमहल विधायक अनंत ओझा ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का किया दौरा

साहेबगंज : राजमहल विधायक अनन्त ओझा ने बुधवार को साहेबगंज और राजमहल प्रखंड के बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने गोपाल पुर दियारा, पिलर टोला, धिसू टोला, मकई टोला और बालू टोला, गदाई दियारा सहित कई दियारा में जाकर बाढ़ से पीड़ित लोगों से मिले और उनके दर्द हो समझा। राजमहल विधायक अनन्त ओझा ने निजी रूप से बाढ़ पीडतों के बीच राहत सामग्री का भी वितरण किया। राजमहल विधायक सोमवार को भी बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में दौरा किया था,लगातार मौसम खराब हो जाने से बाढ़ से प्रभावित क्षेत्र में लोगो की दोगुनी समस्या हो गयी हैं जिसके कारण लोगो का जीवन अस्त व्यस्त हो गया हैं। राजमहल विधायक अनंत ओझा ने नाव से बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में जाकर हर गांव में लोगो से मिले। उनकी बीच राहत सामग्री का वितरण किया। लोगो ने बताया कि अभी तक सरकार और प्रशासन की ओर से कोई राहत सामग्री का वितरण नहीं हुआ हैं प्रशासन की ओर से कोई भी मदद अभी तक नहीं मिल पाया है मवेशियों के लिए चारा भी नहीं मिल पा रहा हैं। राजमहल विधायक अनंत ओझा ने कहा कि हमारे तरफ से बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में राहत सामग्री का वितरण किया जा रहा हैं फिर भी वो पर्याप्त नहीं हैं राज्य सरकार बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में राहत सामग्री और मवेशियों के लिए चारा उपलब्ध कराए जो कि अब तक नहीं हो सका हैं। राजमहल विधायक अनन्त ओझा ने राज्य सरकार पर आरोप लगाया कि राज्य में एकमात्र जिला साहेबगंज है वो जिस में सिर्फ तीन प्रखंड हैं जो हर साल बाढ़ से प्रभावित होता हैं फिर सरकार भी राज्य सरकार बाढ़ के लिए कोई व्यवस्था नहीं कि हैं साहिबगंज, राजमहल और उधवा प्रखंड अभी बाढ़ से प्रभावित है लोगो का घर डूब गया हैं मवेशियों के चारा खेत मे लगा हुआ डूब गया हैं हेमन्त सोरेन सरकार अभी तक कोई सुध नहीं ले रही हैं अब तक लोगो को बाढ़ राहत सामग्री नहीं मिला हैं पशुओं के लिए चारा उपलब्ध नही हो पा रही हैं, आवागमन का रास्त बंद हैं, उसकी व्यवस्था नहीं हो रही हैं, चिकित्सा की व्यवस्था बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में नहीं हुआ हैं ।राजमहल विधायक अनन्त ओझा ने कहा कि हेमन्त सोरेन सरकार अब तक कोई भी बाढ़ राहत सामग्री की व्यवस्था नहीं कि हैं आंशिक रूप से जिला प्रशासन द्वारा राहत सामग्री का वितरण किया गया हैं जो कि पर्याप्त नहीं हैं। विधायक ने हेमन्त सोरेन सरकार और जिला प्रशासन से मांग किया कि जल्द बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में सर्वेक्षण करवाकर लोगो तक बाढ़ राहत सामग्री की व्यवस्था की जाए। पशुओं के लिए चारा उपलब्ध कराया जाए। जिस से लोगो बाढ़ से तत्काल राहत मिले।

भारतीय शेयर बाजार में एआई बॉट्स से ट्रेडिंग कर विदेशी निवेशकों ने कमाए 59000 करोड़

घरेलू निवेशकों को 61000 करोड़ का नुकसान

मुंबई ।

भारत के घरेलू शेयर बाजार में एआई बॉट्स का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। हाल ही में सेबी द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2024 में वायदा बाजार (फ्यूचर एंड ऑप्शंस) में एल्गोरिदम ट्रेडिंग की मदद से विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) और प्रोप्राइटरी ट्रेडर्स ने 59,000 करोड़ रुपये की कमाई की है। इसके विपरीत, घरेलू निवेशक, जो नई तकनीकी से अनजान हैं। उन्हें 61,000 करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा है। सेबी की रिपोर्ट के अनुसार, प्रोप्राइटरी ट्रेडर्स ने 32,000 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया। एफआईआई ने 26,840 करोड़ रुपये की कमाई भारतीय शेयर बाजार से की है। एल्गोरिदम ट्रेडिंग एक कंप्यूटर प्रोग्रामिंग प्रक्रिया है।

जिसमें मशीन लर्निंग और फाइनेंशियल मार्केट के डेटा का उपयोग कर जानकारी उपलब्ध कराती हैइसमें इंसानी भावनाओं और ज्ञान का कोई महत्व नहीं होता है। नवीन तकनीकी में ट्रेडिंग उपलब्ध डाटा के आधार पर ऑटोमैटिक होती है। इसके विपरीत, आम निवेशक अभी भी अपनी समझ के अनुसार ट्रेडिंग करते हैं। उन्हें पिछले डेटा से संबंधित कोई जानकारी नहीं होती है। गलतियों की संभावना अधिक होती है। रिपोर्ट में एफआईआई के 97त्न और प्रॉप ट्रेडर्स के 96त्न मुनाफे का कारण एल्गोरिदम ट्रेडिंग के कारण हुआ है। विशेषज्ञों के अनुसार बड़े संस्थान आमतौर पर 1-2त्न रिटर्न के लिए वायदा ट्रेडिंग करते हैं। उनके ऑर्डर करोड़ों के होते हैं। जिससे 1त्न रिटर्न भी लाखों रुपए के मुनाफे में बदल जाता है। वह लालच में नहीं पड़ते हैं। इसके चलते वह सही समय पर मुनाफा कमा कर बाहर निकल जाते है। वह जोखिम नही उठाते हैं। वायदा कारोबार में पिछले पांच वर्षों में 40 गुना की वृद्धि हुई है। फरवरी में एफएंडओ का टर्नओवर 502 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। जो देश की पूरी अर्थव्यवस्था से अधिक है।

एलएंडटी को 15,000 करोड़ तक के ऑर्डर मिले

नई दिल्ली ।

इंजीनियरिंग क्षेत्र के समूह लार्सन एंड टुब्रो (एलऐंडटी) ने कहा कि उसे पश्चिम एशिया में बिजली पारेषण और वितरण कारोबार के लिए 10,000 से 15,000 करोड़ रुपये तक के नए ऑर्डर हो सिल हुए हैं। एक विज्ञप्ति में कंपनी ने कहा कि उसके पावर ट्रांसमिशन ऐंड डिस्ट्रीब्यूशन (पीटीऐंडडी) कारोबार को पश्चिम एशिया में उच्च वोल्टेज स्तर पर बिजली ग्रिडों के विस्तार और मजबूत बनाने के लिए ये ऑर्डर मिले हैं। ये ऑर्डर सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात में हासिल किए गए हैं, जो इन इंटरकनेक्शन से जुड़े 500 केवी एचवीडीसी ट्रांसमिशन लिंक, सऊदी अरब में दो 380 केवी ओवर-हेड ट्रांसमिशन लाइन और एक बल्क सप्लाई 380 केवी गैस इंसुलेटेड सबस्टेशन तथा यूएई में दो प्रमुख 400 केवी गैस इंसुलेटेड सबस्टेशन से जुड़े हैं। जून तक एलऐंडटी के पास 4.90 लाख करोड़ रुपये की बकाया ऑर्डरबुक थी। इसमें से 35 प्रतिशत ऑर्डर पश्चिम एशिया से थे। एलऐंडटी के अधिकारियों ने पहले बताया था कि पश्चिम एशिया में उसकी गतिविधियों के महत्वपूर्ण भाग में सऊदी अरब के ऑर्डर शामिल हैं। महीने की शुरुआत में एलऐंडटी ने कहा था कि उसने अपने इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स श्रेणी के भीतर अपने पावर ट्रांसमिशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन (टीऐंडडी) कारोबार से रिन्यूएबल्स ईपीसी के लिए एक अलग कारोबारी क्षेत्र बनाया है। एलऐंडटी के एक वरिष्ठ अधिकारी

ने कहा कि पारेषण प्रणालियों का सुदृढ़ीकरण और आधुनिकीकरण सुरक्षित, मजबूत ग्रिड स्थापित करने में सबसे महत्वपूर्ण कदम होता है, जो उभरते ऊर्जा बाजार में परिवर्तनीय अक्षय उत्पादन को संभालने में सक्षम होता है।

जीएसटी अधिकारियों ने करीब 10,700 फर्जी कंपनियों का पता लगाया

फर्जी कंपनियों ने 10,179 करोड़ रुपये कर चोरी की

नई दिल्ली । फर्जी पंजीकरण के खिलाफ जीएसटी अधिकारियों की ओर से देशभर में चलाए जा रहे अभियान में करीब 10,700 फर्जी कंपनियों का पता लगाया है, जिन्होंने 10,179 करोड़ रुपये की कर चोरी की है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के सदस्य शशांक प्रिय ने मंगलवार को कहा, फर्जी पंजीकरण के खिलाफ 16 अगस्त से शुरू हुआ दूसरा अखिल भारतीय अभियान 15 अक्तूबर तक चलेगा। इस अभियान में कर अधिकारियों ने 67,970 जीएसटीआईएन (माल एवं सेवा कर पहचान संख्या) की पहचान की है।

इनमें से 59 फीसदी या 39,965 जीएसटीआईएन का सत्यापन 22 सितंबर तक हो चुका है।सीबीआईसी सदस्य ने कहा, इनमें 27 फीसदी ऐसी कंपनियां पाई गई हैं, जो अस्तित्व में ही नहीं हैं। फीसदी के लिहाज से यह संख्या पिछले अभियान की तुलना में करीब समान है। उन्होंने बताया, फर्जी पंजीकरण के खिलाफ पहला अभियान 16 मई से 15 जुलाई, 2023 के बीच चलाया गया था। इसमें जीएसटी पंजीकरण वाली कुल 21,791 ऐसी कंपनियां पाई गई थीं, जो अस्तित्व में नहीं थीं। इस अभियान में 24,010 करोड़ रुपये की संदिग्ध कर चोरी पकड़ी गई थी।एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचैम) के कार्यक्रम में शशांक प्रिय ने कहा, दूसरे अभियान में 2,994 करोड़ रुपये की इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) को रोका गया है। साथ ही, 28 करोड़ रुपये की वसूली भी की गई है। उन्होंने कहा, जीएसटी व्यवस्था में बेमेल आंकड़ों की समस्या है। इस कारण 2023-24 में कर अधिकारियों ने 1,12,852 कारण बताओ नोटिस जारी किए थे।

जीडीपी आंकड़े जारी करने में होने वाली देरी कम की जानी चाहिए: अर्थशास्त्री

नई दिल्ली । अर्थशास्त्रियों ने सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) जैसे वृहद आर्थिक आंकड़ों को जारी करने में लगने वाले समय को कम करने का सुझाव दिया है, क्योंकि यह निवेश, कारोबार तथा नीतिगत निर्णयों के लिए महत्वपूर्ण कारक है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अधिकारियों ने मुंबई में जीडीपी तथा उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के पूर्वानुमानकर्ताओं और अर्थशास्त्रियों के साथ बैठक की। इसमें प्रमुख समष्टि आर्थिक आंकड़ों को और अधिक मजबूत बनाने के लिए उनके सुझाव मांगे। ईएसी-पीएम के सदस्य और कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के एक अे धिकारी ने सुझाव दिया कि सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय को आंकड़ों की सटीकता सुनिश्चित करने तथा आंकड़ों को जारी करने में लगने वाले समय में कमी लाने के लिए सुधार के रास्ते तलाशने चाहिए। इसी तरह की ही राय व्यक्त करते हुए आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव अजय सेठ ने बेहतर स्पष्टता, निवेश, कारोबार और नीतिगत निर्णयों के लिए समय पर और सुसंगत आंकड़े उपलब्ध कराने का सुझाव दिया। उन्होंने बेहतर आंकड़ा प्रबंधन के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों के इस्तेमाल पर जोर दिया। मंत्रालय ने कहा कि जीडीपी आंकड़े जारी करने में होने वाले विलंब को कम किया जा सकता है। इन सूचकांकों के जारी होने के समय में बदलाव किया जा सकता है, ताकि उपयोगकर्ताओं को उसी दिन विश्लेषण के लिए पर्याप्त समय मिल सके। इस खुली चर्चा में पूर्वानुमानकर्ताओं और अर्थशास्त्रियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

एयरटेल ने स्पैम पर कसी नकेल,

स्पैम का पता लगाने के लिए लॉन्च किया भारत का पहला एआई-संचालित नेटवर्क समाधान

एआई संचालित समाधान वास्तविक समय के आधार पर दस खरब रिकॉर्ड को संसाधित करता है, हर दिन 10 करोड स्पैम कॉल और 30 लाख एसएमएस की करता है पहचान

नई दिल्ली ।

देश में स्पैम की समस्या पर अंकुश लगाने के लिए एक अग्रणी कदम उठाते हुए, भारती एयरटेल ('एयरटेल') ने भारत का पहला नेटवर्क-आधारित, एआई-संचालित स्पैम डिटेक्शन समाधान लॉन्च किया, जो इसके ग्राहकों के लिए स्पैम कॉल और संदेशों की समस्या का काफी हद तक समाधान कर देगा। देश में किसी दूरसंचार सेवा प्रदाता द्वारा अपनी तरह का यह पहला समाधान, ग्राहकों को सभी संदिग्ध स्पैम कॉल और एसएमएस के बारे में वास्तविक समय में सचेत कर देगा। यह समाधान निःशुल्क है और सभी एयरटेल ग्राहकों के लिए बिना किसी अनुरोध या ऐप डाउनलोड किए स्वयं सक्रिय हो जाएगा।

गोपाल विट्टल, प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, भारती एयरटेल ने कहा, 'स्पैम ग्राहकों के लिए एक खतरा बन गया है। हमने इस समस्या को हल करने के लिए पिछले बारह महीनों में काफी काम किया हैं। आज उठाया जा रहा है यह कदम एक मील का पत्थर साबित होगा क्योंकि हम देश का पहला एआई-संचालित स्पैम मुक्त नेटवर्क लॉन्च कर रहे हैं जो हमारे ग्राहकों को घुसपैठ और अवांछित संचार के निरंतर हमले से बचाएगा।'

उन्होंने आगे कहा, दोहरी परत वाली सुरक्षा के रूप में डिज़ाइन किए गए इस समाधान में दो स्तरीय फ़िल्टर हैं - पहला नेटवर्क स्तर पर और दूसरा आईटी सिस्टम स्तर पर। हर कॉल और एसएमएस इस दोहरी परत वाली एआई शील्ड से होकर गुज़रता है। दो मिलीसेकंड में हमारा समाधान हर दिन 150 करोड मैसेज और 250 करोड कॉल प्रोसेस करता है। यह एआई की शक्ति का उपयोग करके वास्तविक समय के आधार पर 10 खरब रिकॉर्ड को प्रोसेस करने के बराबर है। हमारा समाधान हर दिन आने वाले 10 करोड संभावित स्पैम कॉल और 30 लाख स्पैम एसएमएस की सफलतापूर्वक पहचान करने में सक्षम है। हमारे लिए, अपने ग्राहकों को सुरक्षित रखना एक सर्वोच्च प्राथमिकता है।

एयरटेल के डेटा वैज्ञानिकों द्वारा इन-हाउस विकसित, एआई-संचालित समाधान कॉल और एसएमएस को संदिग्ध स्पैम के रूप में पहचानने और वर्गीकृत करने के लिए एक मालिकाना एल्गोरिदम का उपयोग करता है। अत्याधुनिक एआई एल्गोरिदम द्वारा संचालित नेटवर्क वास्तविक समय के आधार पर कॉल करने वाले या भेजने वाले के उपयोग पैटर्न, कॉल/एसएमएस आवृत्ति, कॉल अवधि जैसे कई अन्य मापदंडों का विश्लेषण करता है। ज्ञात स्पैम पैटर्न के विरुद्ध इस जानकारी को क्रॉस-रेफ़रेंस करके, सिस्टम संदिग्ध स्पैम कॉल और एसएमएस को सटीक रूप से चिह्नित करता है। इसके अतिरिक्त, यह समाधान ग्राहकों को एसएमएस के माध्यम से प्राप्त दुर्भावनापूर्ण लिंक के बारे में भी सचेत करता है। इसके लिए, एयरटेल ने ब्लैकलिस्ट किए गए यूआरएल का एक केंद्रीकृत डेटाबेस बनाया है और हर एसएमएस को वास्तविक समय में अत्याधुनिक एआई एल्गोरिदम द्वारा स्कैन किया जाता है ताकि उपयोगकर्ताओं को संदिग्ध लिंक पर गलती से क्लिक करने से सावधान किया जा सके।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया दो पैसे की बढ़त के साथ ही 83.61 रुपये पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों में डॉलर के कमजोर रुख के बीच शुरुआती कारोबार में रुपया 10 पैसे मजबूत होकर 83.53 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.59 प्रति डॉलर पर खुला और फिर 83.54 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 10 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.63 पर बंद हुआ था। इसी बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.21 फीसदी गिरावट के साथ 100.25 पर रहा।

हितधारकों की शिकायतों के समाधान के लिए एक विशेष दल गठित

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने एमसीए21 मंच से संबंधित हितधारकों की शिकायतों के समाधान के लिए एक विशेष दल का गठन किया है। एमसीए21 मंच कंपनियों और सीमित देयता भागीदारी कानूनों के तहत विभिन्न फाइलिंग प्रस्तुत करने का एक प्रमुख मंच है। मंच का उपयोग करने में हितधारकों को कुछ समस्याएं आती हैं। कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने मंच के संबंध में कहा कि उसके पास ईमेल, हेल्पडेस्क प्रणाली, टिकटिंग टूल, चैटबॉट और सोशल मीडिया मंच के जरिये हितधारकों द्वारा उठाई गई चिंताओं के लिए नियमित समीक्षा प्रणाली है। पत्रकारों से चर्चा के दौरान कहा गया कि तात्कालिक प्रकृति के मुद्दों के समाधान के लिए एक और कदम उठाते हुए विशेष दल का गठन किया गया है, जो शिकायतों के कुशल निपटान पर गौर करेगी। यदि आवश्यक हुआ तो प्रणालीगत समाधान सुझाएगी तथा हितधारकों को एमसीए21 मंच पर उनके अनुपालन के लिए बेहतर मार्गदर्शन प्रदान करेगी। कानून के तहत, कंपनियों और एलएलपी को आने वाले महीनों में मंत्रालय को 2023-24 की वार्षिक फाइलिंग प्रस्तुत करनी होगी। देश में 17 लाख से अधिक सक्रिय कंपनियां हैं। मंच, कंपनी अधिनियम और सीमित देयता भागीदारी (एलएलपी) अधिनियम के तहत विभिन्न दस्तावेजों की इलेक्ट्रॉनिक फाइलिंग की अनुमति देता है। इन दोनों कानूनों को मंत्रालय द्वारा लागू किया जाता है।

केंद्रीय मंत्री ने की घोषणा, यूपी में जल्द लगेगा सेमीकंडक्टर प्लांट

नई दिल्ली । केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने घोषणा की है कि उत्तर प्रदेश में जल्द ही सेमीकंडक्टर मैन्यूफैक्चरिंग फैक्ट्री स्थो पित की जाएगी। राज्य ने इसके लिए पूरी तैयारी कर ली है। यह जानकारी उन्होंने इंडो-अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईएसीसी) के शिखर सम्मेलन में दी। केंद्रीय मंत्री प्रसाद ने कहा कि उत्तर प्रदेश भारत के शीर्ष राज्यों में से एक होगा, जो सेमीकंडक्टर उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और इसे भारत का ग्रोथ इंजन माना जाएगा। मंत्री ने उल्लेख किया कि उत्तर प्रदेश में सेमीकंडक्टर संयंत्र पर जल्द काम शुरू किया जाएगा और यह राज्य उन गिन-चुने स्थानों में शामिल होगा, जहां सेमीकंडक्टर की फैक्ट्रियां स्थापित होंगी। भारत और अमेरिका ने हाल ही में सेमीकंडक्टर फैक्ट्री स्थापित करने पर सहमति व्यक्त की है, जिससे भारत में इस उद्योग का विकास होगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के साथ चिप निर्माण के लिए एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं, जो टेक्नोलॉजी के विकास और उसके उपयोग पर जोर देता है। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर भारत को डिजिटल इंडिया बनाने के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए काफी अहम है। सरकार की योजना है कि टेक्नोलॉजी का फायदा दूर-दराज के गांवों तक पहुंचे, जिससे डिजिटल डिवाइड कम हो सके। सेमीकंडक्टर विकास के लिए सहयोग और साझेदारी महत्वपूर्ण है और भारत-अमेरिका संबंध का दूरगामी प्रभाव दिखाई देगा।

शेयर बाजार रिकार्ड तेजी के साथ बंद , सेंसेक्स 85,170 के शीर्ष स्तर पर पहुंचा

निफ्टी 25,939 पर पहुंचा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को ऐतिहासिक तेजी पर बंद हुआ। दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी होने से बाजार में ये तेजी आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 255.83 अंक करीब 0.30 फीसदी की बढ़त लेकर 85,169.87 के उच्चतम स्तर पर बंद हुआ। आज सुबह मुनाफावसूली से बाजार नीचे आया था। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 63.75 अंक तकरीबन 0.25 फीसदी ऊपर आकर 25,939.05 के शीर्ष स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी शुरुआती कारोबार में 48.7 अंक नीचे आया था।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 20 शेयर लाभ पर बंद हुए। पावर ग्रिड, एक्सिस बैंक, एनटीपीसी, बजाज फिनसर्व और बजाज फाइनैंस सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयर रहे। इसके अलावा, टाटा स्टील, एचडीएफसीस बैंक, एमएंडएम, आईटीसीसी, आईसीआईसीआई बैंक, एचसीएल टेक, नेस्ले इंडिया, रिलायंस, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारती एयरटेल, सन फार्मा, इंफोसिस, एलएंडटी, टीसीएसइ और मारुति, के शेयर भी बढ़त पर बंद हुए/ दूसरी ओर सेंसेक्स के 10 शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये। इसमें टेक महिंद्रा, टाटा मोटर्स, टाइटन, कोटक बैंक और एसबीआई जैसे शेयर रहे। जेएसडब्लयू स्टील, इंडसइंड बैंक, अदाणी पोर्ट्स, एशियन पेंट्स और एचयूएल के शेयर भी गिरे हैं। इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई।

शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 148.49 अंक नीचे आकर 84,765 पर खिसक गया। वहीं निफ्टी 50 43 अंक फिसलकर 25,897 पर कारोबार करता नजर आया। वहीं गत दिवस बाजार सपाट बंद हुआ था। वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशिया-प्रशांत बाजार बुधवार सुबह ज्यादातर स्थिर रहे परहांगकांग के हैंग सेंग इंडेक्स के फ्यूचर्स में 4 फीसदी बढ़त की संभावना है।

ट्रेडिंग शुरू होने पर एचएसआई फ्यूचर्स 19,763 पर दिखा, जबकि पिछला बंद 19,000 पर हुआ था। जापान में निक्केई 225 में हल्की गिरावट आई। वहीं टॉपिक्स 0.3 फीसदी बढ़ा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.4 फीसदी ऊपर रहा। साथ ही, स्मॉल-कैप कोस्डैक 0.43 फीसदी बढ़ा। वॉल स्ट्रीट पर मंगलवार को एसएंडपी 500 ने नया रिकॉर्ड बनाया। यह 0.25 फीसदी बढ़कर 5,732.93 पर पहुंच गया। ब्लू-चिप डाओ जोंस भी 0.2 फीसदी बढ़कर 42,208.22 के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ।

पीसी ज्वेलर्स लिमिटेड बोर्ड 30 सितंबर को स्टॉक स्प्लिट पर करेगा विचार

नई दिल्ली ।

पीसी ज्वेलर्स लिमिटेड भारत की अग्रणी और सबसे तेजी से बढ़ती ज्वेलरी रिटेल चेन में से एक, ने घोषणा की है कि कंपनी का बोर्ड 30 सितंबर को एक बैठक करेगा, जिसमें मौजूदा 10 रुपये अंकित मूल्य के इक्विटी शेयरों के उप-विभाजन / विभाजन पर विचार किया जाएगा। इस संबंध में अंतिम निर्णय बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स द्वारा लिया जाएगा, और इसके आधार पर कंपनी के मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन में आवश्यक परिवर्तन किए जाएंगे। हाल ही में, कंपनी ने घोषणा की थी कि कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड ने कंपनी द्वारा प्रस्तुत वन टाइम सेटलमेंट (ओटीएस) प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। कंपनी ने बकाया देनदारियों को निपटाने के लिए ओटीएस का विकल्प चुना था। अनुमोदित ओटीएस की शर्तों में नकद और इक्विटी घटक, बंधक संपत्तियों और प्रतिभूतियों की रिलीज़ शामिल है। इसके अलावा, कंपनी ने यह भी सूचित किया कि 6 सितंबर, 2024 को उसे आयकर विभाग से 67.54 करोड़ रुपये की धनवापसी प्राप्त हुई। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में एक उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है, जहां उसने ग्राहकों का विश्वास और सद्भावना फिर से हासिल की है। इससे उसकी टॉपलाइन और मुनाफे में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (लीड बैंक) ने भी दिल्ली के माननीय एनसीएलटी के समक्ष दायर कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) को वापस लेने के लिए आवेदन किया था। यह याचिका माननीय

एनसीएलटी, दिल्ली द्वारा 30 अप्रैल, 2024 को खारिज कर दी गई थी। कंपनी को विश्वास है कि उसकी कानूनी परेशानियां जल्द ही समाप्त हो जाएंगी और अब वह विकास और मुनाफे के मार्ग पर अग्रसर है। पूर्व में, कंपनी ने 2705 करोड़ रुपये तक की निधि जुटाने की घोषणा की थी, जिसमें 56.20 रुपये प्रति वारंट के निर्गम मूल्य पर पूरी तरह से परिवर्तनीय वारंट का वरीय निर्गम शामिल था, जो आईसीडीआर विनियमों के अनुसार है।

हुंदै मोटर को आईपीओ लाने के लिए सेबी से मिली मंजूरी

नई दिल्ली । दक्षिण कोरियाई वाहन विनिर्माता हुंदै की भारतीय शाखा हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी की मंजूरी मिल गई है। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने बुधवार को बताया कि कंपनी को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से आईपीओ लानी की मंजुरी मिल गई है। आईपीओ दस्तावेज जून में दाखिल किए गए थे। इसके अनुसार आईपीओ पूरी तरह से प्रवर्तक हुंदै मोटर कंपनी द्वारा 142,194,700 शेयर बिक्री पेशकश (ओएफएस) है। दक्षिण कोरिया मूल की कंपनी बिक्री पेशकश के जरिये अपनी कुछ हिस्सेदारी बेच रही है। हुंदै मोटर इंडिया ने भारत में 1996 में परिचालन शुरू किया और वर्तमान में विभिन्न खंडों में 13 मॉडल की बिक्री करती है। जापान की वाहन विनिर्माता मारुति सुजुकी के 2003 में सूचीबद्ध होने के बाद दो दशकों में पहली बार कोई वाहन विनिर्माता कंपनी आईपीओ ला रही है।

एडीबी ने भारत की वृद्धि दर का अनुमान सात फीसदी पर बरकरार रखा

नई दिल्ली । एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत के वृद्धि अनुमान को सात प्रतिशत पर बरकरार रखा। एडीबी ने कहा कि बेहतर कृषि उत्पादन तथा उच्च सरकारी व्यय से आने वाली तिमाहियों में अर्थव्यवस्था में तेजी आने की उम्मीद है। सितंबर के अपने एशियाई विकास परिदृश्य (एडीओ) में एडीबी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 में निर्यात पहले के अनुमान से अधिक रहेगा, जिसका श्रेय सेवाओं के निर्यात में वृद्धि को जाता है। हालांकि, अगले वित्त वर्ष 2025-26 में वस्तु निर्यात वृद्धि अपेक्षाकृत धीमी रहेगी। एडीबी ने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में जीडीपी वृद्धि सात प्रतिशत और वित्त वर्ष 2025-26 में 7.2 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। दोनों ही एडीओ अप्रैल 2024 के पूर्वानुमान के बराबर हैं। साथ ही भारत की वृद्धि संभावनाएं मजबूत बनी हुई हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में 8.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष में 7.2 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया है। इसमें कहा गया कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही अप्रैल-जून में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि धीमी होकर 6.7 प्रतिशत हो गई, लेकिन कृषि में सुधार तथा उद्योग व सेवाओं के लिए काफी हद तक मजबूत परिदृश्य से आने वाली तिमाहियों में इसमें तेजी आने की उम्मीद है। निजी उपभोग में सुधार होने की उम्मीद है। इसकी प्रमुख वजह मजबूत कृषि से प्रेरित ग्रामीण मांग तथा पहले से ही मजबूत शहरी मांग रहेगी।

वज्रपात से होटल-दुकान में लगी आग, 15 लाख का नुकसान

18 गैस सिलेंडर निकाल लोगों ने बड़े हादसे को टाला, आग बुझाने में लगे तीन घंटे

पूर्णिया। में सोमवार रात आंधी-बारिश के बीच आकाशीय बिजली गिरने से होटल और दुकान में आग लग गई। करीब 15 लाख की संपत्ति जलकर राख हो गई। गनीमत रही कि वज्रपात से पहले होटल और दुकान बंदकर संचालक और स्टाफ घर जा चुके थे। होटल में 18 गैस सिलेंडर रखे थे, उसे पहले ही निकाल लिया गया। अगर ऐसा नहीं होता तो बड़ा हादसा हो सकता था। आग बुझाने में कुछ दमकल कर्मी भी मामूली रूप से झुलस गए। चार दमकल की गाड़ियां स्थिति पर काबू पाने आईं थीं। 3 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

करीब 12 से 1 बजे के बीच कसबा ओवरब्रिज फोरलेन के पास घटना हुई।अगलगी की सूचना मिलते ही होटल और दुकान संचालक रात डेढ़ बजे मौके पर पहुंचे। हालांकि इससे पहले ही दमकल की चार गाड़ियां मौके पर पहुंच चुकी थी। दर्जन भर दमकल कर्मियों की मदद से घंटे भर की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। पीड़ित होटल और दुकान संचालक की पहचान गणेश चौरसिया के रूप में हुई है। जो कसबा के रहने वाले हैं। पीड़ित दुकानदार ने बताया कि रोजाना की तरह समय पर करीब 10 बजे होटल और दुकान बंद कर घर चले गए थे। सोने की तैयारी में थे कि तभी रात के करीब 1 बजे स्थानीय दुकानदारों होटल में आग लगने की सूचना दी। आधे घंटे में करीब 1:30 बजे अपने होटल पहुंचे।फायर ब्रिगेड कर्मी बिट्टू सिंह ने बताया कि होटल में 8 गैस सिलेंडर भरा हुआ रखा था। जिसको स्थानीय लोगों ने बाहर निकाल लिया था।

जिस वजह से बड़ी घटना टल गई और आग पर समय रहते काबू पा लिया गया। इस दौरान कुछ दमकल कर्मी भी मामूली रूप से झुलस गए।

संचालक सोने जा रहे थे, अगलगी की मिली सूचना

अगलगी की सूचना मिलते ही होटल और दुकान संचालक रात डेढ़ बजे मौके पर पहुंचे। हालांकि इससे पहले ही दमकल की चार गाड़ियां मौके पर पहुंच चुकी थी। दर्जन भर दमकल कर्मियों की मदद से घंटे भर की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। पीड़ित होटल और दुकान संचालक की पहचान गणेश चौरसिया के रूप में हुई है। जो कसबा के रहने वाले हैं।

संक्षिप्त डायरी

गर्भवती पत्नी को चाकू-पेचकस से गोदा, 70 टांके लगे

वक्सर। में पति ने गर्भवती पत्नी को कमरे में बंद कर चाकू, पेचकस और पिलास से वार कर बुरी तरह से जख्मी कर दिया। घर में सास-ससुर भी थे। महिला की चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग पहुंचे और दरवाजा तोड़कर महिला को बाहर निकाला। महिला 52 हफ्ते की गर्भवती है। उसे सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन नाजुक हालत देखते हुए उससे पीएमसीएच रेफर कर दिया गया है। महिला के परिजनों का कहना है कि उसे 70 टांके लगे हैं।आरोपी पति को पुलिस ने केस दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने पुलिस को बताया कि मैं बाहर जाता हूं तो परेशान करती है, काफी पूछताछ करती और खुद कहीं जाती है तो बताती भी नहीं है।पीड़िता बड़का राजपुर निवासी जवाहर चौधरी की बेटी प्रीति है। जिसके शादी पिछले साल पांडेय पट्टी निवासी राज नारायण चौधरी के बेटे रवि चौधरी से हुई थी। बहन रेखा देवी ने कहा कि शादी के बाद से पति रवि चौधरी के साथ-साथ उनके पिता राज नारायण चौधरी और चाचा जगनारायण चौधरी दहेज के लिए परेशान करते थे।प्रीति जब गर्भवती हुई तो कुछ दिन ससुराल में रहने के बाद वह सिमरी थाना क्षेत्र के नगरपुरा गांव स्थित अपनी मौसी के यहां चली गई थी। जहां से मंगलवार को उसका पति उसे वापस लेकर चला आया।

पांडेय पट्टी निवासी और स्थानीय वार्ड पार्षद दिलीप कुमार ने बताया कि घटना की जानकारी रात तकरीबन 11 हुई। महिला की आवाज सुनकर हमलोग मौके पर पहुंचे तो देखा कि आरोपी ने महिला को चाकू, पेचकस और पिलास से मार कर बुरी तरह जख्मी कर दिया है।गंभीर हालत में उसे सदर अस्पताल पहुंचाया गया। चिकित्सक उसकी स्थिति गंभीर बता रहे हैं। ससुराल वाले अब आर्थिक मदद भी नहीं कर रहे हैं।

स्वच्छता ही सेवा के तहत कार्यक्रम का आयोजन

गोपालगंज। में सुलभ इंटरनेशनल सोशल सर्विस आर्गनाइजेशन ने शहर के पोस्ट ऑफिस चौक के पास स्थित सुलभ शौचालय परिसर में च्छता को लेकर एक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान स्वच्छता ही ेवा के तहत स्वच्छता को बनाये रखने के लिए मानद नियंत्रक जय प्रकाश ा ने लोगों से सार्वजनिक शौचालय व आस-पास के क्षेत्रों में स्वच्छता को बनाये रखने की जिम्मेदारी लेने के लिए प्रेरित किया। ताकि सार्वजनिक ौचालय को हमेशा स्वच्छ, सुन्दर और सुव्यवस्थित रखने में मदद मिल सके।सफाई कर्मियों को बेहतर कार्य के लिए उन्हें सम्मानित किया गया है। इस दौरान नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी के अलावा आर्गनाइजेशन के कई अधिकारी मौजूद रहे। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में चल रहे स्वच्छता पखवाड़ा के तहत पोस्ट ऑफिस चौक स्थित सुलभ शौचालय के पास स्वच्छता ही सेवा-2024 के तहत स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता थीम पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में सार्वजनिक शौचालय व आस-पास के क्षेत्रों में स्वच्छता को बनाये रखने के लिए लोगों को प्रेरित किया गया। जिससे कि सार्वजनिक शौचालय को हमेशा स्वच्छ, सुन्दर व सुव्यवस्थित रखने में मदद मिल सके। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों ने कहा कि स्वभाव में स्वच्छता को लाने से हमारे संस्कार में स्वच्छता की झलक खुद दिखने लगती है। सुलभ इंटरनेशनल के मानद नियंत्रक जय प्रकाश झा ने बताया कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस पर पूरे देश में 17 सितंबर से दो अक्टूबर तक स्वच्छता पखवाड़ा चल रहा है। इस दौरान ह्यहास्वभाव स्वच्छता- संस्कार स्वच्छता की थीम पर नगर परिषद क्षेत्र में सार्वजनिक व सामुदायिक शौचालयों पर कार्यक्रम अयोजित किया गया है। शौचालय उपयोग व्यवहार शिष्टाचार पर बात हो रही है। अपने आस पास की स्वच्छता घर के स्वच्छता और सार्वजनिक स्वच्छता कैसे कायम रहे इस बारे में हम चर्चा की जा रही है। लोगों को इसके लिए प्रेरित किया जाता है कि खुद इसका पालन करते रहें।

रेलवे क्रॉसिंग पार करते समय युवक का पैर कटा

जमुई। कियूल-जसीडीह रेलखंड के देवाचक रेलवे हॉल्ट के पास क्रॉसिंग पार करने के दौरान रेलवे ट्रैक में एक युवक की बाइक फंसने की वजह से एक पैर कट गया। घटना के बाद युवक घायल अवस्था में पड़ा था। क्रॉसिंग पर तैनात रेल गार्ड ने इसकी जानकारी जमुई जीआरपी दी। मौके पर पहुंची जीआरपी पुलिस ने युवक को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां हालत गंभीर होने की वजह से उसे पटना रेफर कर दिया गया है। घायल युवक की पहचान लखीसराय जिले के गौशाला के पास रहने वाले चंद्रमोहन साहनी के 24 वर्षीय पुत्र सिद्धांत साहनी के रूप में की गई है। घायल सिद्धांत साहनी ने बताया कि वह अपने निजी काम को लेकर मंगलवार को देवाचक गांव गया था। रेलवे क्रॉसिंग पार करते समय उसकी बाइक रेलवे ट्रैक में फंस गई। जिसे निकालने की कोशिश के दौरान अचानक एक ट्रेन गुजरी। जिसमें उसका एक पैर कट गया। क्रॉसिंग पर तैनात रेल गार्ड द्वारा पूरी घटना की जानकारी जमुई जीआरपी को दी गई।

विधायक-मंत्री सांसद पप्पू यादव का बांट रहे दुख

पूर्णिया। से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव पिता के निधन के बाद से पूरी तरह टूट चुके हैं। दुःख के इस घड़ी में पूर्णिया सांसद से मिलने और उनका दुःख बांटने मंत्री, विधायक और कई बड़े नेता पहुंच रहे हैं। मंगलवार को बिहार सरकार के मंत्री जमा खान पूर्णिया सांसद से मुलाकात करने पहुंचे। इस दौरान जदयू के पूर्व विधायक मास्टर मुजाहिद भी साथ थे। दोनों पूर्णिया स्थित अर्जुन आवास पर सांसद पप्पू यादव से मिले और पिता के निधन पर शोक संवेदना प्रकट की। इससे पहले मंगलवार को पूर्व मंत्री रामकृपाल यादव, पूर्व मंत्री आलोक रंजन झा, मधेपुरा से सांसद दिनेश चंद्र यादव और सिमरी बख्तियारपुर के पूर्व विधायक अरुण यादव ने भी उनसे मुलाकात की।मंत्री जमा खान रात गए 9 बजे अर्जुन आवास पहुंचे। यहां वे करीब 40 मिनट तक अर्जुन आवास पर रहे। पिता निधन पर शोक जाहिर करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं इससे पहले मंगलवार पूर्व मंत्री रामकृपाल यादव पटना से पूर्णिया पहुंचे। देर शाम पूर्णिया के अर्जुन भवन पहुंचकर पप्पू यादव से मिले और पिता की निधन पर संवेदना जाहिर की। इससे ठीक पहले कटिहार से सांसद तारिक अनवर सांसद पप्पू यादव से मिलने पहुंचे। श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति की कामना की।मंत्री जमा खान ने कहा कि सांसद पप्पू यादव से उनके पुराने रिश्ते हैं। अक्सर फोन पर बिहार के विकास के मुद्दों और देश के ताजा हालात पर चर्चा होती रहती है। मुलाकात काफी दिनों बाद हो रही है। पिता के निधन की खबर जैसी ही उन तक पहुंची, वे स्तब्ध रह गए। सांसद पप्पू यादव के पिता के निधन की खबर से वे काफी मर्माहत हैं। वे उनके पिता जैसे थे। इसलिए वे सभी जरूरी काम को एक तरफ रखकर मिलने और दुःख बाटने आए हैं।

2 पक्षों में मारपीट-पत्थरबाजी का वीडियो आया सामने, 11 अरेस्ट

बेतिया। में 2 पक्षों के बीच मारपीट और पत्थरबाजी का वीडियो सामने आया है। मामला 20 सितंबर का है। वीडियो में दिख रहा है कि दो गुटों के लोग एकदूसरे पर लाठी-डंडे चला रहे है। महिलाएं भी छत से ईंट-पत्थर चलाती हुए नजर आ रही हैं। पुलिस ने अभी तक दोनों पक्षों से महिला समेत 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। इन्हें पूछताछ के बाद जेल भेज दिया गया है। घटना योगापट्टी थाना इलाके के गोलाघाट डुमरी गांव की है। सदर एसडीपीओ-टू रजनीशकांत प्रियदर्शी ने बताया कि दोनों पक्षों के गिरफ्तार लोगों में डुमरी पंचायत के मुखिया के देवर पिंटू यादव उर्फ उत्कर्ष कुमार, अनिरुद्ध गिरी, उनकी पत्नी शिवकली देवी, उनका बेटा संदीप गिरी, सोनू गिरी, रामपुकार गिरी, उनके भाई मुक्ति गिरी, भावे धनवंति देवी, रामनंद यादव, कृष्णा महतो और संजय यादव शामिल हैं।जानकारी के अनुसार मुखिया के देवर पिंटू यादव उर्फ उत्कर्ष कुमार सरकारी रोड का निर्माण करवा रहे थे। रोड निर्माण के दौरान अनिरुद्ध गिरी के घर की सीढ़ी टूट गई। इसके बाद विवाद शुरू हो गया।दूसरे पक्ष का कहना था कि यह सरकारी रोड नहीं है। मेरी सीढ़ी कैसे तोड़ दी गई? इसी बात को लेकर विवाद हुआ। इसके बाद दोनों पक्षों के लोगों के बीच पहले मारपीट और फिर पत्थरबाजी हुई। इसमें दोनों पक्षों से आधा दर्जन लोग जख्मी हो गए थे।दोनों पक्षों के लोगों ने एकदूसरे पर पत्थर चलाए। छत से अनिरुद्ध गिरी के घर के लोगों और समर्थकों ने पत्थर चलाया है। जबकि, मुखिया के समर्थकों ने मारपीट की।हालांकि, घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले को शांत कराया और ग्रामीणों के बीच तनाव को नियंत्रित किया।बाद में पिंटू यादव उर्फ उत्कर्ष कुमार के आवेदन पर एससी-एसटी एक्ट सहित बीएनएस के अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया। वहीं अनिरुद्ध गिरी के पक्ष के आवेदन पर पिंटू यादव सहित अन्य पर आर्म्स एक्ट सहित अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है।

लापता नाबालिग का मिला शव, गोली मार हत्या

भागलपुर। में दो दिन से लापता नाबालिग युवक की लाश गंगा किनारे सब्जी के खेत में लाश मिली है। आंख-मुंह पर गहरे जख्म और पीठ पर गोली के निशान हैं। मृतक कमलेश्वरी मंडल का बेटा मुकेश कुमार (14) है।

परिजनों ने पड़ोस के चार युवकों पर हत्या का आरोप लगाया है। बताया जा रहा कि 12 दिन पहले मछली मारने को लेकर नाबालिग का विवाद हुआ था। इसी को लेकर वारदात को अंजाम दिया गया है।

सोमवार की सुबह नाबालिग को किसी ने फोन कर घर से बुलाया था। फिर वो घर नहीं लौटा। मृतक के चाचा के अनुसार नाबालिग को शराब भी पिलाई गई। पुलिस ने शक के आधार पर 5 लोगों को हिरासत में लिया है, उनसे पूछताछ की जा रही है। घटना सबौर थाना क्षेत्र का है। मुकेश के भाई ने बताया कि जिस युवक ने फोन कर बुलाया था उससे पूछताछ की तो गाली-गलौज कर भगा दिया। मंगलवार को इसकी मौखिक शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने पूछताछ के लिए गांव के ही एक संदिग्ध युवक को उठाया। उसके निशानदेही पर घाट के किनारे शव मिला। घटना की सूचना के बाद FSL और डॉग स्क्वायड की टीम भी घटना स्थल पर पहुंची। देर शाम तक सिटी एसपी भी घटना स्थल पर पहुंचे और मामले की जांच पुलिस जुट गई। सबौर थाना अध्यक्ष विवेक कुमार जायसवाल ने बताया कि गांव के ही कुछ लोगों से मछली मारने को लेकर विवाद हुआ था। उसी में उसकी हत्या की गई है। आगे मामले की जांच की जा रही है।

सीमांचल की सड़कें जर्जर, नदियों पर चचरी पुल

किशनगंज। एआईएमआईएम के राष्ट्रीय प्रवक्ता आदिल हसन किशनगंज पहुंचे। यहां उन्होंने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और प्रदेश के राजस्व सह भूमि सुधार मंत्री दिलीप कुमार जायसवाल पर तंज कसा है। राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा है कि सीमांचल की सड़कें जर्जर है। फिर भी हम टोल टैक्स दे रहे हैं। नदियों पर चचरी पुल है। यहां अधिकारी भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। बता दें कि एक कार्यक्रम के तहत किशनगंज पहुंचे एआईएमआईएम के राष्ट्रीय प्रवक्ता आदिल हसन ने बिहार सरकार पर तंज कसा। इन्होंने कहा कि मंत्री डॉ दिलीप कुमार जायसवाल को बीजेपी का कैबिनेट मंत्री, जेड प्लस सिक्योरिटी मिली। सीमांचल से एमएलसी अब आगे क्या तमन्ना रखते है। या तो अमित शाह या नरेंद्र मोदी की कुर्सी ही बची है। मगर आपने सीमांचल के लिए कुछ नहीं किया है। सीमांचल सहित पूरे बिहार में हो रही धांधली राष्ट्रीय प्रवक्ता ने आगे बताया कि हर दिन आपका बयान सुनते है। किसी को जंग बहादुर कहते है, आपको बयान बहादुर बोलेंगे। म्यूटेशन को लेकर आपका रोज बयान आता है, मगर जमीन सम्बन्धित किसी भी काम के लिए सीमांचल सहित पूरे बिहार में धांधली हो रही है। जमीन सर्वे,म्यूटेशन आदि भूमि कामों के लिए बिना पैसे का काम नहीं होता है। सीमांचल की धरती ने आपको बहुत कुछ दिया है, अब आपकी बारी है इसका कर्ज उतारने का।बिहार के सरकारी अफसरों पर तंज कसते हुए प्रवक्ता ने कहा कि जो भी अधिकारी एक बार सीमांचल आते है, वो बार बार किसी न किसी विभाग के जरिए सीमांचल आना चाहते है।

आप किस जमीन के मालिक हैं, 30 नवंबर तक बताएं

पटना । जमीन सर्वे के लिए राज्य से बाहर रहने वाले बिहार आने की हड़बड़ी ना करें। दीपावली-छठ में आएं तो जमीन के दस्तावेज की व्यवस्था कर स्वघोषणा (जमीन की जानकारी) जमा कर दें। 31 अक्टूबर को दीपावली है। 7-8 नवंबर को छठ महापर्व है। यह देखते हुए राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने 30 नवंबर तक स्वघोषणा की तिथि बढ़ाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। नियमावली में संशोधन भी हो रहा है। सरकार ने 20 अगस्त के आसपास 43,041 गांवों में जमीन सर्वेक्षण की घोषणा की है। इसके मुताबिक 45 दिनों के अंदर रैयतों को अपनी जमीन की जानकारी (स्वघोषणा) देनी है। 45 दिन की मियाद अब 100 दिन की होगी। 45 दिन वाली मियाद अक्टूबर के पहले हफ्ते में खत्म हो रही थी जो अब 30 नवंबर तक बढ़ जाएगी। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि स्वघोषणा की तिथि तीन महीने बढ़ाई गई है। विभाग के कर्मचारी जनता की मदद करेंगे। अगर शिकायत मिली तो कार्रवाई होगी। मंत्री ने बताया कि जमीन माफिया सर्वे के बारे में अफवाह फैला रहे थे। इसी से निपटने के लिए विभाग की ओर से एक टॉल फ्री नंबर 18003456215 जारी किया गया है। इस पर रैयत अपनी शिकायत दर्ज कर सकते हैं।वहीं जमीन सर्वे की शुरूआत होते ही पटना सहित राज्य भर के अभिलेख कार्यालयों में दस्तावेज निकालने के लिए आवेदनों की संख्या ढाई गुना तक बढ़ गई है। सामान्य तौर पर जिला मुख्यालय स्थित निबंधन कार्यालय के अभिलेखागार और जिला रिकॉर्ड रूम में दस्तावेज निकालने के लिए औसतन 100 से 120 आवेदन हर दिन आते थे। अभिलेखागार व जिला रिकॉर्ड रूम दोनों जगहों को मिलाकर इसकी संख्या 600 से अधिक हो गई है।

कर्मियों और संसाधन की कमी के कारण हर दिन आधे से कम आवेदकों को ही दस्तावेज मिल रहे हैं। इसमें 20 प्रतिशत आवेदन दस्तावेज का कागज फटे होने या खोज नहीं पाने के कारण रिजेक्ट हो रहे हैं। शेष आवेदन बैकलॉग में चले जा रहे हैं। दोनों जगहों को मिला कर अभी 5000 से अधिक आवेदन पेंडिंग हैं। इनके निपटारे के लिए कर्मियों की संख्या बढ़ाने की प्रक्रिया की जा रही है, जिसके लिए राज्यभर में 409 लिपिक के पद पर बहाली की प्रक्रिया शुरू की गई है। वहीं जमीन सर्वे के लिए राज्य से बाहर रहने वाले बिहार आने की हड़बड़ी ना करें। 30 नवंबर तक स्वघोषणा की तिथि बढ़ाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। लोगों की सहायता के लिए एक टॉल फ्री नंबर 18003456215 जारी किया गया है। 1995 के बाद के दस्तावेज ही ऑनलाइन मद्यनिषेध उत्पाद एवं निबंधन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक वर्ष 1995 से अब तक 2,34,62,435 दस्तावेजों का डिजिटलाइजेशन किया गया है। इन्हें निकालना आसान है। लोग विभाग के वेबसाइट पर जाकर इन दस्तावेजों के लिए आवेदन कर सकते हैं और इसे निकाल सकते हैं। लेकिन 1796 से 1995 तक के करीब 5,13,48,914 दस्तावेजों का डिजिटलाइजेशन करने का काम अभी चल ही रहा है।

इसमें से पुराने दस्तावेजों की स्थिति अच्छी नहीं है। कागज पुराने होने के कारण फट गए हैं। इन दस्तावेजों का डिजिटलाइजेशन का काम पूरा होने के बाद दस्तावेजों को खोजना आसान हो जाएगा।

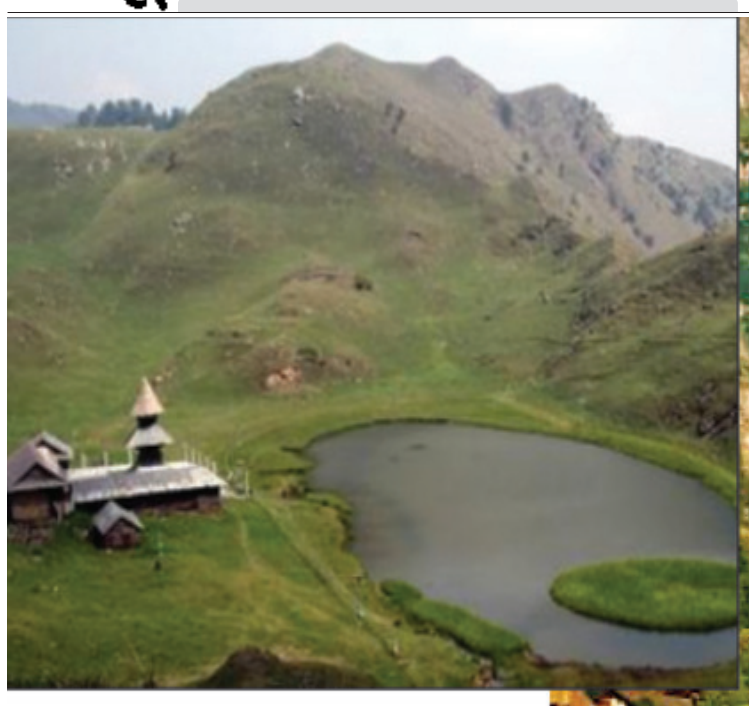

डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थल

भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर सतधारा फाल्स में लीजिए शांति का अनुभव

सतधारा झरना या फाल्स हिमाचल प्रदेश की चंबा घाटी में स्थित है, जो बर्फ से ढके पहाड़ों और ताजे देवदार के पेड़ों के शानदार दृश्यों से घिरा हुआ है। 'सतधारा' का मतलब होता है सात झरने, इस झरने का नाम सातधारा सात खूबसूरत झरनों के जल के एक साथ मिलने की वजह से रखा गया है। इन झरनों का पानी समुद्र से 2036 मीटर ऊपर एक बिंदु पर मिलता है। यह जगह उन लोगों के लिए एक खास है, जो शहर की भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर शांति का अनुभव करना चाहते हैं। सतधारा फाल्स अपने औषधीय गुणों की वजह से भी जानी जाती है, क्योंकि यहां के पानी में अभ्रक पाया जाता है, जिसमें त्वचा के रोग ठीक करने के गुण होते हैं।

अगर आप डलहौजी के पास घूमने की अच्छी जगह तलाश रहे हैं तो सतधारा फाल्स आपके लिए एक अच्छी जगह है। इसे स्थानीय भाषा में 'गंडक' के नाम से जाना जाता है। यहां का पानी साफ क्रिस्टल और निर्मल है। राजसी सतधारा झरने का पानी की बूंदे जब चट्टानों पर टकराकर उछलती हैं तो पर्यटकों को बेहद आनंदित करती हैं। यहां पानी से गीली हुई मिट्टी की खुशबू हवा को ताजा कर देती है। सतधारा जलप्रपात को चारों ओर का दृश्य अपनी भव्यता के साथ दर्शकों को बेहद प्रभावित करता है। अगर आप सतधारा फाल्स घूमने के अलावा इसके पर्यटन स्थलों की सैर भी करना चाहते हैं तो इस आर्टिकल को पूरा जरूर पढ़ें, इसमें हमने सतधारा फाल्स जाने के बारे में और इसके पास के पर्यटन स्थलों के बारे में पूरी जानकारी दी है।

सतधारा जलप्रपात की मुख्य विशेषताएं

सतधारा जलप्रपात का अपना अलग औषधीय मूल्य है। स्प्रिंग्स में तत्व माइका तत्व पाया जाता है, जिसमें ऐसे औषधीय गुण होते हैं, जो संभावित रूप से कई बीमारियों का इलाज कर सकता है। यह चकाचौंध वाला झरने पंचपुला के रास्ते में स्थित हैं, जो डलहौजी में घूमने के लिए एक और बहुत ही लोकप्रिय जगह है। सतधारा झरने से सूर्यास्त का दृश्य बस शानदार दिखाई देता है, पर्यटकों को देखने में ऐसा लगता है कि एक पीली आग की नारंगी गेंद घूमती है और धीरे-धीरे पहाड़ियों के पीछे छुप जाती है।

सतधारा फाल्स घूमने के लिए टिप्स

- जब आप झरने के क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं और इसमें चारों ओर छींटे आपके कपड़ों को गीला कर सकते हैं, इसलिए अतिरिक्त कपड़े ले जाना न भूलें।
- फॉल्स से सूर्यास्त देखने के लिए वहां उपस्थित रहने की कोशिश करें।
- ऐसे जूते पहनें जो आपको अच्छी पकड़ और आराम दें, क्योंकि चट्टानों में काई से फिसलन होती है।
- अपने साथ कैमरा ले जाना न भूलें।

सतधारा फाल्स के आसपास के प्रमुख पर्यटन और आकर्षण स्थल

सतधारा फाल्स डलहौजी का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। अगर आप इस फाल्स के अलावा डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों की सैर करना चाहते हैं तो यहां दी गई जानकारी को जरूर पढ़ें।

बकरोटा हिल्स

बकरोटा हिल्स जिसे अपर बकरोटा के नाम से भी जाना जाता है, यह डलहौजी का सबसे ऊंचा इलाका है और यह बकरोटा वॉक नाम की एक सड़क का सर्किल है, जो खजियार की ओर जाती है। भले ही इस जगह पर पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए बहुत कुछ नहीं है, लेकिन यहां टहलना और चारों तरफ के आकर्षक दृश्यों को देखना पर्यटकों की आंखों को बेहद आनंद देता है। आपको बता दें कि यह क्षेत्र चारों तरफ से देवदार के पेड़ों और हरी-भरी पहाड़ियों से घिरा हुआ है।

सच पास

सच दर्रा पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला के ऊपर 4500 मीटर की ऊंचाई से होकर जाता है और डलहौजी को चंबा और पांगी घाटियों से जोड़ता है। आपको बता दें कि डलहौजी से 150 किमी की दूरी पर यह मार्ग उत्तर भारत में पार करने के लिए सबसे कठिन मार्गों में से एक है, जो लोग एडवेंचर पसंद करते हैं तो अक्सर सच पास (जब यह खुला होता है) का दौरा करते हैं और यहां से बाइक या कार चलाने का रोमांचक अनुभव लेते हैं। अगर आप इस मार्ग से यात्रा करें तो जोखिम न लें और अपने साथ एक अनुभवी ड्राइवर लेकर जाएं। यह चंबा या पांगी घाटी तक पहुंचने के लिए लोगों का पसंदीदा रास्ता है और डलहौजी से ट्रेकिंग के लिए एक प्रसिद्ध बिंदु है।

सुभाष बावली

सुभाष बावली डलहौजी में गांधी चौक से 1 किमी दूर स्थित एक ऐसी जगह है, जिसका नाम प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस के नाम पर रखा गया। सुभाष बावली एक ओर अपने खूबसूरत प्राकृतिक दृश्यों, दूर-दूर तक फैले बर्फ के पहाड़ों दृश्यों और सुंदरता के लिए जाना जाता है। सुभाष बावली वो जगह है, जहां पर सुभाष चंद्र बोस 1937 में स्वास्थ्य की खराबी के चलते आए थे और वो इस जगह पर 7 महीने तक रहे थे। इस जगह पर रहकर वे बिलकुल ठीक हो गए थे। आपको बता दें कि यहां पर एक खूबसूरत झरना भी है, जो हिमनदी धारा में बहता है।

डैनकुंड पीक

डैनकुंड पीक जिसे सिगिंग हिल के नाम से भी जाना जाता है, जो डलहौजी में समुद्र तल से 2755 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। आपको बता दें कि यह डलहौजी में सबसे ऊंचा स्थान होने के कारण यहां से घाटियों और पहाड़ों के अद्भुत दृश्यों को देखा जा सकता है। प्रकृति प्रेमियों के लिए शांत जगह स्वर्ग के सामान है। डलहौजी क्षेत्र में स्थित डैनकुंड सचमुच देखने लायक जगह है, जो अपनी खूबसूरत बर्फ से ढकी चोटियों और हरे-भरे वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। डैनकुंड पीक हर साल भारी संख्या में देश भर से पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित करती है।

गंजी पहाड़ी

गंजी पहाड़ी पठानकोट रोड पर डलहौजी शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित एक सुंदर पहाड़ी है। इस पहाड़ का नाम गंजी पहाड़ी इसकी खास विशेषता से लिया गया था, क्योंकि इस पहाड़ी पर वनस्पतियों की पूर्ण अनुपस्थिति है। गंजी का मतलब होता है गंजापन। डलहौजी के पास स्थित होने की वजह से यह पहाड़ी एक पसंदीदा पिकनिक स्थल है। सर्दियों के दौरान यह इलाका मोटी बर्फ से ढक जाता है, जो मनोरम दृश्य प्रस्तुत करता है।

चामुंडा देवी मंदिर

चामुंडा देवी मंदिर देवी काली को समर्पित एक महत्वपूर्ण धार्मिक केंद्र है। इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि यहां पर देवी अंबिका ने मुंडा और चंदा नाम के राक्षसों का वध किया था। इस मंदिर में देवी को एक लाल कपड़े में लपेटकर रखा जाता है, यहां आने वाले पर्यटकों को देवी की मूर्ति को छूने नहीं दिया जाता। इस क्षेत्र में पर्यटकों को कई सुंदर दृश्य भी देखने को मिलते हैं।

रॉक गार्डन

रॉक गार्डन डलहौजी में एक सुंदर उद्यान और एक लोकप्रिय पिकनिक स्थल है। इस पार्क में पर्यटक आराम करने के अलावा, इस क्षेत्र में उपलब्ध कई साहसिक खेलों का भी मजा ले सकते हैं, जिनमें जिप लाइनिंग आदि शामिल हैं।

खाज्जिअर

खाज्जिअर डलहौजी के पास स्थित एक छोटा सा शहर है जिसको 'मिनी स्विट्जरलैंड' या 'भारत का स्विटजरलैंड' के नाम से भी जाना जाता है। इस स्थान की खूबसूरती हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती है। 6,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित खाज्जिअर अपनी प्राकृतिक सुंदरता की वजह से डलहौजी के पास घूमने की सबसे अच्छी जगहों में से एक है। इस जगह होने वाले साहसिक खेल जोरबिंग, ट्रेकिंग पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

पंचपुला

पंचपुला हरे देवदार के पेड़ों के आवरण से घिरा एक झरना है, जो डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। पंचपुला वो जगह है, जहां पर पांच धाराएं एक साथ आती हैं। पंचपुला की मुख्य धारा डलहौजी के आसपास विभिन्न जगहों में पानी की पूर्ति करती है। यह जगह ट्रेकिंग और खूबसूरत दृश्यों की वजह से जानी जाती है। पंचपुला के पास एक महान क्रांतिकारी सरदार अजीत सिंह (शहीद भगत सिंह के चाचा) की याद में एक समाधि बनाई गई है, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली थी। मानसून के मौसम में इस जगह के प्राचीन पानी का सबसे अच्छा आनंद लिया जाता है, जब पानी गिरता तो यहां का वातावरण पर्यटकों को आनंदित करता है।

डलहौजी जाने के लिए यह है सबसे अच्छा समय

डलहौजी अपनी आदर्श जलवायु की वजह से एक ऐसी जगह है, जहां आप पूरे वर्ष भर घूम सकते हैं। हालांकि, डलहौजी जाने का सबसे अच्छा समय मार्च-जून के बीच का होता है। मार्च और अप्रैल के महीनों में यहां पर बर्फ पिघलना शुरू हो जाती है और जब सूरज की किरणें बर्फ से ढके पहाड़ों और चरागाहों से टकराती है, तब इस जगह की चमक देखने लायक होती है। इस समय यहां का मौसम बहुत सुहावना रहता है आप मार्च और अप्रैल में ठंड का अनुभव कर सकते हैं और जून के महीने में यहां का तापमान थोड़ा बढ़ने लगता है। गर्मियों के महीनों में भी डलहौजी का मौसम काफी अच्छा होता है, जिसकी वजह से यह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग के सामान है। मानसून भी यहां का मौसम सुहावना है, क्योंकि मध्यम वर्षा से आपकी योजनाओं में कोई रुकावट नहीं आती। डलहौजी में सर्दियां साहसिक गतिविधियों के लिए सही हैं।

हवाई जहाज से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: हवाई जहाज से डलहौजी पहुंचने कांगड़ा में गग्गल हवाई अड्डा इसका सबसे निकटतम घरेलू हवाई अड्डा है। यह हवाई अड्डा शहर से 13 किमी दूर है और यहां से डलहौजी हिल स्टेशन तक पहुंचने के लिए टैक्सी आसानी से उपलब्ध हैं। इसके अलावा आप अन्य हवाई अड्डे चंडीगढ़ (255 किमी), अमृतसर (208 किमी) और जम्मू (200 किमी) के लिए भी उड़ान ले सकते हैं।

रेलगाड़ी से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: डलहौजी का सबसे निकटतम रेल स्टेशन पठानकोट है, जो इस पहाड़ी शहर से 80 किमी दूर स्थित है और भारत के विभिन्न शहरों, जैसे दिल्ली, मुंबई और अमृतसर से कई ट्रेनों के माध्यम से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। पठानकोट रेलवे स्टेशन से डलहौजी पहुंचने के लिए आपको बाहर से टैक्सियां मिल जाएंगी।

सड़क मार्ग से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: डलहौजी सड़क मार्ग की मदद से आसपास के प्रमुख शहरों और जगहों से जुड़ा हुआ है। राज्य बस सेवा और लक्जरी कोच डलहौजी को आसपास की सभी प्रमुख जगहों और शहरों से जोड़ते हैं। दिल्ली से डलहौजी के लिए रात भर लक्जरी बसें भी उपलब्ध हैं। इस मार्ग पर टैक्सी और निजी वाहन भी मिल जाते हैं।

स्त्री की देह के आकार वाली है रेणुका झील

रेणुका झील हिमाचल प्रदेश के नाहन से लगभग 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। रेणुका झील की समुद्र तल से ऊंचाई लगभग 2200 फीट है। यह एक अत्यंत रमणीक झील है, जो लगभग तीन किलोमीटर लंबी तथा आधा किलोमीटर चौड़ी एक अदभुत झील है। इस झील का आकार एक लेटी हुई स्त्री की देह के समान है। जो इसे अदभुत एवं अनोखा बनाता है।

इस झील के चारों ओर हरियाली एवं इसके पानी मे अठखेलियां करती मछलियां पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। इस झील की गणना एक पावन तीर्थ स्थल के रूप में भी की जाती है। हर वर्ष दिपावली के लगभग दस दिन बाद यहां एक विशाल मेले का आयोजन किया जाता है, जिसमें हजारों श्रद्धालु भाग लेते हैं। झील के किनारे मां रेणुका और परशुराम का प्रसिद्ध मंदिर है तथा एक छोटा सा चिडियाघर है, जो पर्यटकों को काफी पसंद आता है। झील में मनोरंजन के लिए बोटिंग करने की सुविधा उपलब्ध है, जिसमें बैठकर सैलानी झील के चारों ओर की प्राकृतिक सुंदरता के दर्शन कर सकते हैं, रेणुका झील का स्त्री रूपी आकार देखने के लिए यहा से आठ किलोमीटर ऊपर जामु चोटी पर जाना पड़ता है। जहां से रेणुका झील का आकार लेटी हुई स्त्री की देह के समान दिखाई पड़ता है।

रेणुका झील का इतिहास

रेणुका झील कैसे बनी और इसकी धार्मिक महत्व के पीछे कई मशहूर दंत कथाए प्रचलित है। एक कहानी के अनुसार कहा जाता है कि बहुत समय पहले यहां राजा रेणु रहा करते थे। उनकी दो सुंदर पुत्रियां थी, जिनमें से एक नैनुका तथा दूसरी पुत्री रेणुका थी। एक बार राजा ने दोनो पुत्रियों से प्रश्न किया कि वो किसका दिया खाती है, जिसके जवाब में नैनुका ने कहा कि वह अपने पिता का दिया खाती है। जबकि रेणुका ने जवाब दिया कि वह भगवान का दिया और अपने नसीब का खाती हूं। रेणुका के जवाब से राजा अप्रसन्न हो गए और उन्होंने रेणुका को सबक सिखाने का निर्णय लिया। कुछ समय बाद राजा ने बड़ी पुत्री नैनुका का विवाह बड़ी धूम-धाम से एक पराक्रमी राजा सहस्त्रबाहु से कर दिया और छोटी पुत्री रेणुका को सबक सिखाने रेणुका का विवाह एक सीधे साधे तपस्वी ऋषि जमदग्नि से कर दिया। हालांकि रेणुका राजसी ठाठ-बाट मे पली बढ़ी थी। फिर भी उसने ऋषि जमदग्नि को अपना पति स्वीकार किया और तन मन से उसकी सेवा करने लगी। एक दिन राजा सहस्त्रबाहु की दृष्टि रेणुका पर पड़ी तो वह उसे देखता ही रह गया। वास्तव मे रेणुका का रूप लावण्य उसके हृदय में उतर गया था। उसने उसी समय रेणुका को अपनी रानी बनाने का फैसला किया और रेणुका को पाने की युक्ति सोचने लगा। अपने षड्यंत्र के तहत एक दिन वह चुपचाप ऋषि जमदग्नि के आश्रम पहुंचा और ध्यानमग्न जमदग्नि को उसने अपने बाण से मार डाला। उसके बाद वह रेणुका का चीरहरण करने उसकी तरफ बढ़ा। रेणुका सहस्त्रबाहु के अपवित्र इरादों को भांप गई और भागकर नीचे तलहटी मे जा पहुंची। सहस्त्रबाहु रेणुका का पीछा करता हुआ, उसके पीछे दौड़ा। इससे पहले वह रेणुका को पकड़ पाता। एकाएक धरती फटी और देखते ही देखते रेणुका उसमें समा गई। रेणुका के धरा में समाते ही पानी की धाराएं फूट पड़ी और देखते ही देखते उस स्थान ने एक झील का रूप धारण कर लिया। तभी से यह झील रेणुका झील के नाम से प्रसिद्ध हो गई।

रेणुका झील कैसे पहुंचें

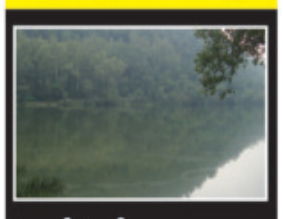

हवाई मार्ग

मुब्बार हटटी यहां का सबसे नजदीकी हवाई अड्डा है, जो यहां से 40 किमी की दूरी पर स्थित है। यहां से टैक्सी द्वारा जाया जा सकता है।

रेल मार्ग

यहां का सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन कालका है, जो लगभग 110 किलोमीटर की दूरी पर है। यहां से आप बस या टैक्सी के द्वारा जा सकते हैं।

सड़क मार्ग

यह स्थल सड़क मार्ग से जुड़ा है।

आईसीसी रैंकिंग : शतक से हुआ फायदा, ऋषभ पंत की लम्बे समय बाद टॉप 10 में वापसी

दुबई (एजेंसी)। भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने लंबे अंतराल के बाद टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष 10 में फिर से प्रवेश किया है। आईसीसी की ताजा रैंकिंग में सभी प्रारूपों में बदलाव किया गया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के रोमांचक सप्ताह के बाद दुनिया के कई शीर्ष खिलाड़ियों की टेस्ट और वनडे रैंकिंग में महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिले हैं।

चेन्नई में बांग्लादेश पर भारत की दूसरी पारी में पंत के शानदार प्रदर्शन ने उन्हें टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंचा दिया जिससे उन्हें 731 रेटिंग अंक मिले। विकेटकीपर बल्लेबाज ने हमवतन यशस्वी जायसवाल के साथ मिलकर 751 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर जगह बनाई। पंत ने बांग्लादेश के खिलाफ दूसरी पारी में शतक लगाया था। इस बीच भारतीय कप्तान रोहित शर्मा पांच पायदान नीचे खिसकने के बावजूद शीर्ष 10 में बने हुए हैं, अब वे बांग्लादेश के खिलाफ दोनों पारियों में 10 से कम रन बनाने के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद 716 अंकों के साथ दसवें स्थान पर हैं।

गेंदबाजी विभाग में श्रीलंका के प्रभात जयसूर्या ने गॉल में शानदार प्रदर्शन से ध्यान आकर्षित किया। जयसूर्या ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 9 विकेट लिए, जिससे वे 743 रेटिंग अंकों के साथ टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में पांच पायदान ऊपर चढ़कर आठवें स्थान पर पहुंच गए। हालांकि श्रीलंका के ही असिथा फर्नांडो 13वें स्थान पर खिसक गए। बल्लेबाजी के मोर्चे पर, कामिंदू मेंडिस 16वें स्थान पर पहुंच गए, जबकि धनंजय डी सिल्वा ने ऑलराउंडर रैंकिंग में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, वे पांच पायदान ऊपर चढ़कर 18वें स्थान पर पहुंच गए।

वनडे क्रिकेट में अफगानिस्तान के उभरते सितारों ने इतिहास रच दिया। युवा सनसनी रहमानुल्लाह गुरबाज 23 साल की उम्र से पहले अपना सातवां शतक लगाने के बाद वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में 10 पायदान की छलांग लगाकर आठवें स्थान पर पहुंच गए। गुरबाज का उदय अफगानिस्तान क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, क्योंकि वह आईसीसी पुरुष वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष 10 में जगह बनाने वाले देश के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। उनके शानदार प्रदर्शन ने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रैविस हेड को पछाड़ दिया, जो इंग्लैंड के खिलाफ अपने पहले वनडे में नाबाद 154 रन बनाकर नौवें स्थान पर पहुंच गए।

अफगानिस्तान के लेग स्पिनर राशिद खान ने भी दक्षिण अफ्रीका पर अफगानिस्तान की ऐतिहासिक श्रृंखला जीत में 7 विकेट लेने के

बाद वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में 8 पायदान की छलांग लगाकर तीसरे स्थान पर पहुंच गए। राशिद के प्रदर्शन ने अफगानिस्तान को शीर्ष पांच रैंकिंग वाली टीम पर पहली वनडे श्रृंखला जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हमने अपनी प्रतिभा के साथ न्याय नहीं किया, भारत से पहले टेस्ट में हार पर बोले बांग्लादेश के कोच

कानपुर (एजेंसी)। बांग्लादेश के मुख्य कोच चंडिका हथुरुसिंघे ने बुधवार को कहा कि उनके खिलाड़ियों ने भारत के खिलाफ चेन्नई में खेले गए पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में अपनी प्रतिभा और क्षमता के साथ न्याय नहीं किया, लेकिन उम्मीद जताई कि शुक्रवार से यहां शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में उनकी टीम बेहतर प्रदर्शन करेगी।

बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हसन शंटो (20) और अनुभवी शाकिब अल हसन (32) ने पहली पारी में अच्छी शुरुआत के लेकिन वे उसे बड़ी पारी में नहीं बदल पाए। दूसरी पारी में न केवल शंटो (82) बल्कि शीर्ष क्रम के बल्लेबाज जाकिर हसन (35) और शादमान इस्लाम (35) ने भी अच्छी शुरुआत की, लेकिन वे बड़ी पारी नहीं खेल पाए जिसके कारण बांग्लादेश को करारी हार का सामना करना पड़ा।

हथुरुसिंघे ने कहा, 'हम इसको लेकर थोड़े चिंतित हैं क्योंकि जब भी हम इसको लेकर बात करते हैं तो यही कहते हैं कि अगर आपको अच्छी शुरुआत मिलती है तो उसे बड़े स्कोर में बदलो। हमारे कुछ खिलाड़ियों ने क्रीज पर पर्याप्त समय बिताया लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए।% उन्होंने कहा, 'लेकिन भारत की यह टीम अलग-अलग चुनौतियां पेश कर रही है। हम इससे अच्छी तरह वाकिफ हैं। इसलिए हमें लंबे समय तक बल्लेबाजी करनी होगी।'

बांग्लादेश की टीम में बाएं हाथ से खेलने वाले पांच खिलाड़ी हैं जिनमें शीर्ष चार स्थान में बल्लेबाजी करने वाले मोमिनुल हक भी शामिल हैं। बल्लेबाजी में

बाएं-दाएं संयोजन आमतौर पर बेहतर काम करता है क्योंकि यह गेंदबाजों को अपनी लाइन और लेंथ से लगातार संयोजन बिठाने के लिए मजबूर करता है। बांग्लादेश हालांकि इस आधार पर टीम का चयन नहीं करेगा। हथुरुसिंघे ने कहा, ''यह हमारे सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हैं फिर चाहे वह दाएं हाथ से बल्लेबाजी करते हो या बाएं हाथ से। अगर हम टीम में कोई परिवर्तन करते हैं तो वह पिच की स्थिति निर्भर करेगा।'

उन्होंने कहा, 'जब भी हम टीम में कोई बदलाव करते हैं तो यह देखते हैं कि टीम में शामिल होने वाला खिलाड़ी टीम में क्या नया जोड़ सकता है तथा बाहर होने वाले खिलाड़ी से क्या नुकसान होगा। इसलिए हम इसे बाएं या दाएं हाथ के खिलाड़ी के बजाय समग्र रूप में देखते हैं।' ग्रीन पार्क की पिच से स्पिनर को मदद मिल सकती है जिससे दोनों टीम अपने एक तेज गेंदबाज को बाहर कर सकती हैं। लेकिन हथुरुसिंघे ने कहा कि उन्हें अभी नहीं पता कि किस विकेट पर मैच खेला जाएगा। उन्होंने कहा, 'हमने पिच को देखा है लेकिन मैदानकर्मियों ने दो विकेट तैयार कर रखे हैं। उन्होंने हमें यह नहीं बताया कि किस विकेट पर मैच खेला जाएगा। हमें इसके बारे में कल ही पता चलेगा।'

हैरी के शतक से इंग्लैंड ने तीसरे एकदिवसीय में ऑस्ट्रेलिया को हराया

-कंगारुओं का एक साल से जारी जीत का सिलसिला रुका

चेस्टर ली स्ट्रीट (एजेंसी)। कप्तान हैरी ब्रूक के शानदार शतक से इंग्लैंड ने 5 मैचों की एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज के तीसरे मुकाबले में विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को हरा दिया। इस हार के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई टीम का पिछले एक साल से चला आ रहा जीत का सिलसिला रुक गया। ऑस्ट्रेलियाई टीम को लगातार 14 जीत के बाद पहली हार मिली है। हैरी ने इस मैच में आक्रामक बल्लेबाज करते हुए नाबाद 110 रन बनाये। इस जीत के साथ ही इंग्लैंड ने सीरीज में वापसी भी कर ली है हालांकि वह सीरीज में अभी भी 1-2 से पीछे है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले दोनो मैच जीते थे।

वहीं ऑस्ट्रेलिया ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 304 रन बनाये। इसके बाद जीत के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने आक्रामक बल्लेबाजी की। इसका कारण था कि मैच में बारिश का साया मंडरा रहा था। हैरी ने शुरुआती विकेट गिरने के बाद भी तूफानी खेल जारी रखा। जिससे 38वें ओवर में जब बारिश आई तो इंग्लैंड की टीम डकवर्थ लुइस नियम के अनुसार लक्ष्य से 46 रन आगे पहुंच गयी। इस प्रकार उसने ये मैच 46 रनों से जीत लिया।

ऑस्ट्रेलिया की टीम को करीब एक साल बाद हार का सामना करना पड़ा है।

इंग्लैंड की जीत में हैरी ब्रूक के अलावा विल जैक्स की भी अहम भूमिका रही। जब ये दोनो बल्लेबाजी कर रहे थे तब टीम ने 11 रनों पर ही 2 विकेट खो दिये थे। ऐसे में इन दोनों बल्लेबाजों ने गेंदबाजों पर हमला बोल दिया। इसका अंदाजा इसी से लगता है कि हैरी और जैक्स ने 147 गेंद में 6 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 156 रन बना दिये। जैक्स ने 82 गेंद में 84 रन बनाए। उनके आउट होने के बाद जैमी स्मिथ भी 7 रन ही बना पाये। हैरी 94 गेंद पर 110 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं लियाम लिविंगस्टन ने 20 गेंद पर 33 रन बनाये।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने एलेक्स कैरी 77और स्टीव स्मिथ 60 के अर्धशतकों की सहायता से 7 विकेट पर 304 रन बनाए। इसके अलावा ग्लेन मैक्सवेल 30 और एरॉन हार्डी 44 ने भी अंत में अच्छी बल्लेबाजी की।

मुझे पूरा भरोसा है कि टीम इंडिया विश्व कप जीतेगी: बड़े इवेंट से पहले बोली पूनम यादव

नई दिल्ली (एजेंसी)। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाले बहुप्रतीक्षित आईसीसी महिला टी20 विश्व कप से पहले भारतीय महिला टीम (आईएनडीडब्ल्यू) की लेग स्पिनर पूनम यादव ने कहा कि मुझे पूरा भरोसा है कि टीम इंडिया विश्व कप जीतेगी। भारत 4 अक्टूबर को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने टी20 विश्व कप अभियान की शुरुआत करेगा। टूर्नामेंट से पहले भारत वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अभ्यास मैच खेलेगा।

पूनम ने कहा, 'कोच अमोल मजूमदार ने टीम की फील्डिंग और फिटनेस को बेहतर बनाने पर काफी ध्यान दिया है। उन्होंने 10 दिवसीय स्किल कैंप का भी आयोजन किया। मेरा मानना है कि चीजें सुधर रही हैं और कैंप में शामिल सभी लड़कियां कड़ी मेहनत कर रही हैं। जब आप ऐसे कैंप का हिस्सा होते हैं, तो आपको अपनी प्लेइंग पोजीशन के बारे में स्पष्टता मिलती है, कौन किस पोजीशन पर अहम भूमिका निभाता है और आपको कहां गेंदबाजी करनी चाहिए। इससे गलतियों को सुधारने में मदद मिलती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि आप विश्व कप में उन्हें न दोहराएं। मुझे पूरा विश्वास है कि टीम इंडिया विश्व कप जीतेगी।'

आगामी महिला टी20 विश्व कप 2024 में पूनम यादव को भारत की टीम में शामिल नहीं किया गया। भारत 2020 में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में अपने पहले टी20 विश्व कप फाइनल में पहुंचा, यह मायावी खिताब जीतने की उम्मीदों से भरी रात थी। हालांकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 185 रनों का पीछा करते हुए हरमनप्रीत की

टीम 99 रन पर आउट हो गई। 2022 में टी20 विश्व कप के पिछले संस्करण में भारत एक बार फिर सेमीफाइनल में पहुंचकर इतिहास रचने के करीब पहुंच गया था। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया एक बार फिर अंतिम चार में बाधा साबित हुआ।

टी20 विश्व कप की अगुवाई में भारत के नतीजे मिले-जुले रहे हैं। वे इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज हार गए, लेकिन हरमनप्रीत की टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ लगातार दो सीरीज जीतकर वापसी की। जुलाई में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की टी20 सीरीज ड्रॉ पर समाप्त हुई। एशिया कप 2024 में भारत फाइनल में श्रीलंका से हार गया, जो पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहा।

भारतीय टीम : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शैफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), पूजा वस्त्राकर, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, दयालन हेमलता, आशा शोभना, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल, सजना सजीवन।

ट्रैवलिंग रिजर्व : उमा छेत्री (विकेटकीपर), तनुजा कंवेर, साइमा ठाकोर।

गैर-यात्रा आरक्षित : राघवी बिस्ट, प्रिया मिश्रा।

महिला टी20 विश्व कप के टिकटों की बिक्री शुरू, 18 साल से कम उम्र वालों को फी एंट्री

दुबई। संयुक्त अरब अमीरात में अगले महीने से शुरू होने वाले महिला टी20 विश्व कप के टिकटों की बिक्री बुधवार से शुरू हो गई है जिसमें सबसे कम कीमत वाला टिकट पांच दिरहम (लगभग 114 रुपए) का है। टूर्नामेंट का पहला मैच तीन अक्टूबर को खेला जाएगा और इस तरह से प्रतियोगिता शुरू होने से केवल एक सप्ताह पहले टिकट बिक्री के लिए जारी किए गए हैं। पहले इस टूर्नामेंट का आयोजन बांग्लादेश में होना था लेकिन वहां राजनीतिक अशांति के चलते इसकी मेजबानी संयुक्त अरब अमीरात को सौंपी गई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बयान में कहा, 'टिकटों की कीमत दर्शकों की पहुंच को ध्यान में रखकर तय की गई है। सबसे कम कीमत वाला टिकट पांच दिरहम जबकि प्रीमियम सीट का टिकट 40 दिरहम (लगभग 910 रुपए) का है। जिस दिन दो मैच खेले जाएंगे उस दिन एक ही टिकट से दोनों मैच के लिए प्रवेश मिलेगा।'

कानपुर टेस्ट के लिए रोहित-गंभीर ने किया पिच का निरीक्षण, मस्ती के मूड में दिखे विराट कोहली

कानपुर। 27 सितंबर से भारत और बांग्लादेश के बीच कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में दूसरा टेस्ट मैच खेला जाएगा। इस टेस्ट के लिए टीम इंडिया ने तैयारी शुरू कर दी है। कप्तान रोहित शर्मा और हेड कोच गौतम गंभीर ने पिच का मुआयना किया और विराट कोहली ने इस दौरान जमकर बल्लेबाजी की प्रैक्टिस की। इससे पहले चेन्नई टेस्ट में भारत ने बांग्लादेश को हराकर सीरीज में अजेय बढ़त बना ली है। अक्षर पटेल को चेन्नई टेस्ट में खेलने का मौका नहीं मिला था। रविंद्र जडेजा के रहते हुए अक्षर का प्लेइंग 11 में जगह बना पाना मुश्किल ही नजर आ रहा है। जसप्रीत बुमराह ने चेन्नई टेस्ट में दमदार गेंदबाजी की थी, अब दूसरे टेस्ट में भी उनसे ऐसी ही उम्मीद होगी। कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम की पिच दूसरे टेस्ट मैच के लिए कैसी होगी, इसका मुआयना करते हुए कप्तान रोहित शर्मा नजर आए। रोहित शर्मा प्रैक्टिस सेशन के दौरान पिछ को परखते हुए भी दिखे। गौतम गंभीर और विराट कोहली के बीच भले ही आईपीएल के दौरान मैदान पर फाइट देखने को मिली है, लेकिन जबसे गौतम गंभीर टीम इंडिया के हेड कोच बने हैं, उनके और विराट के बीच काफी बढ़िया केमेस्ट्री देखने को मिली है। कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में प्रैक्टिस के दौरान गंभीर और विराट की इस फोटो को कैप्शन आप खुद दे दीजिए। कप्तान रोहित शर्मा को मालूम है कि पिच का रोल कितना अहम हो सकता है। कानपुर टेस्ट में ग्रीन पार्क स्टेडियम में इसी पिच पर टेस्ट मैच खेला जाना है। रोहित के लिए पिच को परखना इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि इसके हिसाब से ही उन्हें प्लेइंग इलेवन भी चुनना होगा। टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर और असिस्टेंट कोच अभिषेक नायर दोनों ही पिच को परखने में लगे हैं। अक्षर पटेल के लिए भले ही प्लेइंग 11 में जगह बनती ना नजर आ रही हो, लेकिन प्रैक्टिस सेशन में उनकी एनर्जी में कोई कमी नजर नहीं आ रही है।

सचिन का रिकॉर्ड न भी तोड़ पाए तब भी सर्वकालिक महान खिलाड़ी बन जाएंगे जो रूट : इयान बेल

जोधपुर (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज इयान बेल का मानना है कि जो रूट अगर सचिन तेंदुलकर के 15,921 रन के टेस्ट रिकॉर्ड को नहीं तोड़ पाते हैं तो भी वह टेस्ट क्रिकेट में उनके देश के सर्वकालिक महान बल्लेबाज बन जाएंगे। रूट हाल ही में श्रीलंका के दिग्गज बल्लेबाज कुमार संगकारा को पीछे छोड़ते हुए सबसे लंबे प्रारूप में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में छठे स्थान पर पहुंच गए थे।

बेल ने लीजेंड्स लीग क्रिकेट के अवसर पर कहा, 'रूट ने पिछले 12 महीनों अविश्वसनीय रूप से शानदार प्रदर्शन किया है। मुझे नहीं लगता कि वह भविष्य के बारे में बहुत कुछ सोच रहा है। वह उसी क्षण में जी रहा है जैसे हम जी रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'सचिन जैसे महानतम खिलाड़ी के करीब पहुंचना भी बड़ी उपलब्धि है। सचिन खेल का वास्तव में महान खिलाड़ी है जिनको खेलते हुए देखकर हम बड़े हुए हैं। वह केवल भारतीय क्रिकेट प्रेमियों

के ही नहीं बल्कि दुनिया भर के लोगों के लिए नायक हैं।'

इंग्लैंड की तरफ से 118 टेस्ट मैच खेलने वाले 42 वर्षीय बेल ने अपने पूर्व साथी के बारे में कहा, 'यह सोचना भी बड़ी उपलब्धि है कि रूट सचिन के करीब पहुंच सकता है। वह सचिन का रिकॉर्ड तोड़ पाए हैं या नहीं, इसमें कोई संदेह नहीं कि वह इंग्लैंड के सर्वकालिक महान बल्लेबाज के रूप में जाने जाएंगे।' रूट अभी 33 वर्ष के हैं और उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 12402 रन बनाए हैं। इस तरह से वह तेंदुलकर के रिकॉर्ड से अभी 3519 रन पीछे हैं। बेल को लगता है कि इंग्लैंड के बहुचर्चित बैजबॉल दृष्टिकोण ने मौजूदा खिलाड़ियों की प्रतिभा को उजागर किया है।

उन्होंने कहा, 'एक प्रशंसक के तौर पर आपको परिणामों को देखना होगा। जब से ब्रेंडन (मैकुलम) इंग्लैंड की टीम में आए हैं और (बेन) स्टोक्स ने कमान संभाली है, टीम ने अच्छे परिणाम हासिल किए हैं। वे जैक क्रॉली, ओली पोप, हैरी ब्रूक जैसे युवा खिलाड़ियों से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाने में सफल रहे हैं।'

इंग्लैंड विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के पहले दो चक्र में फाइनल में पहुंचने के दावेदारों में शामिल नहीं रहा और बेल का मानना है कि अगले चक्र में घरेलू श्रृंखलाओं में जीत दर्ज करना महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने कहा, ''मुझे पूरा यकीन है कि उनकी नजर अगले 12 महीनों पर है, जिसमें उन्हें भारत के खिलाफ घरेलू मैदान पर पांच टेस्ट मैच खेलने हैं, जो एक बड़ी चुनौती होगी।' बेल ने कहा, 'भारत अभी दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है और उसके बाद इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलिया का दौरा करना है। इंग्लैंड की टीम के लिए यह 10 टेस्ट मैच बेहद महत्वपूर्ण होंगे और वे इसके लिए खुद को तैयार कर रहे हैं।'

एम्बाप्पे ने फिर दागा गोल, रियाल मैड्रिड को दिलाई एक और जीत

मैड्रिड। किलियन एम्बाप्पे ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए पिछले पांच मैच में अपना छठा गोल दागा जिससे रियाल मैड्रिड ने स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में अलावेस को 3-2 से हराया। एम्बाप्पे को खेल के 40वें मिनट में बॉक्स के अंदर गेंद मिली और उन्होंने एक डिफेंडर को छकाकर बड़ी खूबसूरती से उसे गोल में बदल दिया। एम्बाप्पे को मांसपेशियों में खिंचाव के कारण 80वें मिनट में मैदान छोड़ना पड़ा था। लूकास वाजक्वेज और रोड्रिगो ने भी मैड्रिड की तरफ से गोल किए। इससे मैड्रिड ने स्पेनिश लीग में अपने अजेय अभियान को 39 मैच तक पहुंचा दिया है। इसमें पिछले सत्र की 29 जीत और 10 ड्रॉ भी शामिल हैं। अलावेस ने 85वें मिनट में कार्लोस बेनाविदेज़ और 86वें मिनट में किके गार्सिया के गोल की मदद से वापसी की अच्छी कोशिश की लेकिन अंतिम क्षणों में कुछ अच्छे मौके मिलने के बावजूद वह बराबरी नहीं कर पाया। एम्बाप्पे के अब मैड्रिड के साथ सभी प्रतियोगिताओं में 9 मैचों में सात गोल हो गए हैं। स्पेनिश लीग में उनके नाम पांच गोल हैं और वह बार्सिलोना के रॉबर्ट लेवांडोव्स्की से एक गोल पीछे हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट में इतिहास रच सकते हैं रविंद्र जडेजा

कानपुर (एजेंसी)। भारत के ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा बांग्लादेश के खिलाप दूसरे टेस्ट में ऐतिहासिक रिकॉर्ड बना सकते हैं। उन्होंने पहले टेस्ट की पहली पारी में 86 रन की पारी खेलने के बाद दोनों पारियों में 5 विकेट झटके थे। दरअसल, रविंद्र जडेजा के नाम 73 टेस्ट में 299 विकेट हैं। वह एक विकेट और लेते हैं टेस्ट क्रिकेट में अपने 300 विकेट पूरे कर लेंगे। वह ऐसा करने वाले भारत के पहले ही लेफ्ट आर्म स्पिनर बनेंगे। दुनिया में अब तक 2 ही लेफ्ट आर्म स्पिनर्स 300 टेस्ट विकेट ले सके हैं। इनमें श्रीलंका के रंगना हेराथ 233 विकेट के साथ पहले और न्यूजीलैंड के डेनियल विटोरी 362 विकेट के साथ दूसरे नंबर पर काबिज हैं। अगर जडेजा भी ये उपलब्धि हासिल कर लेते हैं तो वह ऐसा करने वाले दुनिया के तीसरे लेफ्ट आर्म स्पिनर बन जाएंगे। 35 वर्षीय जडेजा हर मैच में औसतन 4 विकेट ले रहे हैं। रंगना हेराथ से आगे निकलने के लिए उन्हें 134 विकेट और चाहिए। 4 विकेट के औसत से देखें तो ऐसा करने के लिए उन्हें 34 टेस्ट और लगेंगे। भारत एक साल में औसत 10 से 12 टेस्ट खेलता है यानी जडेजा को 34 टेस्ट खेलने में 4 साल और लग सकते हैं।

हॉकी द्विपक्षीय सीरीज के लिए जर्मनी से भिड़ेगी भारतीय हॉकी टीम, हॉकी इंडिया ने किया ये ऐलान

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष हॉकी टीम 23 और 24 अक्टूबर को मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में जर्मनी के साथ दो मैचों की द्विपक्षीय सीरीज खेलेगी। हॉकी इंडिया ने ये घोषणा की। भारत ने पिछली बार जर्मनी का सामना पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में किया था जहां यूरोप की दिग्गज टीम ने 3-2 से जीत दर्ज की थी। भारत ने ओलंपिक में तीसरे स्थान के प्ले ऑफ में स्पेन को हराकर कांस्य पदक जीता था। वहीं हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा कि, जर्मनी के खिलाफ ये द्विपक्षीय सीरीज विश्व स्तरीय हॉकी का एक उल्लेखनीय प्रदर्शन होगी। भारत और जर्मनी दोनों का खेल में

एक समृद्ध इतिहास है और ये सीरीज फैंस को दुनिया की दो सबसे मजबूत टीमों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने का अवसर देगी। हम इस सीरीज की मेजबानी से सम्मानित महसूस कर रहे हैं। इससे ना केवल हॉकी की भावना को बढ़ावा मिलेगा बल्कि दोनों देशों के बीच रिश्ते भी मजबूत होंगे। वहीं भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने मंगलवार को कहा कि वह जर्मनी के खिलाफ दो मैचों की द्विपक्षीय सीरीज का इंतजार कर रहे हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि 23 और 24 अक्टूबर को होने वाले मैच से उनकी टीम को खुद को परखने का मौका मिलेगा और इससे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लोगों में इस खेल के प्रति भावना को पुनर्जीवित करने में मदद मिलेगी।

प्रमुख घरेलू टूर्नामेंट में खेलते नजर आएंगे विराट कोहली, आगामी सत्र के लिए संभावित टीम में शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्टार भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली आगामी रणजी ट्रॉफी टूर्नामेंट में खेलते हुए नजर आएंगे। उनके साथ विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत भी हो सकते हैं जिन्हें दिल्ली की संभावित खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया गया है। भारतीय क्रिकेट में प्रमुख घरेलू रेड-बॉल टूर्नामेंट 11 अक्टूबर से शुरू हो रहा है। इसी तारीख को दिल्ली अपने एलीट प्लेट ग्रुप डी मैच में छत्तीसगढ़ से खेलेगी।

संभावित खिलाड़ियों की सूची में अंतरराष्ट्रीय/इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के सितारे ऋषभ पंत, नवदीप सैनी, आयुष बदोनी, अनुज रावत, यश दुल आदि भी शामिल हैं। पंत ने हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ भारत की घरेलू श्रृंखला से पहले दलीप ट्रॉफी में हिस्सा लिया था। बांग्लादेश के खिलाफ पहले चेन्नई टेस्ट में पंत ने शानदार शतक बनाया और धमाकेदार वापसी करते हुए टेस्ट टीम में वापसी की।

दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (DDCA) की ओर से 84 संभावित खिलाड़ियों की सूची की घोषणा करते हुए एक पत्र में कहा गया, 'आज 24 सितंबर 2024 को शाम 5:30 बजे DDCA में आयोजित सीनियर पुरुष चयन समिति की बैठक में गुरशरण सिंह (अध्यक्ष), के भास्कर पिल्लई (चयनकर्ता), राजीव विनायक (चयनकर्ता), सरनदीप सिंह (मुख्य कोच और राजन मनचंदा (संयुक्त सचिव) उपस्थित थे। समिति ने 2024-25 के घरेलू सत्र में आगामी रणजी ट्रॉफी टूर्नामेंट के लिए दिल्ली पुरुष सीनियर टीम में विचार के लिए निम्नलिखित संभावित खिलाड़ियों का चयन किया है। चयनित खिलाड़ियों के लिए फिटनेस टेस्ट 26 सितंबर 2024 को होगा, जिसमें स्थल का विवरण टीम मैनेजर द्वारा बताया जाएगा।'

पत्र में यह भी कहा गया, 'अंतरराष्ट्रीय ड्यूटी पर खिलाड़ियों को फिटनेस टेस्ट से छूट दी गई है। इसके अलावा 23 वर्ष से कम उम्र के खिलाड़ियों को, यदि रणजी ट्रॉफी टीम के लिए नहीं चुना जाता है, तो उन्हें ट्रायल में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी।' पत्र में कहा गया है, 'अंडर-23 श्रेणी के लिए चयनकर्ताओं का अंतिम निर्णय संबंधित श्रेणियों में खिलाड़ियों की नियुक्ति पर होगा।'

विशेष रूप से विराट ने रणजी में अपना अंतिम मैच नवंबर 2012 में उत्तर प्रदेश के खिलाफ खेला था जिसमें वे तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की गेंद पर दोनों पारियों में 14 और 42 रन बनाकर आउट हो गए थे। 146 प्रथम श्रेणी मैचों में विराट ने 49.86 की औसत से 11,120 रन बनाए हैं जिसमें 36 शतक और 38 अर्द्धशतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 254* है। 11 अक्टूबर को होने वाला यह रणजी ट्रॉफी मैच 16 अक्टूबर से बेंगलुरु में भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले पहले टेस्ट से पहले होगा और इससे विराट को घरेलू परिस्थितियों में कुछ जरूरी खेल खेलने का मौका मिल सकता है, क्योंकि इस साल वे फॉर्म हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

होम क्रेडिट इंडिया ने लांच किया नया दीवाली कैंपेन #शानदार दीवाली

रांची : होम क्रेडिट इंडिया, अग्रणी वैश्विक कंज्यूमर फाइनेंस प्रदाता कंपनी की स्थानीय शाखा, ने अपना नया त्योहारी कैंपेन #शानदारदीवाली लॉन्च किया है, जो #जिंदगीहिट! के ब्रांड विचार के तहत है। देश भर के ग्राहकों में त्योहार के मौके पर उत्साह जगाने के उद्देश्य से, यह ब्रांड कैंपेन होम क्रेडिट इंडिया के वित्तीय समाधानों की आसानी और सुविधा को रेखांकित करता है। नया एवी अब सभी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाइव है, जिसमें होम क्रेडिट इंडिया के सोशल चैनल जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स (ट्विटर), यूट्यूब और लिंक्डइन शामिल हैं। #शानदार दीवाली कैंपेन दिवाली के उत्सवों को हल्के-फुल्के अंदाज में पेश करता है, जिसमें श्रीमान और श्रीमती शर्मा को अपने बच्चों के साथ त्योहार की तैयारी करते हुए दिखाया गया है। एवी की शुरूआत पड़ोस की आंटियों से होती है जो शर्मा के घर की ओर बढ़ रही हैं और एक दूसरे के आभूषणों की तारीफ करते हुए शर्मा परिवार के घर के पुराने उपकरणों पर चुटकी ले रही हैं। जब वे घर के परिसर में पहुंचती हैं, तो वे सजावट से प्रभावित होती हैं लेकिन शर्मा परिवार पर टिप्पणी करके उन्हें नीचा दिखाने की कोशिश करती रहती हैं जैसे ₹सजावट पर इतना पैसा खर्च करने से अच्छा नया फ्रिज ले लेते₹। हालांकि, जब आंटियां घर के अंदर कदम रखती हैं, तो वे हैरान रह जाती हैं क्योंकि उन्हें कई नए और चमचमाते उपकरणों का नजारा दिखता है। उनके हैरान चेहरे देखकर, श्रीमान शर्मा प्रसन्नता से मुस्कुराते हुए बताते हैं कि उन्हें होम क्रेडिट इंडिया के रूप में कन्ज्यूमर ड्यूरेबल्स और मोबाइल के वित्तपोषण में एक भरोसेमंद पार्टनर मिला है। कैंपेन में, आपसी बातचीत के जरिए हास्यपूर्ण ढंग से दिखाया गया है कि कैसे होम क्रेडिट इंडिया के वित्तीय समाधान ग्राहकों को गर्व से चहकते हुआ बनाते हैं और उनके आलोचकों को हैरान कर देते हैं - उन्हें अपने सरल, सुलभ और ग्राहक-अनुकूल सुविधाओं के साथ ₹शानदार₹ उत्सव मनाने में सक्षम बनाते हैं। कैंपेन होम क्रेडिट इंडिया के सुविधाजनक वित्तपोषण विकल्पों के साथ जीवनशैली को उन्नत करने के भाव को भी खूबसूरती से पकड़ता है। नए दिवाली कैंपेन पर बोलते हुए, होम क्रेडिट इंडिया के मुख्य विपणन अधिकारी, आशीष तिवारी ने कहा, ₹ #शानदार दीवाली कैंपेन इस बात का उदाहरण है कि कैसे होम क्रेडिट व्यक्तियों को अपने जीवन स्तर को ऊपर उठाने और अपने उत्सवों में गहरा अर्थ जोड़ने का अधिकार देता है। हम एक दशक से अधिक समय से भारत भर के परिवारों की मदद कर रहे हैं, उनके सपनों को हमारे आसान ईएमआई के साथ वास्तविकता में बदल रहे हैं और अनिश्चितता या आलोचना के लिए कोई जगह नहीं छोड़ रहे हैं। हमें अपने ग्राहकों के विश्वसनीय भागीदार होने पर बहुत गर्व है और हम प्रत्येक त्योहार को और अधिक भव्य और यादगार बनाने का प्रयास करते हैं, इस प्रकार बनाते हैं उनकी #जिंदगी हिट₹। वर्तमान में 625 से अधिक शहरों में 53,000 से अधिक प्वाइंट आफ सेल (पीओएस) के विशाल नेटवर्क के जरिए 17 मिलियन से अधिक ग्राहकों की सेवा कर रहे होम क्रेडिट इंडिया ने एक जिम्मेदार उपभोक्ता ऋणदाता के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत किया है। ब्रांड अपने वित्तीय साक्षरता अभियान, ₹पैसे की पाठशाला₹ के जरिए 30 लाख से ज्यादा व्यक्तियों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ है, जो समाज में उत्तरदायी ऋण लेने की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है और जिम्मेदारी के साथ ऋण देने की प्रवृत्ति के प्रति होम क्रेडिट इंडिया की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।

मैन ऑफ मासेस एनटीआर जूनियर को बियॉन्ड फेस्ट, यूएसए में जोरदार स्वागत

मुंबई : एनटीआर जूनियर, मैन ऑफ द मासेस का लॉस एंजिल्स में बियॉन्ड फेस्ट 2024 में जबरदस्त स्वागत किया गया। दुनिया भर में सर्वश्रेष्ठ शैली के सिनेमा का प्रदर्शन करने के लिए जाने जाने वाले बियॉन्ड फेस्ट को आरआरआर की विशेष स्क्रीनिंग के लिए सुपरस्टार की मेजबानी करने का सम्मान मिला। जैसे ही एनटीआर जूनियर मंच पर आए, माहौल उत्साह से भर गया - भीड़ ने तालियां बजाना और जयकारे लगाना शुरू कर दिया, जो अंततः खड़े होकर की गई तालियों की गड़गड़ाहट में बदल गया, जो उनके ग्लोबल फैंस की गर्मजोशी और प्रशंसा को पूरी तरह से प्रतिबिंबित करता था। जहां आरआरआर ने नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान हासिल की, वहीं देवरा ने अपने थिएट्रिकल प्रदर्शन से पहले ही शानदार चर्चा हासिल कर ली है। अमेरिका में फिल्म की प्री-सेल अभूतपूर्व है, तथा इसको लेकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्सुकता ऐतिहासिक है। आरआरआर स्क्रीनिंग के बाद, फेस्टिवल 26 सितंबर 2024 को एलए के मिस्री थिएटर में एनटीआर जूनियर की बहुप्रतीक्षित थ्रिलर देवरा: पार्ट 1 का वर्ल्ड प्रीमियर आयोजित होगा। स्क्रीनिंग के दौरान सिर्फ.नौ मिनट में ही टिकटें बिक गईं, 516 सीटों पर कब्जा कर लिया गया - जिनमें से 90 फीसदी पश्चिमी दर्शकों ने खरीदीं। यह उल्लेखनीय उपलब्धि एनटीआर जूनियर की अपार ग्लोबल अपील को रेखांकित करती है। देवरा ने अपनी थिएट्रिकल रिलीज से पहले ही बियॉन्ड फेस्ट में वर्ल्ड प्रीमियर हासिल करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर ली है। इस तरह के प्रतिष्ठित फेस्टिवल द्वारा चुना जाना ग्लोबल और एनटीआर जूनियर के स्टारडम के दूरगामी प्रभाव को दर्शाता है। कोराताला शिवा द्वारा निर्देशित, देवरा: भाग 1 में एनटीआर जूनियर, सैफ अली खान और जान्हवी कपूर हैं, और यह 27 सितंबर 2024 को दुनिया भर में रिलीज होने के लिए तैयार है।

भाजपा का दावा कहा- जम्मू कश्मीर में मिलेगी ऐतिहासिक जीत

राजौरी (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव जीतने के लिए सभी दल आशान्वित हैं। सबके अपने अपने दावे हैं और भाजपा का भी अपना दवा है इस पर उसे ऐतिहासिक जीत मिलने जा रही है। जम्मू-कश्मीर भाजपा के अध्यक्ष रवींद्र रैना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर में आज विधानसभा चुनाव के लिए दूसरे चरण का मतदान है और यह हमारे लोकतंत्र के लिए बहुत बड़ा दिन है। वोट डालने के बाद रविंद्र रैना ने कहा कि जनता का समर्थन भाजपा को मिल रहा है। मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए निकले हैं। मतदान केंद्रों पर लंबी कतारें देखी जा रही हैं। नौशेरा विधानसभा क्षेत्र जो एलओसी से सटा इलाका है, यहां वोटिंग हो रही हैं। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि जम्मू-कश्मीर में भाजपा की जबरदस्त जीत होगी और हमारी सरकार बनेगी। जीत के बाद मुख्यमंत्री के लिए जो भी चेहरा होगा वो स्वीकार्य होगा।

जम्मू-कश्मीर भाजपा के अध्यक्ष रवींद्र रैना ने बुधवार सुबह नौशेरा स्थित ठाकुरद्वारा मंदिर में पूजा-अर्चना की और उसके बाद मतदान करने पहुंचे। उन्होंने बातचीत करते हुए कहा कि वह फर्स्ट टाइम वोटर हैं। हम यहां के विकास की बात कर रहे हैं। पिछले समय में भाजपा ने जो विकास किया है, वह स्पष्ट है। जम्मू में भी बहुत विकास हुआ है। हम अपनी आने वाली सरकार से यही उम्मीद करते हैं कि पहले से हुए विकास के साथ-साथ और भी विकास हो। उन्होंने कहा कि अगर हम आतंकवाद की बात करें, तो उस पर भी काफी नियंत्रण हो चुका है। पहले जब हम श्रीनगर जाते थे तो डरते थे। लेकिन आज हम वहां घूमने के लिए भी सुरक्षित तरीके से जा रहे हैं। इस प्रकार, भाजपा ने हमें सुरक्षा प्रदान की है। आने वाले समय में भी हम यही उम्मीद करते हैं कि और विकास होगा और हमें और सुरक्षा मिलेगी।बता दें कि जम्मू कश्मीर में करीब दस साल बाद चुनाव हो रहे हैं। इसी कड़ी में बुधवार को कश्मीर के तीन जिलों की 15 सीट और जम्मू के तीन जिलों की 11 सीट पर वोट डाले जा रहे हैं।

राहुल गांधी ने कहा- मोदी सरकार अडानी और अंबानी जैसे अरबपतियों के लिए चलती

जम्मू (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर में जनसभा को संबोधित कर लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा जम्मू-कश्मीर को वहां के लोग नहीं चलाते हैं, आज जम्मू-कश्मीर को दूसरे राज्य के लोग चलाते हैं...कांग्रेस ने सोचा था कि चुनाव से पहले आपको राज्य का दर्जा वापस मिले और यह सही तरीका होता...लेकिन पहले चुनाव करा दिए...हम चाहते हैं कि जल्द से जल्द जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा आपको वापस मिले। राहुल गांधी ने कहा आज देश की सरकार अडानी और अंबानी जैसे अरबपतियों के लिए चलती है। जीएसटी एक हथियार है, जिससे जम्मू-कश्मीर के छोटे और मध्यम कारोबार पर हमला किया गया। सच्चाई यही है कि नोटबंदी और गलत जीएसटी ने देश के लाखों बिजनेस खत्म कर दिए। मोदी सरकार ने अडानी-अंबानी जैसे लोगों का 16 लाख करोड़ रुपए का कर्ज माफ किया है। लेकिन..जम्मू-कश्मीर के किसानों, छोटे व्यापारियों, एजुकेशन लोन लेने वाले युवाओं या अस्पताल में इलाज करवा रहे गरीबों का एक रुपया भी माफ नहीं किया। जब आप बैंक लोन लेकर पैसा वापस नहीं करते, तब आपको जेल में डाल दिया जाता है। वहीं अडानी-अंबानी को और कर्ज दे दिया जाता है। राहुल गांधी ने कहा नरेंद्र मोदी मेक इन इंडिया की बात करते हैं, लेकिन सारे के सारे कॉन्ट्रैक्ट अडानी को मिल जाते हैंद्य हथियार और ड्रोन इजराइल की कंपनी बनाती है, लेकिन उस पर लेबल अडानी का लगाकर मेक इन इंडिया कहते हैंद्य राहुल ने कहा जम्मू यहां का सेंट्रल हब है..जो कश्मीर के बिजनेस और प्रोडक्शन को पूरे देश से जोड़ता है। लेकिन बीजेपी सरकार ने इस सेंट्रल हब के रोल को खत्म कर दिया।

मानसून विदा होने से पहले कई राज्यों में करेगा झमाझम बारिश

नई दिल्ली। अब मानसून चला चली की बेला में है,लेकिन जाते जाते कई राज्यों में झमाझम बारिश करने के मूड में है।अगले 2 दिनों के दौरान उत्तर पश्चिम के अधिकांश हिस्सों में बारिश के आसार हैं। 28 सितंबर को पूर्वी उत्तर प्रदेश में भारी से अति भारी बारिश के आसार हैं। 26 सितंबर को हिमाचल प्रदेश, 26-27 सितंबर को उत्तराखंड, 28 सितंबर को पश्चिम उत्तर प्रदेश, 27 से 29 सितंबर तक पूर्वी उत्तर प्रदेश में भारी बारिश के आसार हैं। अगले 3 दिनों के दौरान गंगीय पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, ओडिशा में हल्की या मध्यम बारिश हो सकती है।

मौसम विज्ञान विभाग ने जानकारी दी है कि अब तक मॉनसून राजस्थान, गुजरात, पंजाब और हरियाणा के कुछ हिस्सों से विदा हो चुका है। हालांकि, जाते-जाते भी मॉनसून पूर्व से लेकर पश्चिम और दक्षिण से लेकर उत्तर तक राज्यों को बारिश का तोहफा देने वाला है। मौसम विभाग ने इस सप्ताह उत्तर प्रदेश समेत 10 से ज्यादा राज्यों में बारिश की संभावनाएं जताई हैं। 30 सितंबर के पहले जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ से मॉनसून विदा हो सकता है। पश्चिम बंगाल, सिक्किम में अगले 7 दिनों के दौरान बारिश के आसार हैं। पूर्वोत्तर के भी अधिकांश राज्यों में इस सप्ताह झमाझम बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने बताया है कि मध्य भारत के विदर्भ, छत्तीसगढ़ में अगले 3 दिन और सप्ताह में मध्य प्रदेश में बारिश हो सकती है। 25 से 27 सितंबर के बीच मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़ में 26 सितंबर तक बहुत भारी बारिश की संभावनाएं हैं। मौसम विभाग के अनुसार, कोंकण, गोवा, मध्य महाराष्ट्र में 27 सितंबर तक भारी बारिश के आसार हैं। मराठवाड़ा में 25 सितंबर, सौराष्ट्र और कच्छ में 28 सितंबर तक, गुजरात क्षेत्र में 28 सितंबर को भारी बारिश हो सकती है। दक्षिण भारतीय राज्य केरल, माहे में 25, 29 और 30 सितंबर, तटीय आंध्र प्रदेश, यानम, तेलंगाना, कर्नाटक में 25 सितंबर को भारी बारिश की संभावनाएं हैं।

'मेक इन इंडिया' 10वीं सालगिराह: आंदोलन को सफल बनाने वालों को पीएम ने दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)।पीएम नरेन्द्र मोदी ने अपनी सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'मेक इन इंडिया' की 10वीं सालगिराह पर बुधवार को कहा कि इससे कई क्षेत्रों में निर्यात बढ़ा है, क्षमता का निर्माण हुआ है और अर्थव्यवस्था भी मजबूत हुई है।

पीएम मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि आज हम मेक इन इंडिया के दस साल का जश्न मना रहे हैं। मैं उन सभी को बधाई देता हूं जो पिछले दशक के दौरान इस आंदोलन को सफल बनाने के लिए भरपूर कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेक इन इंडिया देश को विनिर्माण और नवाचार का पावरहाउस बनाने के लिए 140 करोड़ भारतीयों के सामूहिक संकल्प को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह ध्यान देने वाली बात है कि इन दस सालों में कई क्षेत्रों में निर्यात कैसे बढ़ा है, क्षमता निर्माण हुआ है और अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार हरसंभव तरीके से मेक इन इंडिया को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। सुधारों में भारत की प्रगति भी जारी रहेगी। हम सब मिलकर आत्मनिर्भर और विकसित भारत का निर्माण करेंगे।

देश में निर्माण को बढ़ावा देने और संवर्धन के लिए पीएम मोदी ने 25 सितम्बर 2014 को मेक इन इंडिया कार्यक्रम की शुरुआत की थी। इसका उद्देश्य भारत को महत्वपूर्ण निवेश एवं निर्माण, संरचना तथा अभिनव प्रयोगों के वैश्विक केंद्र के रुप में विकसित करना था।

मेक इन इंडिया मुख्यतः निर्माण क्षेत्र पर केंद्रित है लेकिन इसका उद्देश्य देश में उद्यमशीलता को बढ़ावा देना भी है। इसका दृष्टिकोण निवेश के लिए माहौल बनाना, आधुनिक और कुशल बुनियादी संरचना, विदेशी निवेश के लिए नए क्षेत्रों को खोलना और सरकार और उद्योग के बीच एक साझेदारी का निर्माण करना है।

देश भर में बीते 6 साल में 813 लोगों की पुलिस मुठभेड़ में मौत, एक हजार से ज्यादा फर्जी मुठभेड़

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई से सटे बदलापुर के एक स्कूल में दो स्कूली छात्राओं से रेप का आरोपी अक्षय शिंदे पुलिस के साथ एनकाउंटर में मारा गया। उसी दिन उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में डकैती कांड के आरोपी अनुज प्रताप सिंह को भी पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया था। पुलिस ने दावा किया है कि दोनों आरोपियों ने आत्मरक्षा में पुलिस पर गोली चलाई थी, जिससे उसकी मौत हो गई। इधर महाराष्ट्र में अक्षय शिंदे का एनकाउंटर होने के बाद से राजनीतिक माहौल गरमा गया है। आईये एक नजर डालते हैं हालिया मुठभेड़ कार्रवाई पर...

देश में पहली मुठभेड़

भारत में पहली मुठभेड़ ब्रिटिश शासन के दौरान हुई थी। रम्पा आंदोलन के नायक अल्लूरी सीताराम राजू का 1922 में अंग्रेजों ने एनकाउंटर किया। यह आंदोलन राजू ने तत्कालीन मद्रास राज्य में ब्रिटिश शासन के खिलाफ आंध्र प्रदेश से शुरू किया था।

सबसे ज्यादा एनकाउंटर तेलंगाना में

1960 के बाद तेलंगाना की मांग जोर पकड़ने लगी। ऐसा कहा जाता है कि आंध्र प्रदेश से अलग तेलंगाना राज्य के निर्माण के लिए आंदोलन के दौरान पुलिस मुठभेड़ों में 3,000 प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई।

उत्तर प्रदेश में 7 साल में कई संदिग्ध मारे गए

कुछ समाचार चैनलों ने दावा किया है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल के दौरान राज्य में पुलिस मुठभेड़ों में कई लोगों की मौत हुई है। मीडिया ने दावा किया है कि उत्तर प्रदेश में हर 13 दिन में एक एनकाउंटर होता है।

हर तीन दिन बाद मुठभेड़

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक, देश में 6 साल में एनकाउंटर में 813 लोगों की मौत हो चुकी है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, 2016 से 2022 के बीच देश में हर तीन दिन में एक व्यक्ति पुलिस मुठभेड़ में मारा गया।

अंडरवर्ल्ड कनेक्शन और मुंबई

20वीं सदी में मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, गाजियाबाद शहरों में बड़ी संख्या में मुठभेड़ की खबरें आती थी। बताया जा रहा है कि पुलिस ने अंडरवर्ल्ड कनेक्शन और अवैध हथियार सप्लाई के मामले में एक नामी गैंगस्टर को मुठभेड़ में मार गिराया है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने कहा है कि 2002 से 2013 के बीच देश में कई फर्जी एनकाउंटर हुए।

मुठभेड़ों में 5 गुना वृद्धि

तत्कालीन केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने राज्यसभा में एक सवाल का जवाब देते हुए बताया था कि 2016 से 2024 के बीच लंबित मामलों में आरोपियों के एनकाउंटर की दर पांच फीसदी बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में मुठभेड़ों की संख्या 25 से बढ़कर 124 हो गयी है। उधर मानवाधिकार संगठनों का दावा है कि 2002 से 2023 के बीच देश में एक हजार से ज्यादा फर्जी एनकाउंटर किए गए। इसमें उत्तर प्रदेश में 231, राजस्थान में 33, महाराष्ट्र में 31, दिल्ली में 26 तथा आंध्र प्रदेश में 22 आदि फर्जी एनकाउंटर शामिल हैं।

सरकारी आंकड़ों में मध्यप्रदेश में बेरोजगारी दर एक फीसदी से भी कम

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के लिए अच्छी खबर है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक प्रदेश में बेरोजगारी दर एक फीसदी से भी कम है, जो देश के सबसे कम बेरोजगारी दर वाले राज्यों में से एक है। गुजरात भी इसी श्रेणी में आता है। इसके विपरीत, केरल और अन्य केंद्र शासित प्रदेशों में युवा बेरोजगारी दर सबसे ज्यादा है। जारी आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के आंकड़ों से पता चलता है कि केरल में 15-29 साल के आयु वर्ग में बेरोजगारी दर 29.9 फीसदी तक है, जिसमें महिलाओं की बेरोजगारी दर 47.1फीसदी और पुरुषों की 19.3फीसदी है।

पीएलएफएस के आंकड़ों के मुताबिक देशभर में 15 साल और उससे ज्यादा आयु वर्ग के लोगों के लिए कुल बेरोजगारी दर 2023-24 में 3.2फीसदी पर स्थिर रही। हालांकि, महिलाओं की बेरोजगारी दर पिछले साल के 2.9फीसदी से बढ़कर 3.2फीसदी हो गई। इसी आयु वर्ग के युवाओं की बेरोजगारी दर 10.2फीसदी पर पहुंच गई, जिसमें महिलाओं की बेरोजगारी दर 11फीसदी और पुरुषों की 9.8फीसदी रही। विशेषज्ञों का कहना है कि 7फीसदी से ज्यादा की आर्थिक वृद्धि दर भी पर्याप्त रोजगार सृजन नहीं कर पा रही है, जिससे नीति निर्माताओं के सामने युवाओं में बेरोजगारी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।

लक्षद्वीप केंद्र शासित प्रदेश में 15-29 साल के आयु वर्ग में बेरोजगारी दर सबसे ज्यादा है, जहां महिलाओं की दर 79.7फीसदी और पुरुषों की 26.2फीसदी दर्ज की गई। इसके बाद अंडमान और निकोबार द्वीप में बेरोजगारी दर 33.6फीसदी रही। इसी तरह, नागालैंड, मणिपुर और अरुणाचल प्रदेश में भी उच्च युवा बेरोजगारी दर दर्ज की गई, जबकि गोवा में यह दर 19.1फीसदी थी। सर्वेक्षण के मुताबिक शहरी क्षेत्रों में कुल युवा बेरोजगारी दर 14.7फीसदी रही, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह 8.5फीसदी से कम थी।

वन्यजीवों के संरक्षण में मील का पत्थर बनेगा एशिया का सबसे बड़ा एलिवेटेड कॉरिडोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर बनाया जा रहा एशिया का सबसे बड़ा एलिवेटेड वाइल्ड लाइफ कॉरिडोर न केवल सड़क यात्रा को सुरक्षित बनाएगा, बल्कि यह वन्यजीवों के संरक्षण में भी अहम भूमिका निभाएगा। दिल्ली से देहरादून की यात्रा अब महज 2.5 घंटे में संभव होगी, जिससे यात्रियों को सुविधा के साथ-साथ वन्यजीवों के संरक्षण के प्रति जागरूकता भी बढ़ेगी। इस अनूठे कॉरिडोर के निर्माण से यह स्पष्ट है कि विकास और पर्यावरण संरक्षण को एक साथ रखा जा सकता है। यह पहल न केवल भारत के लिए, बल्कि एशिया के लिए भी एक मिसाल पेश यह 12 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर राजाजी नेशनल पार्क और शिवालिक रिजर्व फॉरेस्ट एरिया के बीच स्थित है, जो हाथियों के संरक्षण के लिए जाना जाता है। इस कॉरिडोर की विशेषता यह है कि इसके तहत जानवरों की आवाजाही के लिए कई अंडरपास बनाए गए हैं। इनमें से 8 अंडरपास विशेष रूप से जानवरों के लिए सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करेंगे, जिससे मानव-वन्यजीव टकराव को कम किया जा सकेगा।हाथियों के लिए विशेष रूप से 200 मीटर लंबे दो कॉरिडोर बनाए गए हैं, जो आशरोडी से दात काली टेंपल तक जाते हैं। यह कॉरिडोर न केवल हाथियों को सुरक्षित रखने में मदद करेगा, बल्कि इसे गणेशपुर से देहरादून तक बढ़ाया गया है, जिसमें 340 मीटर लंबी एक टनल भी शामिल है। इससे वाहनों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित होगी और इंसानों और जानवरों के बीच टकराव के अवसर कम होंगे।इस कॉरिडोर की एक और अनूठी विशेषता है नॉयस बैरियर्स। ये 4 मीटर ऊंची दीवारें पॉलीकॉर्बोनेट से बनी हैं, जो ट्रैफिक के शोर को काफी हद तक सोख लेंगी। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि भले ही भारी वाहन जंगल के पास से गुजरें, लेकिन उनकी आवाज जानवरों तक नहीं पहुंचे। करती है।

कंगना रनौत का किसान कानूनों को दिए बयान पर मचा बवाल

-कांग्रेस ने कहा-कौन बढ़ावा दे रहा है? बीजेपी बोली-यह उनकी अपनी राय

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की लोकसभा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत एक बार फिर सुर्खियों में हैं। कंगना ने भारत के किसानों से जुड़ा बयान दिया है। कंगना का बयान सामने आने के बाद सियासी गरमा गई है। बीजेपी ने कंगना के बयान से किनारा काट लिया है और कहा है कि यह पार्टी का बयान नहीं है। वहीं, अब अलग-अलग पार्टी नेताओं की तरफ से बयानबाजी शुरू हो गई है।

एलजेपी प्रमुख और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कंगना के बयान पर कहा कि ये कंगना का पर्सनल बयान हो सकता है, ये उनकी सोच हो सकती है। पार्टी का इससे कोई लेना देना नहीं है। दिल्ली कांग्रेस चीफ देवेंद्र यादव ने सवाल उठाते हुए कहा कि सोचने का सवाल है कि कंगना को कौन बढ़ावा दे रहा है? क्यों पार्टी उनको रोक नहीं रही है? इस महिला ने पहले किसानों को आतंकवादी कहा था। ये किसानों के लिए शर्मनाक बयान देती हैं, इसमें बीजेपी की मौन सहमति है।

जनता दल यूनाइटेड के सीनियर लीडर केसी त्यागी ने कहा कि कंगना का बयान किसानों का अपमान है, बीजेपी को कार्रवाई करनी चाहिए। ये तो पीएम मोदी के फैसले का अपमान है। हम भी इन कृषि कानूनों के खिलाफ थे, हम कंगना के बयान का विरोध करते हैं। बयानबाजी पर तरह-तरह के सवाल उठने के बाद कंगना ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि किसान कानूनों पर मेरे विचार निजी हैं और वे उन विधेयकों पर पार्टी के रुख का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। कंगना ने यह बात बीजेपी लीडर गौरव भाटिया के बयान को सोशल मीडिया पर रीपोस्ट करते हुए दिया।

बीजेपी नेता गौरव भाटिया ने कंगना रनौत द्वारा कृषि कानूनों पर दिए गए बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि सोशल मीडिया पर केंद्र सरकार द्वारा वापस लिए गए कृषि बिलों पर बीजेपी सांसद कंगना रनौत का बयान वायरल हो रहा है। मैं यह साफ करना चाहता हूं कि यह बयान उनका निजी है। कंगना बीजेपी की तरफ से ऐसा बयान देने के लिए अधिकृत नहीं हैं और यह कृषि बिलों पर बीजेपी के नजरिए को नहीं दर्शाता है। हम इस बयान को अस्वीकार करते हैं।

कांग्रेस ने अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर कंगना के बयान वाला वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि किसानों पर लादे गए तीन काले कानून वापस लाने चाहिए। बीजेपी की सांसद कंगना ने ये बात कही। देश के 750 से ज्यादा किसान शहीद हुए, तब जाकर मोदी सरकार की नींद टूटी और ये काले कानून वापस हुए। कांग्रेस ने कहा कि अब बीजेपी सांसद फिर से इन कानून की वापसी का प्लान बना रहे हैं। कांग्रेस किसानों के साथ है। इन काले कानून की वापसी अब कभी नहीं होगी, चाहे नरेंद्र मोदी और उनके सांसद जितना भी जोर लगा लें।

हिमाचल प्रदेश में अपने निर्वाचन क्षेत्र मंडी में पत्रकारों से बात करते हुए कंगना रनौत ने कहा कि मुझे पता है कि यह बयान विवादास्पद हो सकता है लेकिन तीन कृषि कानूनों को वापस लाया जाना चाहिए। किसानों को खुद इसकी मांग करनी चाहिए।

कंगना ने तर्क दिया कि तीनों कानून किसानों के लिए फायदेमंद थे लेकिन कुछ राज्यों में किसान समूहों के विरोध के कारण सरकार ने उन्हें वापस ले लिया। उन्होंने कहा कि किसान देश के विकास का एक स्तंभ है. मैं उनसे अपील करना चाहती हूं कि वे अपने भले के लिए कानून वापसी की मांग करें।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक-डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रधान संपादक-देवेंद्र सिंह* (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 9386895799, 9507466535, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902